THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 13 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **चैत्र शु.12 2080 रविवार, 2 अप्रैल 2023**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ** : 16+32 **मूल्य** : 8 रुपये

PAN BAHAR

50 से भी ज़्यादा सालों से इंडिया का फ़ेवरेट ब्लेंड

अब हो गया है और भी बेहतर

This contains sodium saccharin (INS 954), sucralose (INS 955) and Neotame (INS 961). Not recommended for children. No sugar added in the product.
CONTAINS ARTIFICIAL SWEETENER AND FOR CALORIE CONSCIOUS

पान बहार

द हेरिटेज इलायची

पहचान कामयाबी की

Toll Free No.: 1800 257 2258

कांग्रेस नेता संगीता शर्मा के घर पहुंची पुलिस

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काफिले में अशांति फैलाने की आशंका के चलते मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग की उपाध्यक्ष संगीता शर्मा को पुलिस ने अपनी निगरानी में लिया है। पुलिस टीम शनिवार को यहां होशंगाबाद (नर्मदापुरम) रोड स्थित कांग्रेस नेत्री संगीता शर्मा के घर पहुंची। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को भोपाल प्रवास पर हैं। वे यहां दोपहर करीब साढ़े तीन बजे रानी कमलनापति स्टेशन पर वंदेभारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर हजरत निजामुद्दीन के लिए रवाना करेंगे। खुफिया विभाग से पुलिस को इनपुट मिला था कि प्रधानमंत्री का काफिला जब रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय की तरफ जाएगा, तब संगीता शर्मा समर्थकों के साथ नारेबाजी कर अशांति फैला सकती हैं। ऐसे में पुलिस ने उनको निगरानी में लिया है। हालांकि, उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है।

बंगाल सरकार ने सीआइडी को सौंपी हावड़ा हिंसा की जांच

राज्यपाल ने की सीएम ममता से बात

कोलकाता, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बंगाल के हावड़ा, शिवपुर में रामनवमी जुलूस निकाले जाने के दौरान हुई हिंसा के बाद राज्य सरकार ने इसकी जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआइडी) को सौंप दी है। बता दें कि आज सुबह तक कोई अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सीएम ममता से की बात

वहीं, दूसरी तरफ इस घटना पर राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बात की है। राज्यपाल ने घटना पर रिपोर्ट भी तलब किया है। राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि राज्यपाल बोस ने राज्य सरकार से उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई के अलावा कानून-व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखने के लिए पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

रामनवमी जुलूस पर पथराव के बाद भड़की हिंसा

उल्लेखनीय है कि हावड़ा में गुरुवार शाम रामनवमी जुलूस पर पथराव के बाद दो गुटों के बीच हिंसा हो गई थी। उपद्रवियों ने कई दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की और कुछ पुलिस वाहनों सहित कई कार में आग भी लगा दी गई थी।

स्मृति ईरानी ने उठाए ममता बनर्जी पर सवाल

इससे पहले केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोला था। उन्होंने सीएम ममता बनर्जी पर पत्थरबाजों को क्लीन चिट देने का आरोप लगाते हुए कहा था कि वह कब तक हिंदू समुदाय पर हमले करती रहेंगी। बता दें कि हावड़ा हिंसा को लेकर पश्चिम बंगाल से लोकसभा सांसद जगन्नाथ सरकार ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने हावड़ा हिंसा की एनआईए से जांच कराने की मांग की है। जगन्नाथ सरकार ने कहा कि हावड़ा हिंसा के लिए सरकार और प्रशासन जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि सरकार रामनवमी मनाने वाले लोगों के खिलाफ झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगा रही है।

सांसद के घर कफन देने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता, पुलिस ने किया गिरफ्तार

इंदौर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बेलेश्वर महादेव बावड़ी हादसे को लेकर कांग्रेस सांसद शंकर लालवानी पर सवाल उठा रही है। कांग्रेस का आरोप है कि लालवानी ने मंदिर और अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं करने के लिए दबाव बनाया। शनिवार को शहर युवा कांग्रेस कार्यकर्ता लालवानी के निवास पर कफन लेकर पहुंचे। रास्ते में पुलिस ने कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए बेरिकेड लगा रखे थे। कार्यकर्ता और पुलिस जवानों के बीच हल्की झड़प हुई। बाद में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। बावड़ी की छत गिरने से हुई ३६ लोगों की मौत को लेकर भाजपा और कांग्रेस में राजनीति शुरू हो गई है। कांग्रेस नेताओं का कहना है मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारी सांसद शंकर लालवानी के समर्थक है और उनके कहने पर लालवानी ने नगर निगम के अफसरों पर कार्रवाई नहीं करने का दबाव बनाया था। नगर निगम ने जनवरी में नोटिस दिया था, लेकिन अफसर कार्रवाई से बचते रहे। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने साथ कफन लेकर गए थे। वे सांसद को कफन भेंट कर इस हादसे की जिम्मेदारी लेने की बात कहना चाहते थे, कार्यकर्ता पलासिया के पीडब्लूडी परिसर स्थित आवास पर पहुंचने के लिए निकले थे।

खेत में पका रहा था चीतल का मांस

वन अमले ने शिकारी को पकड़ा हथियार भी किए जब्त

छतरपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छतरपुर जिले के बक्सवाहा वन परिक्षेत्र के अंतर्गत मछंदरी गांव से चीतल का शिकार करने वाले को 19 साल के आरोपी को पकड़ा गया है। डीएफओ बेनीप्रसाद दातोनिया ने बताया कि वन्य प्राणी का शिकार करने वालों पर टीम लगातार नजर रख कर कार्रवाई कर रही है। तो वहीं वन परिक्षेत्राधिकारी एसके सचान ने बताया कि बक्सवाहा वन परिक्षेत्र के मछंदरी गांव से चीतल का शिकार करने वाले एक 19 साल के आरोपी को चीतल के मांस और हथियार सहित पकड़ा गया है। शिकारी का नाम तिलक सिंह पुत्र मुन्ना लोधी है और उसकी उम्र 19 वर्ष है। आरोपी ग्राम श्यामपुरा तहसील बड़ागांव जिला टीकमगढ़ का रहने वाला है, वह अपने जीजा दयाराम लोधी पुत्र मान सिंह लोधी निवासी मछंदरी के यहां आया था।

राहुल गांधी के 'सत्यमेव जयते' की बदली तारीख

इसी दिन पीएम मोदी भी पहुंचेंगे कर्नाटक

बेंगलुरू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनावी राज्य कर्नाटक में 9 अप्रैल को दो महाबली आमने-सामने होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी अलग-कार्यक्रमों के लिए राज्य में पहुंचने वाले हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सत्यमेव जयते कार्यक्रम टालकर 9 अप्रैल को कर दिया गया है। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। हाल ही में लोकसभा से अयोग्य करार दिए गए कांग्रेस नेता राहुल गांधी का 5 अप्रैल को कोलार में सत्यमेव जयते कार्यक्रम होना था, लेकिन इसे टाल दिया गया है। अब इस कार्यक्रम को 9 अप्रैल को कर दिया गया है। इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रोजेक्ट टाइगर के लिए गोल्डन जुबली सेलीब्रेशन को लॉन्च करने के लिए मैसूर में मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस ने जानबूझकर चुनी 9 अप्रैल की तारीख

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने राहुल गांधी के कार्यक्रम के लिए 9 अप्रैल की तारीख इसलिए ही चुनी है, क्योंकि इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य के मैसूर में रहेंगे। बता दें, चुनाव आयोग ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है। राज्य में 10 मई को एक ही चरण में मतदान होना है। चुनाव परिणाम 13 मई को जारी होंगे। पार्टी के राज्य कार्यकारी अध्यक्ष सलीम अहमद ने कोलार में संवाददाताओं से कहा, अदालत द्वारा भाषण के लिए दो साल की जेल की सजा सुनाए जाने के बाद राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य कर दिया गया। इसी वजह से पार्टी ने कोलार से संविधान को बचाने के लिए अपनी लड़ाई शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत में जो हो रहा है उसने यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या यह अभी भी एक लोकतांत्रिक देश है।

कोलार में ही दिया था मोदी सरनेम वाला बयान

रोचक बात ये है कि कोलार ही वो जगह है, जहां पर 2019 के चुनाव अभियान के दौरान राहुल गांधी ने मोदी सरनेम वाला बयान दिया था। यहां दिए बयान को लेकर ही गुजरात की सूरत कोर्ट में राहुल गांधी के ऊपर आपराधिक मानहानि का मुकदमा किया गया था, जिसमें अदालत ने कांग्रेस नेता को दोषी मानते हुए दो साल की सजा सुनाई थी।

हालांकि, उन्हें उसी दिन जमानत सुनाई गई थी। सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद 24 मार्च को ही राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता के लिए अयोग्य करार दे दिया गया। लोकसभा सचिवालय ने एक नोटिस के माध्यम से ये जानकारी दी। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से सांसद चुना गया था।

कंझावला केसः सात में से 4 आरोपियों के खिलाफ चलेगा अंजलि की हत्या का मुकदमा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पूरे देश को झकझोर कर रख देने वाले कंझावला सड़क हादसे मामले में पुलिस ने आज चार्जशीट दाखिल की। जिसमें 7 में से 4 आरोपितों पर हत्या की धाराएं लगाई गई हैं। इनमें अमित खन्ना, कृष्णन, मनोज मित्तल और मिथुन का नाम शामिल है। बाकी तीन आरोपितों पर चार्जशीट सबूत मिटाने का आरोप लगाया गया है। जबकि आशुतोष और अंकुश जमानत पर बाहर हैं। इस घटना में कुल 7 लोगों को आरोपित बनाया गया था। पुलिस ने तकरीबन 800 पन्ने की चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें 120 लोगों को गवाह बनाया गया है। चार्जशीट में आरोपी अमित खन्ना के खिलाफ एमवी एक्ट की धारा 3/181, 185 भी लगाई गई है। वहीं आरोपी आशुतोष के खिलाफ़ एमवी एक्ट की धारा 5/180 भी लगाई गई है। इसके अलावा मुख्य तौर पर जो धाराएं लगाई गई है उनमें आईपीसी की धारा 302 यानी हत्या, 120बी- आपराधिक साजिश, 201- सबूतो को नष्ट करना और धारा 212 भी शामिल है। दुर्घटना के वक्त गाड़ी के अंदर मौजूद अमित खन्ना, कृष्णन, मिथुन और मनोज मित्तल के खिलाफ हत्या की धारा लगाई गई है। अंजलि सिंह (20) की एक जनवरी को तड़के मौत हो गई थी जब उसकी स्कूटी को एक कार ने टक्कर मार दी थी, जो उसे सुल्तानपुर से कंझावला के बीच 12 किलोमीटर से अधिक दूरी तक घसीटती चली गई। जांच एजेंसी के अनुसार जिस कार ने कथित तौर पर अंजलि की स्कूटी की टक्कर मारी थी वह कार आशुतोष की थी। यह कार उसके साले ने उसे तोहफे में थी। आशुतोष ने कार अमित खन्ना को चलाने के लिए दे दी थी, जिसके पास उचित लाइसेंस तक नहीं था। सीडीआर कॉल रिकॉर्ड के मुताबिक आरोपी अंकुश ने घटना के बाद सुबह 4,56 पर आशुतोष को कॉल किया था। बता दें कि इस साल की शुरुआत होने के कुछ घंटों बाद ही अंजलि सिंह की स्कूटी को कार ने टक्कर मार दी और उन्हें सुल्तानपुरी से कंझावला तक यानी कि करीब 12 किलोमीटर तक घसीटा गया था। इससे अंजलि की मौत हो गई थी।

छात्रों के प्रदर्शन के बाद चेन्नई एकेडमी के प्रोफेसर के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य की पुलिस ने कलाक्षेत्र के एक प्रोफेसर के खिलाफ यौन शोषण का मामला दर्ज किया है। राज्य के प्रसिद्ध क्लासिकल आर्ट्स कॉलेज के प्रोफेसर के खिलाफ ये कार्रवाई यौन उत्पीड़ का शिकार हुई एकेडमी की भूतपूर्व छात्रा के शिकायत के आधार पर की गई है। बीते कई दिनों से करीब 200 से छात्र-छात्राओं के संयुक्त प्रदर्शन के बाद आज हरि पदमन के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है। छात्रों ने उक्त फैकल्टी और तीन रिपर्टरी कलाकारों द्वारा यौन उत्पीड़न, बॉडी शेमिंग और मौखिक दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए विरोध करना शुरू किया था। पहले, राष्ट्रीय महिला आयोग ने इन आरोपों को दुष्प्रचार अभियान करार दिया था। साथ ही आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था। करीब 90 विद्यार्थियों ने राज्य महिला आयोग को कल इस मामले में शिकायत की है। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने का अश्वासन दिया है। छात्राओं का आरोप है कि उन्होंने कलाक्षेत्र में सालों तक यौन उत्पीड़न, बॉडी शेमिंग, मौखिक दुर्व्यवहार और अपनी त्वचा के रंग के आधार पर भेदभाव का सामना किया है। उनका यह भी आरोप है कि एकेडमी प्रशासन उनकी शिकायतों के प्रति उदासीन और अनुत्तरदायी है। गुरुवार को, उन्होंने केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को पत्र लिखकर कथित निष्क्रियता के लिए निदेशक रेवती रामचंद्रन को हटाने और आंतरिक शिकायत समिति के पुनर्गठन की मांग की।

एमसीडी मेयर शैली ओबेरॉय का कार्यकाल आज खत्म होगा

38 दिन ही पद पर रह सकीं, सोमवार से नए मेयर इलेक्शन की प्रोसेस शुरू होगी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर गिगम(एमसीडी) मेयर का कार्यकाल आज खत्म हो रहा है। संभवतः सोमवार से नए महापौर के चुनाव की प्रोसेस शुरू हो जाएगी। सबसे पहले महापौर के पास यह फाइल भेजी जाएगी। इसमें जो तारीख महापौर तय करेगी उस दिन चुनाव की अधिसूचना जारी होगी। दिल्ली नगर निगम में भले ही आज 38 दिन के बाद शैली ओबेरॉय महापौर व उप महापौर का कार्यकाल खत्म हो रहा है, लेकिन यह दोनों जब तक पद पर बने रहेंगे, जब तक नए सिरे से महापौर का चुनाव नहीं हो जाता है।

वर्तमान महापौर शैली 38 दिन ही पद पर रह सकीं

एमसीडी की वर्तमान मेयर शैली ओबेरॉय 38 दिन ही मेयर पद पर रह सकीं। दरअसल, डीएमसी की धारा दो (67) के अनुसार निगम का साल अप्रैल माह की पहली तारीख से शुरू होता है, जो अगले साल 31 मार्च को समाप्त होता है। ऐसे में 22 फरवरी से आज तक उनका कार्यकाल सिर्फ 38 दिनों का ही रह सका। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोमवार से दोबारा से सोमवार से मेयर चुनाव की प्रोसेस शुरू हो जाएगी।

शैली मे भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 वोटों से हराया था

नगर निगम चुनाव के 80 दिन बाद 22 फरवरी को दिल्ली को नया मेयर मिला था। शैली ओबेरॉय को 150 वोट मिले थे। उन्होंने भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 वोटों से हराया था। दिल्ली को 10 साल बाद महिला मेयर मिली। 2011 में भाजपा की रजनी अब्बी आखिरी महिला मेयर थीं। इसके बाद 2012 में शीला दीक्षित सरकार में दिल्ली नगर निगम को 3 हिस्सों में बांटा गया था। 2022 में इन हिस्सों को मिलाकर फिर एक कर दिया गया। इसके बाद यह एमसीडी का पहला चुनाव था। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के स्टैंडिंग कमेटी के चुनाव में आम आदमी पार्टी और भाजपा पार्षदों में एक बार फिर मारपीट हो गई। दरअसल, काउंटिंग के दौरान एक वोट को मेयर ने अनवैलिड घोषित कर दिया था। इसके बाद मेयर ने रीकाउंटिंग का आदेश दिया। इसी आदेश के बाद हंगामा शुरू हो गया। पार्षदों के बीच जमकर लात-घूंसे चले। दिल्ली मेयर चुनाव के मुद्दे पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। कोर्ट ने पहली मीटिंग में ये चुनाव करवाने के निर्देश दिए थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि नॉमिनेटेड मेंबर्स को वोटिंग का हक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मेयर के चुनाव के बाद ही डिप्टी मेयर का चुनाव हो सकता है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा- इस बात पर जोर देने की आवश्यकता है कि मेयर बैठकों का संचालन करेंगे।

कोझिकोड के कपड़ा दुकान में लगी आग, दमकल की 12 गाड़ियों ने पाया काबू

तिरुवनन्तपुरम, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड शहर में आज सुबह भीषण हादसा हो गया। दरअसल कोझिकोड के कल्लई रोड पर एक कपड़ा दुकान में आग लग गई। आग लगने से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने सुबह करीब 6 बजे जयलक्ष्मी सिल्क्स शोरूम में धुआं देखा था। इस भीषण आग से शोरूम के बाहर खड़ी कई कारें जलकर खाक हो गईं। बताया जा रहा है कि आग इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर लगी। स्थानीय लोगों ने तुरंत ही इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही टीम घटनास्थल पर पहुंची। दमकल और बचाव सेवा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए शहर के विभिन्न स्टेशनों से दमकल की 12 इकाइयां कोझिकोड की एक प्रमुख कपड़ा दुकान जयलक्ष्मी सिल्क्स के पास पहुंची हैं। जयलक्ष्मी सिल्क्स शोरूम में लगी आग के कुछ ही मिनटों बाद ग्राउंच फ्लोर के पास खड़ी दो कारें जलकर खाक हो गईं। वहीं, कपड़ों का एक बड़ा भंडार भी कथित तौर पर नष्ट हो गया था, जबकि बचाव दल ने आपातकालीन स्थिति में तुरंत आग को बुझाने के लिए कार्रवाई की थी। आग की लपटों को सबसे पहले एक स्थानीय निवासी ने बिल्डिंग के एयर कंडीशन कंट्रोल यूनिट के पास देखा। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर करीब एक घंटे तक आग को बुझाने प्रयास करते रहे लेकिन इसके बाद भी बहुमंजिला इमारत से धुआं निकलने के कारण इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस सूत्रों ने कहा कि बचाव दल के समय पर पहुंचने से आस-पास की इमारतों को आग से बचाया जा सका।

सरपंच ने हवा में 2 लाख रुपए उड़ाकर किया प्रदर्शन कुंआ मंजूरी के लिए अधिकारी ने मांगी थी रिश्वत

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर जिले में फूलुंबरी पंचायत समिति के सामने सरपंच ने पैसे फेंक कर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के मुताबिक सरपंच ने करीब करीब दो लाख रुपए के नोट फेंके। सरपंच ने ये प्रदर्शन कुएं के लिए सरकारी अधिकारी द्वारा रिश्वत मांगे जाने के विरोध में किया।

गेवराई पायगा के सरपंच ने रिश्वत के रूप में लाए गए दो लाख रुपये पंचायत कार्यालय के सामने फेंककर विरोध दर्ज कराया। नोट फेंककर विरोध करने वाले सरपंच का नाम मंगेश साबले बताया जा रहा है। सरपंच साबले ने नोटों हवा में उड़ाकर पंचायत समिति के सामने प्रदर्शन कर विरोध जताया। इस विरोध के दौरान उन्होंने करीब 2 लाख रूपए हवा में उड़ा दिए। आसपास के कुछ बच्चे जमीन पर पड़े नोटों को उठाकर भाग गए और कुछ नोट वहीं पर पड़े रहे।

कमजोर हो रहा है मासूमों का दिल! 13 साल की बच्ची की हार्ट अटैक की मौत

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में हार्ट अटैक से होने वाली मौतों का आंकड़ा बीते कुछ महीनों मे तेजी से बढ़ा है। आप ऐसा भी कह सकते हैं कि कोरोना के बाद से दिल का दौरा मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हालांकि ऐसा क्यों हुआ इसके पीछे कोई ठोस कारण सामने नहीं आया। कई स्पेशलिस्ट कहते हैं कि कोरोना के बाद शरीर के अंदर कई तरह के बदलाव हुए हैं। जिसकी वजह से ऐसा हो रहा है। हैदराबाद के महबूबाबाद मारीपेड़ा मंडल के अंदर आने वाले अब्बैपलेम गांव में एक 13 साल की लड़की की मौत हार्ट अटैक से हो गई। बच्ची छठी क्लास में पढ़ती थी। उसका नाम बोड़ा श्रावंती है। गुरुवार रात उसको सांस लेने में तकलीफ हुई। आमतौर पर ऐसा होता है तो घर वाले बहुत ज्यादा सीरियस नहीं लेते। किसी को भी उम्मीद नहीं थी ये हार्ट अटैक है। तुरंत तैयारी हुई कि बच्ची को डॉक्टर के पास ले जाया जाए मगर इससे पहले ही वो गिर पड़ी और वहीं उसकी मौत हो गई। बच्ची अपने दादा-दादी के घर पर थी।

बीते कुछ महीनों में तेजी से बढ़े मामले

बीते कुछ महीनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में हार्ट अटैक और कार्डियक अरेस्ट से होने वाली मौतों के मामले तेजी से आए हैं। कहीं कोई डांस करता-करता वहीं गिर पड़ा और मौत हो गई। रंगमंच के दौरान कई कलाकारों की मौत हार्ट अटैक से हो गई। जिम करते वक्त किसी की डेथ हो गई।

तेलंगाना में 30 मिनट के भीतर बच्ची की मौत

तेलंगाना में भी इस तरह के मामले देखने को मिल रहे हैं। बीते एक-दो महीनों में युवाओं को कार्डियक अरेस्ट की हो रहा है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार की रात बिटिया सबके साथ सो गई। लेकिन करीब 12 बजे के बाद अचानक उठी और अपनी दादी को बताया कि उसकी सांस फूल रही है और सीने में दर्द हो रहा है। ज्यादातर मामलों में घरवाले इसे गैस या कुछ और कहते हैं और कुछ देर तक घरेलू उपचार ही देते हैं। बच्ची को तेज दर्द होने लगा तो घरवाले तुरंत ऑटो लेने गए। लेकिन जब तक वो ऑटो आ पाता उस वक्त तक उसकी मौत गई।

अरनिया आईबी पर दिखा ड्रोन, पाकिस्तानी रेंजर्स ने बीएसएफ के जवानों पर की फायरिंग

जम्मू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के अरनिया अंतरराष्ट्रीय सीमा(आईबी) पर बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन की संदिग्ध आवाजाही देखी। भारतीय इलाके में ड्रोन के आने की आहट के बाद जवानों ने हवाई फायरिंग की। इसके बाद वह सीमा पार की तरफ चला गया। सूत्रों ने बताया कि शनिवार तड़के अरनिया बीओपी में तैनात जवानों ने पाकिस्तान की तरफ से एक लाल लाइट को लगातार भारतीय सीमा की तरफ आते देखा। ड्रोन की आहट की आशंका के चलते जवान सतर्क हो गए। उन्होंने हवाई फायरिंग की। इसके बाद ड्रोन सीमा पार की तरफ चला गया। उधर, पाकिस्तानी रेंजर्स ने भारतीय जवानों पर अचानक बीस से पच्चीस राउंड फायरिंग कर दी। इसमें किसी प्रकार के नुकसान की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक पूरी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

कोलकाता में घातक प्लांट फंगस से संक्रमित हुआ दुनिया का पहला इंसान

कितनी खतरनाक है ये बीमारी

कोलकाता, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक 61-वर्षीय शख्स घातक प्लांट फंगस रोग से संक्रमित होने वाला दुनिया का पहला व्यक्ति बन गया है। पेशे से प्लांट माइकोलॉजिस्ट रहे इस शख्स को कई दिनों से आवाज में भारीपन, खांसी, थकान और निगलने में कठिनाई की समस्या हो रही थी। डॉक्टरों ने कहा, शख्स कोलकाता मे कंसल्टेंट अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स के आउट पेशेंट विभाग में आया था। डॉक्टरों की मानें तो शख्स को पहले न तो डायबिटीजी, एचआई संग्रमण या गुर्दे की बीमारी थी या किसी दवाई का साइड इफेक्ट हुआ था। स्कैन में उसकी गर्दन में फोड़ा दिखा और पस की जांच में प्लांट फंगस कॉन्ड्रोस्टेरियम परप्यूरियम होने का पता चला। डॉक्टरों ने बताया कि 61 वर्षीय पीड़ित शख्स अपनी रिसर्च के दौरान लंबे समय तक सड़ने वाले पदार्थों, मशरूम और कई अलग-अलग तरह के प्लांट फंगी के साथ काम कर रहा था। डॉक्टरों ने कहा कि कई जांच के बाद सैंपल को फंगस की जांच और रिसर्च के लिए डब्ल्यूएचओ के सहयोगी केंद्र भेजा गया था जहां इसकी पहचान के रूप में हुई। एक तरह का प्लांट फंगस है जिससे सिल्वर लीफ बीमारी होती है। यह बीमारी अधिकतर गुलाब के पौधों को अपनी चपेट में लेती है। इससे पेड़ या पौधे पर, उसकी शाखाओं पर सफेद चमकदार पत्ते निकल आते हैं। वहीं यह ऐसे इंसानों के चपेट में लेता है जिनकी इम्युनिटी कमजोर होती है और उनके लिए खतरनाक होता है। डॉक्टरों ने बताया कि पीड़ित व्यक्ति के गर्दन में फोड़े का पता चला। उसका ऑपरेशन किया गया जिसके बाद एक्स-रे में कुछ भी असामान्य नहीं निकला और फिर रोगी को एंटीफंगल दवा का कोर्स दिया गया। दो साल के फॉलो-अप के बाद रोगी बिल्कुल ठीक हो गया और उसके फिर से संक्रमित होने का कोई सबूत नहीं है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 13 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.12 2080 रविवार, 2 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

राहुल पर मानहानि का एक और केस

> आरएसएस ने हरिद्वार में मुकदमा किया > राहुल ने कहा था-21वीं सदी के कौरव हाफ पैंट पहनते हैं

हरिद्वार, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर शनिवार को एक और मानहानि का केस दर्ज किया गया है। यह केस आरएसएस कार्यकर्ता कमल भदौरिया ने हरिद्वार में किया है। दरअसल, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हरियाणा में राहुल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर टिप्पणी की थी। उन्होंने आरएसएस को 21वीं सदी का कौरव बताया था। इसी को लेकर संघ की तरफ से मुकदमा दर्ज करवाया गया है। मामले की सुनवाई 12 अप्रैल को उत्तराखंड के हरिद्वार कोर्ट में होगी।

राहुल ने कहा था, 21वीं सदी के कौरव खाकी हाफ पैंट पहनते हैं

9 जनवरी 2023 को हरियाणा के अंबाला जिले में राहुल एक नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि कौरव कौन थे? मैं आपको सबसे पहले 21वीं सदी के कौरवों के बारे में बताऊंगा। वे खाकी हाफ पैंट पहनते हैं। हाथ में लाठी लिए होते हैं और शाखा लगाते हैं। भारत के 2-3 अरबपति कौरवों के साथ खड़े हैं।

राहुल को पेश होने के लिए पटना कोर्ट ने निर्देश दिया :

इधर, बिहार के पटना जिले में एमपी/एमएलए कोर्ट ने राहुल को मानहानि केस में 12 अप्रैल को पेश होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि राहुल कोर्ट आकर अपना बयान दर्ज कराएं। दरअसल, राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने 2019 में मोदी सरनेम मामले में राहुल के खिलाफ केस दर्ज करवाया था।

मोदी सरनेम केस में 2 साल की सजा मिली, संसद सदस्यता भी गई

इससे पहले 23 मार्च को 'सभी चोरों का सरनेम मोदी क्यों होता है...' इस बयान से जुड़े मानहानि केस में राहुल गांधी को सूरत कोर्ट ने दोषी करार दिया। इस फैसले के 27 मिनट बाद कोर्ट ने उन्हें 2 साल की जेल की सजा सुनाई और 15 हजार का जुर्माना भी लगाया। इसके कुछ देर बाद कोर्ट ने उन्हें जमानत भी दे दी। साथ ही सजा को 30 दिन के लिए स्थगित कर दिया। सुनवाई के दौरान राहुल कोर्ट में मौजूद रहे। राहुल ने कोर्ट में अपना पक्ष रखा। उनके वकील के मुताबिक, राहुल ने कहा कि बयान देते वक्त मेरी मंशा गलत नहीं थी। मैंने तो भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी। उधर, कोर्ट के बाहर विधायक और याचिकाकर्ता पूर्णेश मोदी और उनके समर्थकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे लगाए।

जेल से बाहर आए नवजोत सिद्धू

> 317 दिन बाद पटियाला जेल से रिहाई

> रोडरेज केस में एक साल की कैद हुई थी

पटियाला, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रधान व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू पटियाला जेल से रिहा हो गए हैं। सिद्धू 317 दिन बाद पटियाला सेंट्रल जेल से बाहर आए हैं। उन्होंने पटियाला में हुए रोडरेज केस में एक साल की कैद काटी। सिद्धू के बाहर निकलने पर समर्थकों ने पूरे जोश से उनका स्वागत किया।

रिहाई में होती रही देरी :

इससे पहले सिद्धू की रिहाई में देरी होती रही। पहले उनकी रिहाई सुबह 11 बजे और फिर 3 बजे कही गई लेकिन वह अब करीब 6 बजे रिहा हो रहे हैं। उनके बेटे करण सिद्धू ने आरोप लगाया था कि कागजी कार्रवाई के नाम पर उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। सुबह से कई बार एक घंटे में रिहाई की बात कही जा चुकी है।

समर्थकों की भीड़ ज्यादा होने की वजह से रिहाई में देरी की जा रही है। पूर्व विधायक नवतेज चीमा ने कहा कि राज्य सरकार जानबूझ कर उन्हें रिलीज करने में देरी कर रही है। पटियाला पहुंचे नेशनल कांग्रेस के पूर्व स्पोक्सपर्सन गौतम सेठ ने बताया कि कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल ने राज्य स्तरीय कार्यक्रमों को आज रद्द करने के लिए कहा है। उन्होंने सभी कांग्रेसी नेताओं को नवजोत सिंह सिद्धू के स्वागत में पटियाला जेल पहुंचने के आदेश दिए हैं। >14

तेलंगाना नेता शर्मिला ने की भाजपा-कांग्रेस अध्यक्ष से बात

> पेपर लीक मामले में संयुक्त मार्च की मांग

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वायएसआर टीपी प्रमुख वायएस शर्मिला ने तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष और भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की। शर्मिला ने कांग्रेस अध्यक्ष रेवांथ रेड्डी और भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय से कहा कि टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में संयुक्त मार्च निकाला जाए।

प्रदर्शन करने से पहले पुलिस ने पकड़ा

वायएसआरटीपी प्रमुख वायएस शर्मिला को टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में प्रदर्शन करने से पहले पुलिस ने पकड़ लिया था। 15 मार्च को पेपर लीक होने के आरोपों के बाद 5 मार्च को आयोजित सहायक अभियंता परीक्षा को टीएसपीएससी ने रद्द कर दी थी। इसके बाद पुलिस ने टीएसपीएससी के दो कर्मचारियों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार कर लिया था।

भाजपा प्रमुख ने समन पर की टिप्पणी

पेपर लीक मामले की जांच कर रहे तेलंगाना पुलिस के विशेष जांच दल ने राज्य के भाजपा प्रमुख बंडी संजय को पूछताछ के लिए 26 मार्च को पेश होने के लिए शनिवार को तलब किया था। संजय ने समन पर कहा कि एसआईटी में पेपर लीक मामले में बीआरएस नेताओं को नोटिस जारी करने का साहस नहीं था।

संजय को अपने दावे का ही देना था जवाब :

एसआईटी अधिकारी 25 मार्च को टीएसपीएससी लीक मामले में संजय को नोटिस देने के लिए हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास पर पहुंचे थे। इस दौरान संजय को उनके दावे से संबंधित सवालों का जवाब देना था। संजय ने कुछ दिनों पहले कहा था कि जगतियाल जिले से आने वाले 50 लोग टीएसपीएससी में योग्य हैं।

केंद्र ने पर्यावरण संरक्षण के नियमों को किया कमजोर : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस ने वन (संरक्षण) अधिनियम में संशोधन कर, नए कानून बनने पर केंद्र पर आदिवासी वर्ग का अहित और विकास के नाम पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को केंद्र पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज इसका राजनितिक, सामाजिक, आर्थिक महत्व ये है कि जो हमने कानून बनाए थे। उससे जंगल और वहां का जीवन खतरे में है। इससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जो कानून लाया गया, कांग्रेस ने उसका विरोध किया। क्यों कि उस संशोधन से हाथी के व्यापार को बढ़ावा मिल जायेगा, उसके व्यापार का दरवाजा खोल दिया जाएगा। जबकि कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी, जयराम रमेश, मनीष तिवारी, कांग्रेस के अन्य सांसदों ने इसका विरोध करते हुए राज्यसभा के चेयरमैन और लोकसभा अध्यक्ष को पत्र भी लिखा था लेकिन फिलहाल ये दोनों हाउस से पारित हो गया है। जयराम रमेश ने कहा, वन (संरक्षण) अधिनियम में संशोधन लाने का प्रस्ताव सिलेक्ट कमेटी को भेजा गया। क्योंकि स्थाई समिति के अध्यक्ष हम हैं। कांग्रेस के एमपी सदस्य हैं लेकिन सिलेकट कमेटी में बीजेपी के अध्यक्ष और उनका ही बहुमत है। >14

अमूल ने फिर बढ़ाए दूध के दाम, चुकाने होंगे दो रुपये ज्यादा

अहमदाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमूल ने दूध के दाम में एक फिर बढ़ोतरी कर दी है। इस बार दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाए गए हैं। हालांकि, यह बढ़ोतरी सिर्फ गुजरात के लिए की गई है। इससे पहले जब अमूल दूध के दाम बढ़ाए गए थे, तो वह गुजरात में लागू नहीं हुए थे। गुजरात में दिसंबर 2022 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद पहली बार दूध के दाम में बढ़ोतरी की गई है।

जानकारी के मुताबिक, एक अप्रैल 2023 से अहमदाबाद और सौराष्ट्र-कच्छ में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। सूत्रों की मानें तो चारा और परिवहन की कीमतों में वृद्धि की वजह से दूध की लागत में बढ़ोतरी हुई है। इसलिए अमूल ने दूध की कीमतों में इजाफा करने का फैसला किया है। कीमत में बढ़ोतरी के बाद अमूल भैंस के दूध की कीमत अब 68 रुपये प्रति लीटर, अमूल गोल्ड की कीमत 64 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा अमूल शक्ति की कीमत 58 रुपये, अमूल गाय के दूध की कीमत 54 रुपये, अमूल ताजा की कीमत 52 रुपये और अमूल टी-स्पेशल की कीमत 60 रुपये प्रति लीटर हो गई है। अब यहां 500 मिलीलीटर अमूल गोल्ड की कीमत 32 रुपये, अमूल ताजा की कीमत 26 रुपये और अमूल शक्ति की कीमत 29 रुपये प्रति लीटर होगी। छह महीने बाद गुजरात में दूध के दामों में इजाफा किया गया है। इससे पहले अमूल ने अक्टूबर 2022 में दो रुपये प्रति लीटर दाम बढ़ाए थे।

114 प्रतिशत तक बढ़ गए संक्रमण से मौत के आंकड़े

> भारत में स्थिति को लेकर डब्ल्यूएचओ का अलर्ट

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरोना वायरस का संक्रमण देश में पिछले 15 दिनों से तेज गति से बढ़ता देखा जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि छह महीने में पहली बार तीन दिनों से लगातार तीन हजार के आसपास लोगों में संक्रमण की पुष्टि की जा रही है। कोरोना के जिस वैरिएंट (एक्सबीबी.1.16) को बढ़ते मामलों के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है, अध्ययनों में उसकी संक्रामकता दर काफी अधिक बताई जाती है।

पिछले एक महीने के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या में उछाल आया है। क्या ये आंकड़े गंभीर स्थिति की तरफ संकेत हैं? विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा शुक्रवार को जारी महामारी विज्ञान की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 28 दिनों में भारत में कोविड-19 से होने वाली मौतों में 114 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। वहीं संक्रमण के आंकड़े में 437 प्रतिशत का उछाल है। कोरोना के ओमिक्रॉन वैरिएंट्स को गंभीर रोगों और मृत्यु का कारक नहीं माना जाता रहा है, पर ये आंकड़े चिंता जरूर बढ़ा रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र से 27,000 से अधिक नए मामलों की सूचना मिली है, जो पिछले 28 दिनों की अवधि की तुलना में 152 प्रतिशत की वृद्धि है। इसमें भारत में उच्चतम आनुपातिक वृद्धि देखी गई है, जिसके बाद मालदीव (129 प्रतिशत) और नेपाल (89 प्रतिशत) का स्थान है। इसी तरह भारत से कम से कम 62 मौतों की सूचना है, जिसका मतलब है कि प्रति एक लाख पर एक नई मौत के साथ 114 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

12 राज्यों में सुरक्षा बलों के 49 हजार करोड़ रुपये फंसे

अकेले सीआरपीएफ के 44000 करोड़ बकाया, ऐसे होगी वसूली

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जब कभी किसी राज्य में दंगा, चुनाव या अन्य कोई ऐसी गतिविधि होती है, जिसमें कानून व्यवस्था के बिगड़ने का अंदेशा बना रहता है, तो वहां पर केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीआरपीएफ की तैनाती की मांग की जाती है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय भी बिना कोई देरी किए सीआरपीएफ को संबंधित राज्य के लिए रवाना कर देता है। हालांकि इस तरह के अधिकांश टॉस्क सीआरपीएफ द्वारा पूरे किए जाते हैं। अब राज्यों की ओर केंद्रीय सुरक्षा बलों के 49 हजार करोड़ रुपये फंस गए हैं। मतलब, इतनी राशि बकाया है। इसमें अकेले सीआरपीएफ के ही 44083.51 करोड़ रुपये हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दर्जनभर राज्यों से कई बार आग्रह किया है कि इस राशि का भुगतान किया जाए, लेकिन राज्यों ने इतनी बड़ी राशि

लौटाने की बजाए, उसे माफ करने की बात कह दी। केंद्र सरकार अब इस बकाया राशि का भुगतान कराने के लिए सख्त कदम उठा सकती है। राज्यसभा में पेश हुई गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति की 242वीं रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। उत्तर प्रदेश से भाजपा के राज्यसभा सांसद बृजलाल, गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि विभिन्न राज्यों की तरफ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 49912.37 करोड़ रुपये बकाया हैं। जिन राज्यों ने अभी तक अपना तय भुगतान नहीं किया है, उनमें गोवा, छत्तीसगढ़, ओडिशा, नगालैंड, मिजोरम, आंध्र प्रदेश, असम, पंजाब, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, त्रिपुरा और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। संसदीय समिति ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से पूछा था कि इस बकाया राशि के भुगतान के लिए क्या प्रयास किए गए हैं। मंत्रालय का जवाब था कि इस संबंध में नियमित आग्रह किया जा रहा है। प्रत्येक तीन माह में इस तरह का आग्रह किया जाता है।

गृह मंत्रालय ने संसदीय समिति को सूचित किया कि इन राज्यों ने उक्त राशि को माफ करने के लिए प्रार्थना दी है। समिति ने मंत्रालय से कहा है कि इसे लेकर कठोरता से बात की जाए। उक्त राशि के भुगतान के लिए राज्यों के साथ प्रमुखता से इस विषय को उठाया जाए। इतना ही नहीं, समिति ने मासिक स्तर पर इस मुद्दे को उठाने की बात कही है। भारत सरकार को भी इस विषय में गंभीरता से प्रयास करने चाहिए, ताकि समयबद्ध तरीके से 49912.37 करोड़ रुपये का भुगतान संभव हो सके।

जम्मू-कश्मीर में दूसरा सबसे लंबा राष्ट्रपति शासन

मतदाता सूची की फिर से जांच, विपक्ष ने कहा-सिर्फ चुनाव टालने का बहाना

श्रीनगर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की नए सिरे से समीक्षा का आदेश दिया है। एक महीने की मतदाता सूची की विशेष समीक्षा पिछले साल अक्टूबर में पूरी हो गई थी। अब नए सिरे से जांच करने के आदेश को लेकर राज्य के राजनीतिक दल भड़क गए हैं।

उनका आरोप है कि सरकार चुनाव को लटकाने के लिए ऐसा कर रही है। नए सिरे से समीक्षा के कार्यक्रम में एक अप्रैल को पात्रता की तारीख माना गया है और 10 मई को आखिरी वोटर लिस्ट प्रकाशित होगी। पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया है कि चुनाव टालकर भाजपा चुनाव आयोग के फैसले को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है। अपनी पार्टी के प्रमुख अल्ताफ बुखारी ने कहा कि 2018 से टालमटोल चला आ रहा है। 16 मार्च को 13 विपक्षी दलों ने चुनाव आयोग से चुनाव कराने का आग्रह किया है। प्रदेश में परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह मतदाता-सूची में पुनरीक्षण के लिए दूसरा अभियान होगा। दूसरे चरण में मतदाता-सूची में एक अप्रैल 2023 की स्थिति के मुताबिक सुधार किए जा सकेंगे। अंतिम मतदाता-सूची 10 मई को जारी की जाएगी।

इस बीच, केंद्र शासित प्रदेश में चल रहा राष्ट्रपति शासन दूसरी सबसे लंबी अवधि का हो गया है। 19 जनवरी 1990 से 9 अक्टूबर 1996 तक 6 साल 264 दिन तक राष्ट्रपति शासन रहा, जो देश में सबसे लंबा है। इस बार यह 4 साल 9 महीने 14 दिन (19 जून 2018 से 1 अप्रैल 2023) का हो गया है, >14

लंबित मामलों पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

> समय पर सुनवाई पूरी नहीं होना लोगों के साथ अन्याय

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को कहा कि जेलों में भीड़ बहुत है। वहां रहने की स्थिति भयावह है। अदलातें ये सुनिश्चित करें कि जिन मामलों में कड़े कानून और कड़े प्रावधान लागू होते हैं, उन्हें जल्दी खत्म करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि मुकदमे समय पर खत्म नहीं होते, तो व्यक्ति पर जो अन्याय हुआ है, वह अथाह है। सुप्रीम कोर्ट जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत एक व्यक्ति को जमानत पर रिहा करते हुए कहा।

जमानत देने की कड़ी शर्त है

कारावास के और भी हानिकारक प्रभाव होते हैं। जहां अभियुक्त आर्थिक रूप से कमजोर हो जाता है। साथ ही व्यक्ति को आजीविका का तत्काल नुकसान और कई मामलों में परिवारों के बिखरने के साथ-साथ पारिवारिक बंधन भी टूट जाते हैं और समाज से अलगाव रहता है। पीठ ने कहा कि अदालतों को इन पहलुओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। अदालतों को सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन मुकदमों में कड़े प्रावधान और कानून लागू होते हैं, वे तेजी से चलें और जल्दी खत्म हो जाएं। कोर्ट ने कहा कि जिन मामलों में जमानत देने की कड़ी शर्तें हैं, वह जनहित में आवश्यक हो सकते हैं। लेकिन अगर जांच जल्द खत्म नहीं होती तो उस व्यक्ति के साथ जो अन्याय हुआ है, वह अथाह है।

देश की जेलों का यह है आंकड़ा

कोर्ट ने कहा कि जेलों में अत्यधिक भीड़भाड़ है। यहां रहने की स्थिति अक्सर भयावह होती है। संसद में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो ने बताया था कि साल 2021 तक 5,54,034 से अधिक कैदी जेल में बंद थे। देश में 4,25,069 की कुल क्षमता है। इनमें 1,22,852 कैदी दोषी थे। बाकि 4,27,165 कैदी विचारधीन हैं।

शीर्ष अदालत ने व्यक्ति को जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए कहा कि वह सात साल चार महीने से अधिक समय से हिरासत में है। मुकदमे की प्रगति कछुआ गति से चल रही है। क्योंकि, अब तक 30 गवाहों की जांच की गई है, जबकि 34 और की जांच की जानी है।

रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुचा

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। रक्षा निर्यात के उच्चतम स्तर पर पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। निर्यात रिकॉर्ड के ऊचाई पर पहुंचने की जानकारी देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट के जरिए दी। पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री के इसी ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी।

पीएम मोदी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के उस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दिए, जिसमें उन्होंने कहा था कि शुक्रवार को समाप्त हुए वित्त वर्ष में भारत का रक्षा निर्यात 15,920 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। सिंह ने इसे देश के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि भी बताया। मोदी ने कहा, उत्कृष्ट! यह भारत की प्रतिभा और 'मेक इन इंडिया' के प्रति उत्साह की स्पष्ट अभिव्यक्ति है।

इससे यह भी पता चलता है कि पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में किए गए सुधार अच्छे परिणाम दे रहे हैं। हमारी सरकार भारत को एक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करती रहेगी।

संजय राउत को जान से मारने की धमकी

> मूसेवाला जैसा हाल करेंगे

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना नेता संजय राउत को लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा जान से मारने की धमकी दी गई है। जिसके बाद संजय राउत ने पुलिस से इसकी शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बता दें कि लॉरेंस बिश्नोई गैंग बॉलीवुड स्टार सलमान खान को भी जान से मारने की धमकी दे चुका है। साथ ही पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर आरोप लगे हैं।

धमकी में सिद्धू मूसेवाला का जिक्र :

पुलिस ने बताया कि शिवसेना (उद्धव ठाकरे) नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत को धमकी भरा संदेश मिला है। जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने संजय राउत को धमकी दी है कि सिद्धू मूसेवाला गैंग की तरह ही उनकी हत्या कर दी जाएगी। संजय राउत ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय राउत को भेजे गए धमकी भरे संदेश में कहा गया है कि दिल्ली में मिला तो एके-47 से उड़ा दूंगा। साथ ही कहा है कि तू और सलमान फिक्स हैं।

पुलिस ने इस मामले में पुणे से एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है, जिसे मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

धमकी मिलने पर क्या बोले संजय राउत :

संजय राउत ने बताया कि उन्हें धमकी भरा संदेश मिला है। मैंने इसके बारे में पुलिस को सूचना दे दी है। मैं डरूंगा नहीं। पहले भी मुझ पर हमले की कोशिश की गई लेकिन पुलिस क्या कर रही है? गृहमंत्री क्या कर रहे हैं? संजय राउत का कहना है कि महाराष्ट्र में नई सरकार के आने के बाद हमारी सुरक्षा हटाई गई। अब हमें जान से मारने की धमकी मिल रही है। इसकी सूचना पुलिस को दे दी गई है।

सलमान खान को दी धमकी :

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बीते साल सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को भी धमकी भरा पत्र भेजा था। यह धमकी भरा पत्र सलमान खान के घर के बाहर मिला था। इसे लेकर पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ भी की थी। सलमान खान एक फिल्म की शूटिंग के दौरान काले हिरण के शिकार मामले में आरोपी थे।

हालांकि बाद में उन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय से बरी कर दिया गया था। लॉरेंस, बिश्नोई समुदाय से ताल्लुक रखता है और बिश्नोई समुदाय काले हिरण को पूजता है।

यही वजह है कि सलमान खान को काले हिरण शिकार मामले में लॉरेंस गैंग की तरफ से धमकी दी जा रही है और माफी मांगने की मांग की जा रही है।

मूसेवाला की हत्या में भी लगे आरोप :

पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की बीते साल गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मूसेवाला की हत्या का आरोप भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर लगा था। मसेवाला के पिता बलकौर सिंह को भी बीते दिनों धमकी भरा संदेश मिला था। इसका भी आरोप लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर ही लगा था।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

रविवार, 2 अप्रैल, 2023 4

सुविचार

अगर आप जिंदगी में कुछ हासिल करना, चाहते हो तो मेहनत से दोस्ती कर लो!

सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच दूसरी वंदे भारत ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे पीएम : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 अप्रैल को हैदराबाद का दौरा करेंगे और कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। उन्होंने बताया कि अपनी यात्रा के तहत प्रधानमंत्री हैदराबाद और तिरुपति के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह दूसरी वंदे भारत ट्रेन है जो तेलुगू राज्यों की सेवा करेगी क्योंकि प्रधान मंत्री ने 15 जनवरी को तेलुगु लोगों को संक्रांति उपहार के रूप में सिकंदराबाद और विशाखापत्तनम के बीच तेलुगु राज्यों में पहली ट्रेन लॉन्च की थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ट्रेन हैदराबाद और तिरुपति के बीच यात्रा करने वालों को निर्बाध सेवाएं प्रदान करेगी और हैदराबाद के निवासियों को यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। जबकि हैदराबाद और तिरुपति के बीच अधिकांश ट्रेनें 11 घंटे से अधिक समय लेती हैं, वंदे भारत ट्रेन की यात्रा को केवल साढ़े आठ घंटे में पूरा करने की परिकल्पना की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रेन तिरुपति के रास्ते में नलगोंडा, गुंटूर, ओंगोल और नेल्लोर स्टेशनों पर रुकेगी।

किशन रेड्डी ने कहा कि उद्घाटन ट्रेन को 8 अप्रैल को सिकंदराबाद से सुबह 11 बजे हरी झंडी दिखाई जाएगी। उद्घाटन वाली वंदे भारत ट्रेन नलगोंडा, मिरयालगुडा, पिदुगुराल्ला, गुंटूर, तेनाली, बापतला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर और गुडूर स्टेशनों पर रुकेगी। और संबंधित समय। उन्होंने कहा कि उद्घाटन ट्रेन मार्ग में किसी भी अन्य स्टेशनों पर रुकेगी क्योंकि यह उस क्षेत्र के लोगों को नई ट्रेन को देखने और भारत द्वारा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में तेजी से प्रगति का अनुभव करने का अवसर देती है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अनुरोध किया कि वे मेड इन इंडिया वंदे भारत ट्रेन का उन सभी स्टेशनों पर गर्मजोशी से स्वागत करें जहां यह उद्घाटन के दिन रुकेगी। भारतीय रेलवे बेहतर ऊर्जा दक्षता और यात्री सवारी अनुभव के साथ 400 नई पीढ़ी की वंदे भारत ट्रेनों का विकास और निर्माण करने की योजना बना रहा है। ट्रेनों को आधुनिक कोचों के साथ संचालित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य यात्रा करने वाले यात्रियों को तेज सेवा और बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करना है। वंदे भारत सेवाओं की आधुनिक विशेषताओं में त्वरित त्वरण, ऑन बोर्ड इंफोटेनमेंट और ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्वचालित स्लाइडिंग दरवाजे, वापस लेने योग्य कदम, जीरो डिस्चार्ज वैक्यूम बायो शौचालय

आईएएस अधिकारी को तीन साल की सजा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में सीबीआई के मामलों के लिए नामित अदालत ने एक आईएएस अधिकारी को अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने के लिए दोषी ठहराया और तीन साल की जेल की सजा सुनाई। ब्यूरो की एक प्रेस विज्ञप्ति में शनिवार को यहां कहा गया कि सजायाफ्ता अधिकारी के. नरसिम्हा आईएएस के 1991 बैच के हैं और मिजोरम सरकार के सचिव के रूप में कार्यरत हैं। ब्यूरो ने कहा, नरसिम्हा को आय से अधिक संपत्ति मामले में 1 लाख रुपये का जुर्माना देने का भी आदेश दिया गया है। 15 सितंबर, 1991 से 19 अक्टूबर, 2006 तक एक लोक सेवक के रूप में काम करते हुए आरोपों पर सीबीआईने 21 दिसंबर, 2006 को उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन्होंने उनकी आय के ज्ञात स्रोतों के लिए 32,31,000 रुपये की संपत्ति अर्जित की थी, जो कि आय से अधिक थी। जांच के बाद 30 जून 2010 को आरोप पत्र दायर किया गया। ट्रायल कोर्ट ने उसे दोषी पाया और उसे दोषी ठहराया।

कंटी वेलुगु : अब तक 96,07,764 लोगों ने की आंखों की जांच

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित कंटी वेलुगु चिकित्सा शिविरों में अब तक राज्य भर में 96,07,764 लोगों ने आंखों की जांच की है। कार्यक्रम में अब तक 15,65,000 लोगों को चश्मा दिया जा चुका है। नेत्रहीनता मुक्त तेलंगाना के नारे के साथ शुरू हुआ कांटी वेलुगु कार्यक्रम राज्य भर में सफलतापूर्वक जारी है। गत 18 जनवरी को मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा लोगों की आंखों की समस्याओं को दूर करने के लिए कांटी वेलुगु कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। अब तक 47 कार्य दिवसों में, 96 लाख लोगों ने अपनी आंखों की जांच पूरी कर ली है और आंखों की दृष्टि हानि एक करोड़ के करीब पहुंच रही है।

दूसरे चरण में 47 कार्य दिवसों में कुल 96,07,764 लोगों की जांच की गई है और लक्ष्य का 60.55 प्रतिशत हासिल किया जा चुका है। इसमें 45 लाख पुरुष, 50 लाख महिलाएं और 3,112 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। पढ़ने के चश्मे 15.65 लाख लोगों को वितरित किए गए, जबकि 11.68 लाख लोगों के लिए नुस्खे के चश्मे की पहचान की गई और 68.73 लाख लोगों को बिना किसी आंख की समस्या के निदान किया गया।

15 अगस्त, 2018 को दृष्टि दोषों को ठीक करने के लिए पहला मुफ्त नेत्र परीक्षण (कांति वेलुगु कार्यक्रम) शुरू किया गया। कार्यक्रम मेदक जिले के मलकापुर में शुरू हुआ और आठ महीने तक चला। 1.5 लोगों का नि:शुल्क नेत्र परीक्षण किया गया और 50 लाख चश्मे वितरित किए गए। सभी जिलों में लक्ष्य के अनुरूप कार्यक्रम सफलता पूर्वक जारी रहा। 47 कार्य दिवसों में 60 प्रतिशत से अधिक लोगों की जांच की गई। सरकार ने 100 कार्य दिवसों के लक्ष्य के भीतर राज्य में सभी के लिए परीक्षाएं पूरी करने का निर्णय लिया है। अन्य चिकित्सा सेवाओं को बाधित किए बिना आंखों की देखभाल के दौरान देखभाल की जा रही है। इसमें स्वास्थ्य चिकित्सा विभाग, पंचायतीराज, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के सभी जनप्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। निगरानी के लिए सरकार ने राज्य और जिला स्तर पर गुणवत्ता नियंत्रण दलों का गठन किया है और निगरानी कर रही है। लाभार्थी मुख्यमंत्री की आंखों की रोशनी कम होने के लिए शिविर लगाकर और आंखों की जांच कराकर उनके जीवन में उजाला लाने के लिए उनकी सराहना कर रहे हैं। नेत्र शिविर में आने वाले लोग सरकार द्वारा आयोजित नेत्र ज्योति कार्यक्रम को अच्छा कार्यक्रम बताकर प्रसन्नता व्यक्त कर रहे हैं। यह कार्यक्रम 15 जून तक चलेगा।

राज्य की 12,789 ग्राम पंचायतों में से अब तक 6,567 ग्राम पंचायतों में कंटी वेलुगु के लक्ष्य का 52 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है। अन्य 946 ग्राम पंचायतें लक्ष्य के करीब हैं। नगर निगमों के अंतर्गत सभी वार्डों में दूसरे चरण के भाग के रूप में, 2,209 वार्डों में से 64.03 प्रतिशत ने नेत्र परीक्षण पूरा किया। अन्य 488 वार्डों में आंखों की जांच की जा रही है। संक्रमित लोगों को एडी, बी कॉप्लेक्स की गोलियां आई ड्रॉप के साथ बांटी जा रही हैं और डॉक्टर जरूरतमंद लोगों को सर्जरी की सलाह दे रहे हैं. कांटी वेलुगु कार्यक्रम के दूसरे चरण में 100 कार्य दिवसों में 1.7 करोड़ लोगों की आंखों की जांच कराने का लक्ष्य रखा गया है। चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि अब तक एक करोड़ नेत्र परीक्षण के नियोजित लक्ष्य तक पहुंचने की अच्छी संभावना है।

राज्य के रोल मॉडल पर केसीआर के दावे का बंडी ने उपहास किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने शनिवार को भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के उस दावे को खारिज कर दिया कि तेलंगाना पिछले नौ वर्षों में पूरे देश के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। संगारेड्डी जिले के कई नेताओं के भाजपा में शामिल होने के अवसर पर राज्य पार्टी कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने आश्चर्य जताया कि किस क्षेत्र में तेलंगाना को राष्ट्र के लिए एक रोल मॉडल माना जाएगा। उन्होंने पूछा कि क्या यह किसानों की आत्महत्या में है? या मुफ्त यूरिया और बीज की आपूर्ति और कर्जमाफी जैसे वादों पर अमल नहीं करना? या रैतु बंधु योजना के नाम पर कृषि क्षेत्र के लिए सभी सब्सिडी में कटौती? या कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दे रहे हैं? या राज्य को दिवालियापन की ओर धकेल रहे हैं?

भाजपा नेता ने कहा कि केसीआर सरकार किसान हितैषी सरकार नहीं है, बल्कि परिवारों को बर्बाद करने वाली सरकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि वह महाराष्ट्र के किसानों को बीआरएस में शामिल करने के नाम पर सिर्फ सुकेश चंद्रशेखर द्वारा लगाए गए आरोपों से लोगों का ध्यान हटाने के लिए नाटक कर रहे हैं कि उन्होंने बीआरएस को 75 करोड़ रुपये दिए। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग में प्रश्न पत्र लीक होने पर, संजय ने मांग की कि टीएसपीएससी बोर्ड को भंग कर दिया जाना चाहिए और आश्चर्य है कि बीआरएस सरकार घोटाले में एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश द्वारा न्यायिक जांच का आदेश देने में क्यों हिचकिचा रही है। एसआईटी ने 15 लोगों को गिरफ्तार करने और 104 उम्मीदवारों से पूछताछ करने का दावा किया है। उसने पूछा कि मीडिया और जनता को गुमराह करने वाले केसीआर के बेटे केटी रामा राव के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई? अपने आरोप को दोहराते हुए कि टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक में बीआरएस के कई बड़े लोग शामिल हैं, उन्होंने केटीआर पर यह कहने के लिए जमकर बरसे कि उनके आईटी विभाग का घोटाले से कोई लेना-देना नहीं है। एक सवाल के जवाब में संजय ने स्वीकार किया कि शर्मिला ने उनसे फोन पर बात की है और उन्होंने अतीत में उनकी अवैध गिरफ्तारी की निंदा की थी। मैंने उनसे कहा कि हम किसी के भी समर्थन में लड़ने के लिए तैयार हैं, जिसके साथ अन्याय हुआ है। लेकिन मैंने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हम कांग्रेस के साथ काम नहीं कर सकते, क्योंकि हम दृढ़ता से महसूस करते हैं कि कांग्रेस और बीआरएस एक-दूसरे के साथ हैं।

बंडी ने यह भी याद दिलाया कि के जना रेड्डी जैसे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खुद कह रहे हैं कि कांग्रेस और टीआरएस मिलकर चुनाव लड़ेंगे। हम ऐसी पार्टी से कैसे हाथ मिला सकते हैं? हमारी अनुशासित पार्टी है। हम पार्टी के भीतर गहन विचार-विमर्श करने के बाद इस पर विचार करेंगे कि किसके साथ काम करना है। एक अन्य सवाल का जवाब देते हुए, संजय ने केटीआर की इस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक दलाल की तरह काम कर रहे हैं। बीआरएस नेताओं के पोस्टर वार पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अगर बीआरएस दीवारों पर लगे पोस्टरों में है तो भाजपा लोगों के दिलों में है। उन्होंने कहा कि यह नृशंस है कि पुलिस बीआरएस के खिलाफ पोस्टर चिपकाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करती है, लेकिन जब बीआरएस नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर चिपकाते हैं तो चुप रहती है।

पार्टी कार्यक्रम के दौरान बीआरएस नेता की हार्ट अटैक से मौत

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता और 33वीं वार्ड पार्षद बांदरी रजनी के पति बंदारी नरेंद्र का शनिवार को जगतियाल कस्बे में आयोजित पार्टी के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के दौरान दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। बीआरएस कार्यकर्ता आत्मीय सम्मेलन के भाग के रूप में नए बस स्टैंड के पास तेलंगाना तल्ली प्रतिमा पर नृत्य कर रहे थे, जिसमें एमएलसी के कविता भाग लेने वाली थीं। उनके साथ नाच रहे नरेंद्र अचानक गिर पड़े। तुरंत एक बीआरएस कार्यकर्ता ने सीपीआर दिया, जिसके बाद नरेंद्र उठे और अस्पताल जाने के लिए एक कार तक चले गए। हालांकि अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस बीच, कविता ने आत्मीय सम्मेलन को रद्द कर दिया और नरेंद्र के घर चली गईं, जहां उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। एमएलसी टी जीवन रेड्डी, स्थानीय विधायक डॉ. संजय कुमार और अन्य भी नरेंद्र के आवास पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

अधिकार हासिल करने के लिए किसानों को एकजुट होने की जरूरत : केसीआर

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने अपने अधिकारों को प्राप्त करने के लिए देश भर के किसानों को एकजुट करने की आवश्यकता पर जोर दिया। शरद जोशी प्रणीत के नेतृत्व में महाराष्ट्र के किसान और किसान संघ के नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल शनिवार को यहां तेलंगाना भवन में पार्टी अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव की उपस्थिति में भारत राष्ट्र समिति में शामिल हुआ। चंद्रशेखर राव ने किसानों और नेताओं का पार्टी में स्वागत किया और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए बीआरएस को चुनने के लिए उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में देश की धीमी प्रगति पर खेद व्यक्त किया और कहा कि आजादी के बाद से 14 प्रधानमंत्रियों ने अब तक देश के लिए काम किया है, इस तथ्य के बावजूद देश तेजी से प्रगति नहीं कर पाया है।

उन्होंने कृषि कानूनों का विरोध करने वाले किसानों की साहसी लड़ाई की भी सराहना की और याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 750 किसानों की मौत के बाद ही देश से माफी मांगी थी और कृषि कानूनों को रद्द कर दिया था। यह कहते हुए कि तेलंगाना ने राज्य के गठन के बाद से कृषि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति हासिल की है और राज्य के सभी क्षेत्रों में विभिन्न परियोजनाओं, कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई का निर्माण करके सिंचाई का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, मुख्यमंत्री ने कहा कि धान का उत्पादन किया जा रहा है। देश भर में लगभग 94 लाख एकड़ में खेती की जाती है, जिसमें 56 लाख एकड़ तेलंगाना राज्य की है, जो राज्य की प्रगति को दर्शाता है। उन्होंने किसान संघ के नेताओं से कालेश्वरम परियोजना का दौरा करने और तेलंगाना के विकास का आकलन करने की भी अपील की।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ किया वीडियो कॉन्फ्रेंस

कांटी वेलुगु, आरोग्य महिला सहित कई मुद्दों की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने जिला कलेक्टरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और कांटी वेलुगु, आरोग्य महिला, गरीबों के लिए आवास स्थल, 2बीएचके घरों और जीओ 58, 59,76 और 118 के कार्यान्वयन में हुई प्रगति की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कंटी वेलुगु कार्यक्रम को मिली अच्छी प्रतिक्रिया के लिए कलेक्टरों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि कार्यक्रम के अगले 50 दिनों में राज्य दो करोड़ नेत्र परीक्षण का नया रिकॉर्ड बनाएगा। वह चाहती हैं कि कलेक्टर अच्छा काम जारी रखें और नियमित रूप से कांटी वेलुगु शिविरों का निरीक्षण करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लाभार्थी शिविरों में प्रदान की जाने वाली सेवाओं से संतुष्ट हैं। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को आरोग्य महिला कार्यक्रम को महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए एक सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में लेने का भी आह्वान किया। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि जो महिलाएं सेवा की पात्र हैं उन्हें प्रदान किया जाए। उन्होंने कलेक्टरों से यह भी कहा कि कार्यक्रम को कैसे पोषित किया जाए और वितरण तंत्र में सुधार करते हुए कार्यक्रम का विस्तार कैसे किया जाए, इस पर काम करें।

मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार द्वारा जीओ 58 और 59 के तहत आज से शुरू होने वाले एक और महीने के लिए नियमितीकरण का समय बढ़ाने और 2 जून 2014 से 2 जून 2020 तक कट ऑफ तिथि बढ़ाने के साथ, कई आवेदकों के आवेदन करने की संभावना है। उन्होंने कलेक्टरों से जनता में जागरूकता पैदा करने को कहा ताकि पूर्व में छूटे लोगों सहित अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी चाहा कि कलेक्टर उन आवेदनों की समीक्षा करें जिन्हें पिछली बार खारिज कर दिया गया था। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि शासनादेश 58,59, 76 व 118 के लंबित सभी आवेदनों को शीघ्र पूरा किया जाए। इस अवसर पर प्रधान सचिव राजस्व नवीन मित्तल, सचिव एचएम एंड एफडब्ल्यू एसएएम रिजवी, सचिव टीआर एंड बी श्रीनिवास राजू, सचिव एससीडीडी राहुल बोज्जा, आयुक्त एससीडीडी योगिता राणा, आयुक्त एचएम एंड एफडब्ल्यू स्वेता मोहंती, सीडीएमए सत्यनारायण, विशेष अधिकारी सीसीएलए सत्यसारधा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया।

आदिवासियों के लिए स्वर्ण युग है सीएम केसीआर शासन : मंत्री

हाल के बजट में, राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय के प्रोत्साहन से संबंधित 250 जीओ जारी किए

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि बीआरएस सरकार के आठ साल के कार्यकाल को आदिवासी समुदाय के लिए एक स्वर्ण युग माना जाता है और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने समुदाय का विकास के लिए हजारों करोड़ रुपये आवंटित करके विभिन्न योजनाओं की शुरुआत की है। शनिवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि हाल के बजट में, राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी समुदाय के प्रोत्साहन से संबंधित 250 जीओ जारी किए थे और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को अतिरिक्त 903 पद प्राप्त करने के लिए धन्यवाद दिया था। विभिन्न टीएसपीएससी अधिसूचनाओं में आदिवासियों के लिए आरक्षण को 6 से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गया है।

संयुक्त आंध्र प्रदेश में पहले भी कई मुख्यमंत्रियों ने काम किया लेकिन आदिवासियों के कल्याण की किसी ने परवाह नहीं की। लेकिन, मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने आदिवासियों के लिए आरक्षण छह प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करके एक इतिहास रच दिया है।

इस अवसर पर उन्होंने आदिवासियों के विकास के लिए राज्य सरकार की विभिन्न पहलों को सूचीबद्ध किया, जिसमें आदिवासी पंचायत भवनों के निर्माण के लिए 600 करोड़ रुपये का आवंटन, बीटी सड़कें बनाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये का आवंटन, 3,466 को तीन चरण बिजली आपूर्ति की सुविधा, जनजातीय आवास, गिरि विकास योजनान्तर्गत कृषि पम्पसेटों को विद्युत आपूर्ति, महबूबाबाद एवं बांसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में नवीन गुरुकुल विद्यालयों, जनजातीय क्षेत्रों में बंजारा भवनों का निर्माण एवं मुख्यमंत्री उद्यमी योजनान्तर्गत 200 लोगों को 103 करोड़ रुपये की स्वीकृति शामिल है। आदिवासी विश्वविद्यालय की स्थापना में देरी पर नाराजगी जताते हुए सत्यवती राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार को 345 एकड़ जमीन सौंपी है, लेकिन इस संबंध में केंद्र की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। इससे पहले, उन्होंने यहां दामोदर संजीवैया संक्षाम भवन से जिले के अधिकारियों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उन छात्रों की तैयारियों पर चर्चा की, जो आदिवासी गुरुकुल स्कूलों में पढ़ रहे हैं और 3 अप्रैल से परीक्षा दे रहे हैं।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने पिछड़े गांवों के विद्युतीकरण के प्रस्तावों की समीक्षा की

निर्मल, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधान मुख्य वन संरक्षक आरएम डोबरियाल ने शुक्रवार को यहां आदिलाबाद जिले के दूरदराज के गांवों में बिजली के प्रस्तावों से संबंधित प्रगति की समीक्षा बैठक बुलाई। पीसीसीएफ एफसीए मोहन चंद्र परगैन, निर्मल, आदिलाबाद, मनचेरियल और कुमराम भीम आसिफाबाद के जिला वन अधिकारी, नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के निदेशक मोहन रेड्डी और इंजीनियर उपस्थित थे। डोबरियाल ने कहा कि तत्कालीन आदिलाबाद की 162 बस्तियों को बिजली उपलब्ध कराने के प्रस्तावों पर कार्रवाई की जा रही है।

बैठक

स्व.श्री गोपालकृष्णजी राजपुरोहित

मरुधर मे सांजू (नागौर): स्वर्गवास: 19.02.2023

बैठक आज रविवार 2 अप्रैल प्रात: 11 बजे से सांय 4 बजे तक हमारे निवास स्थान पर रखी गयी है

: शोकाकुल :

पत्रेसिंह, दामोदरसिंह (काकोसा), संजयसिंह, कुलवन्तसिंह, महेन्द्रसिंह, गजेन्द्रसिंह (सुपुत्र), धनंजय, मंथन, प्रणवसिंह (पौत्र), महावीरसिंह (साला जी) एवं समस्त जागरवाल सांजु परिवार

निवास स्थान: संजयसिंह, कुलवन्तसिंह, महेन्द्रसिंह राजपुरोहित
पीजेआर स्टेडियम, विद्या नर्सिंग होम के सामने, चन्दानगर, हैदराबाद

: फर्म :

बालाजी जोधपुर स्वीट हाउस शेरेलिंगमपल्ली हैदराबाद
पतांजलि मेघा स्टोर (संजु आर्युवेद) लिंगमपल्ली हैदराबाद
9494438211, 8019100852

P.Solankey

'भारत-पाकिस्तान का बंटवारा कृत्रिम

वहां गए लोगों को अपनी गलती का हो रहा एहसास' - संघ प्रमुख मोहन भागवत

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में अमर शहीद हेमू कलानी के जन्म शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लेने आए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बड़ा बयान दिया। सिंधी समाज के इस समागम में सिंधु सिंध और सिंधियों की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा भारत-पाकिस्तान बंटवारे का दंश अब तक पाकिस्तान की जनता महसूस कर रही है। वहां के लोग मानते हैं। वो कह रहे हैं गलती हो गई है। संघ प्रमुख ने कहा यह पक्की बात है कि भारत-पाक बंटवारा कृत्रिम है इस पर कोई विवाद नहीं है।

बंटवारे के बाद जो लोग भारत आए वे पराक्रमी - मोहन भागवत

पाकिस्तान में रहने वाए सिंधियों ने विभाजन के बाद भारत को चुना इस विषय पर बोलते हुए संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान चुनने की बारी आई, आप लोग पराक्रमी लोग हो आप ने भारत को नहीं छोड़ा। आप भारत से भारत में आए , जब आप वहां थे तो वहां भारत था उस भारत को छोड़ने के बजाय आप उस भारत से इस भारत में आए। संघ प्रमुख ने कहा हमने उस जमीन मतलब पाकिस्तान को शारीरिक दृष्टि से छोड़ दिया लेकिन 1947 के पहले वो क्या था ऐसा दुनिया में कोई पूछेगा तो बताना पड़ेगा कि वह भारत था। जब दूसरा कुछ नहीं था तब सारी दुनिया में सनातन का प्रभाव था। उस समय वहां क्या था? वही भारत था, सिंधु संस्कृति थी, वेदों का उच्चारण होता था, भारतीय संस्कृति के त्याग के मूल्यों पर चलने वाला जीवन चलता था।

जिसको कुछ भी नहीं मालूम था उसने किया बंटवारा - मोहन भागवत

संघ प्रमुख ने कहा, भारत-पाकिस्तान का विभाजन कृत्रिम है, यह तो पक्की बात है इसके लिए कोई विवाद नहीं चल सकता क्योंकि वह इतिहास में है। एक व्यक्ति को लाया गया सीमांकन करने के लिए, वह जानता नहीं था और उसके पास केवल 3 महीने थे। वह काम उसने पूरा करने के बाद कहा देखो मैं इस काम का एक्सपोर्ट नहीं हूं, मैं जानता नहीं हूं कैसे करना है इस काम को, मेरे पास समय भी नहीं था जो मैंने किया वह क्या किया है मैं भी नहीं जानता। ऐसा यह विभाजन है और कृत्रिम है। उस समय योगी अरविंद ने कहा था कि इसको जाना पड़ेगा।

जिन्होंने भारत को छोड़कर पकिस्तान चुना, वे आज दुखी हैं - मोहन भागवत

उन्होंने कहा कि आज हम जिसको पाकिस्तान कहते हैं उसके लोग कह रहे हमसे गलती हो गई। ये गलती हो गई सब कह रहे हैं सब मानते हैं। आप देखिए जो अपनी हठधर्मिता के कारण भारत से अलग हो गए, अपनी संस्कृति से अलग हो गए। पूर्वजों का नाता तोड़कर उनको भुला दिया गया। ऐसे जीवन में जिन्होंने प्रवेश किया और जो भारत से अलग हो गए क्या वह अलग हो गए उससे अभी इस क्षण तक सुख में है, वह दुख में है। उस अपनी भूमि को छोड़कर भारत के साथ रहने के लिए जो आए उन्होंने अपने जीवन को अपने पुरुषार्थ से खड़ा कर दिया। आज दुखी नहीं है वहां पर दुख है क्यों है क्योंकि वह कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं।

प्यार के आगे नहीं चले कानूनी दाव पेंच: प्रेमिका के बयानों पर प्रेमी सलाखों से बाहर, बयानों पर अड़ी रही युवती

रोहतक (हरियाणा), 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अब तक फिल्मों में देखा था प्यार की जीत होती है। अब जिला अदालत में भी ऐसी कहानी सामने आई है, जबकि एक युवती अपने बयानों पर अडिग रही और प्रेमी को सलाखों से दूसरी बार बाहर ले आई। युवती के बयानों व साक्ष्यों के आधार पर एएसजे नरेश कुमार की अदालत ने नाबालिग के अपहरण के आरोपी को बरी कर दिया। साथ में उसके पिता को भी क्लीनचिट दे दी। बचाव पक्ष के वकील ओपी चुघ ने बताया कि छह साल पहले झज्जर में एक महिला ने शिकायत दी कि रोहतक का युवक उसकी नाबालिग लड़की को बहला-फुसला कर ले गया। पुलिस ने जब लड़की को अदालत में पेश किया तो उसने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत जज के सामने बयान दिया कि वह बालिग है और उसकी उम्र साढ़े 18 साल है। 2018 में अदालत आरोपी युवक को बरी कर दिया। झज्जर कोर्ट से बरी होने के बाद रोहतक पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

देश को मिली 11 वीं वंदे भारत एक्सप्रेस पीएम मोदी ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 11वीं वंदे भारत ट्रेन की सौगात दी है। यह ट्रेन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बीच चलेगी। पीएम ने आज शनिवार को भोपाल के कमलापति स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वंदे भारत ट्रेन से अब दिल्ली से भोपाल के बीच यात्रा की दूसरी और समय दोनों कम हो जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आज वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भारत के विकास और उन्नति की पहचान बन चुकी है। इस पहचान से पूरे देश को जोड़ा जा रहा है। वंदे भारत ट्रेन आधुनिकता की एक मिसाल है। 21वीं सदी का भारत नई सोच, नई तकनीक की बात करता है। पहले की सरकारें तुष्टीकरण में ही व्यस्त रही। वे वोट बैंक के तुष्टीकरण में जुटे हुए थे और हम देश वासियों के संतुष्टीकरण में समर्पित है।

पीएम मोदी ने इंदौर हादसे पर जताया दुःख

इस दौरान पीएम मोदी ने रामनवमी पर इंदौर में हुए हादसे पर भी दुःख जताया। पीएम मोदी ने कहा, सबसे पहले इंदौर मंदिर में रामनवमी को जो हादसा हुआ, मैं उसके प्रति अपना दुख व्यक्त करता हूं। इस हादसे में जो लोग असमय हमें छोड़ गए, उन्हें श्रद्धांजलि देता हूं और उनके परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। जो श्रद्धालु जख्मी हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है, मैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बाल अधिकार निकाय के प्रमुख प्रियांक कानूनगो ने कोलकाता पुलिस पर लगाया मारपीट का आरोप

कोलकाता, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो ने कोलकाता पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि कोलकाता के तिलजला इलाके में एक नाबालिग लड़की के घर जाने के दौरान पुलिस अधिकारियों ने उनसे मारपीट की। जिसे इस सप्ताह के शुरू में एक पड़ोसी ने मार डाला था। पुलिस ने, हालांकि, कानूनगो के आरोप को खारिज कर दिया और कहा कि अधिकारियों ने उनके साथ सहयोग किया था बल्कि एनसीपीसीआर प्रमुख ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। बंगाल के पुलिस अधिकारी विश्वक मुखर्जी ने पश्चिम बंगाल के तिलजला थाने में मेरी पिटाई की। पुलिसकर्मी गुपचुप तरीके से हमारी जांच की कार्रवाई रिकॉर्ड कर रहे थे, उन्होंने इसका विरोध करने पर मुझे पीटा। इस बीच, पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डब्ल्यूबीसीपीसीआर) की प्रमुख सुदेशना रॉय ने दावा किया कि कानूनगो ने उनका और उनके सहयोगियों का अपमान कियाह, और वह इस संबंध में पुलिस शिकायत दर्ज करने पर विचार कर रही थीं। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, "एनसीपीसीआर की टीम हमें बिना बताए वहां चली गई। जब मैं मौके पर पहुंची तो उसने (कानूनगो) बेहद अपमानजनक लहजे में बोलना शुरू कर दिया। रॉय ने गुरुवार को एनसीपीसीआर को पत्र लिखकर कहा था कि कोलकाता में एक लड़की की हत्या और मालदा में एक अन्य नाबालिग के बलात्कार को लेकर पश्चिम बंगाल की उसकी प्रस्तावित यात्रा ₹वास्तव में आवश्यक नहीं थी। इस हफ्ते की शुरुआत में तिलजला में एक पड़ोसी ने सात साल की एक बच्ची की हत्या कर दी थी, जबकि मालदा में एक सरकारी संस्थान के अंदर कक्षा छह की एक बच्ची के साथ स्कूल के समय कथित तौर पर बलात्कार किया गया था।

कैंसर रोगी की छाती काटकर पेट बाहर निकाला डॉक्टर ने बनाई आर्टिफिशियल आहार नली

भोपाल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में एक बार फिर एम्स हॉस्पिटल में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम दिया गया। यहां मरीज की छाती काटकर पहले फेफड़ों को अलग किया गया। इसके बाद दिल के पीछे से खराब आहार नली से लेकर पेट तक को बाहर निकाला किया गया। फिर नई आर्टिफिशियल आहार नली बनाई गई। यह नली व्यक्ति की बड़ी आंत से बनाई गई है। इस जटिल ऑपरेशन को सफल बनाने में 7 विशेषज्ञों की टीम लगी। सर्जिकल आन्कोलॉजी विभाग में 28 मार्च को कैंसर से पीड़ित एक 48 वर्षीय पुरुष ये सर्जरी गई है। डॉक्टर ने बताया कि आहार नली में यह रोग एडवांस स्टेज पर था। जिससे मरीज तरल पदार्थ पीने में भी असमर्थ था। मरीज की कीमोथैरेपी की गई और इलाज का बहुत अच्छा परिणाम मिला। धीरे-धीरे रोगी पहले तरल और फिर ठोस आहार खाने लगा। रोगी को रोजाना 5 किलोमीटर पैदल चलने और स्पाईरोमेटरी एक्सरसाइज करने की सलाह दी गई। कीमोथेरेपी के 4 कोर्स के बाद सर्जरी की योजना बनाई गई। रोगी की गर्दन का ऑपरेशन कर मूल आहार नली के साथ कृत्रिम आहार नली डाली गई। डॉक्टर ने बताया कि इस ऑपरेशन में करीब 4 घंटे का समय लगा। मरीज को 1 दिन आईसीयू में रखा गया। इस जटिल प्रक्रिया में छाती के ऑपरेशन के लिए थोरैसिक सर्जन की, पेट के लिए गैस्ट्रो सर्जन की और गर्दन के लिए ईएनटी सर्जन की भूमिका रही। वही एक आन्कोलॉजिस्ट एंडोस्कोपी के लिए एक मेडिकल गैस्ट्रोलॉजी और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ शामिल हुए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कैंसर की पहचान जल्द की जा सकेगी और इसका खर्चा भी कम होगा। भोपाल एम्स में कार्यक्रम के दौरान पुणे के चिंचवाड के वन सेल डायग्नोस्टिक में चिकित्सा निदेशक डॉक्टर चितरंजन बोस ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कैंसर की पहचान वर्तमान में होने वाले टेस्ट से 5 गुना जल्द हो सकेगी और इसका खर्चा भी कम होगा। उन्होंने कहा कि हाल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का पता लगाया गया था। इस तकनीक की मदद से कैंसर की खोज दर में वृद्धि होगी।

दक्षिण कन्नड़ में मानवता हुई शर्मसार

पुरुष नर्स ने बुजुर्ग मरीज के साथ किया यौन शोषण; गिरफ्तार

दक्षिण कन्नड़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले से मानवता को शर्मसार करने वाली एक खबर सामने आ रही है। दक्षिण कन्नड़ जिले के मुदुबिदरे कस्बे में एक घरेलू नर्स बुजुर्ग मरीज का यौन उत्पीड़न करते हुए पकड़ा गया है। फिलहाल, कर्नाटक पुलिस ने आरोपी नर्स को गिरफ्तार कर लिया है। इस बात की जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, पीड़िता के परिवार के शिकायत के आधार पर गडग के रहने वाले 19 वर्षीय आरोपी शिवानंद को गिरफ्तार किया गया है। शिकायत के मुताबिक, आरोपी को कोडांगल्लू के पास हुडको कॉलोनी में एक बुजुर्ग मरीज के देखभाल के लिए नियुक्त किया गया था। हालांकि, पीड़िता देखभाल के बाद भी ठीक नहीं हो रही थी और डिप्रेशन में जाने लगी थी। इसको देखकर परिवार वाले काफी परेशान और हैरान थे कि आखिर इतने समय बाद भी मरीज में कोई बदलाव क्यों नहीं आ रहा। इसके कारण का पता लगाने के लिए परिवार वालों ने आरोपी नर्स को बिना बताए पीड़िता के कमरे में कैमरा लगा दिया। परिवार को पहले ही नर्स पर संदेह होने लगा था। इसके बाद कैमरे में रिकॉर्ड हुई चीजों ने परिवार वालों के होश उड़ा दिए। कमरे में लगे सीसीटीवी फुटेज में साफ नजर आ रहा था कि 19 वर्षीय आरोपी पीड़िता के साथ अप्रकृतिक रूप से संबंध बनाने का प्रयास करता था, यदि पीड़िता इसके लिए राजी नहीं होती थी तो, उसके साथ मारपीट भी करता था। मजबूर होने के कारण पीड़िता अपने लिए मदद मांगने में असक्षम होती थी। इसके बाद पीड़िता के परिवार ने तुरंत मुदुबिदारे पुलिस को इस बात की जानकारी दी और शिकायत दर्ज कराई। इसके साथ ही, सबूत के तौर पर रिकॉर्ड किया गया फुटेज भी दिखाया। फिलहाल, आरोपी को कई धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की आगे की जांच जारी है।

'उसने मुझे कपड़े उतारने को कहा और', ऑनलाइन प्रेमिका ने नावेद खान से ठगे 1.5 लाख रुपये

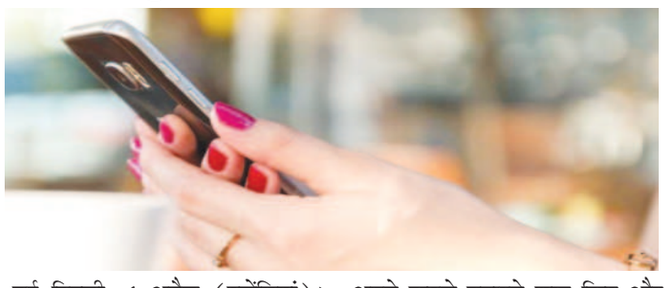

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में रहने वाले 22 वर्षीय नावेद खान को उसके मोबाइल फोन पर व्हाट्सऐप मैसेज मिला, जिसमें लिखा था कि क्या आप मेरे साथ रोमांस करना चाहेंगे? 'हां' या 'ना' में जवाब दीजिए।' खान ने जैसे की 'हां' में जवाब दिया, उसे एक लड़की ने वीडियो कॉल किया, जिसने खुद को आगरा की रहने वाली पूजा बताया। खान ने पुलिस के पास दर्ज कराई गई शिकायत में कहा, 'उसने अपने कपड़े उतारने शुरू किए और मुझे भी पतलून उतारने को कहा। मैंने अपने कपड़े पूरी तरह नहीं उतारे, लेकिन उसने इसे रिकॉर्ड कर लिया।'

'मैंने डर के मारे सोशल मीडिया अकाउंट्स डिलीट कर दिए'

नावेद खान ने आगे कहा, 'बाद में मुझे व्हाट्सऐप पर संदेश मिला कि वे मेरी रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया साइट पर डालने वाले हैं। मैंने डर के कारण अपने फोन से व्हाट्सऐप हटा दिया और सभी सोशल मीडिया खातों को भी डिलीट कर दिया, लेकिन अगले दिन मुझे एक व्यक्ति का फोन आया, जिसने मुझसे कहा कि वह दिल्ली पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ का अधिकारी है। उसने कहा कि उसे मेरे खिलाफ एक शिकायत मिली है, जिसके आधार पर वह वारंट जारी करने वाला है।'

'किसी ने साइबर सेल का अधिकारी बनकर मुझे फोन किया'

शिकायत के मुताबिक, खुद को साइबर सेल का अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने खान से वीडियो कॉल करने को कहा, जिसके कारण उसने अपने फोन में व्हाट्सऐप फिर से डाउनलोड किया और उससे बात की। बाद में उस व्यक्ति ने वीडियो डिलीट कराने में मदद पाने के लिए खान से मोनू पांचाल नाम के व्यक्ति से संपर्क करने को कहा। शिकायत के अनुसार, जब खान ने पांचाल को फोन किया तो उसने इस काम के लिए 21800 रुपये मांगे। उसने यह भी वादा किया कि यह पैसा बाद में लौटा दिया जाएगा।

'वीडियो डिलीट करने के नाम पर बार-बार पैसे मांगे गए'

खान ने अपनी शिकायत में कहा, 'पांचाल ने मुझे एक्सिस बैंक के एक खाते का विवरण भेजा, जो जतिन कुकरेजा के नाम पर था। मैंने पैसे भेज दिए, लेकिन मुझसे उतना ही पैसा 3 बार यानी कुल 64,500 रुपये भेजने को कहा गया, क्योंकि 3 और वीडियो भी डिलीट करने थे। मुझे यह पैसे एचडीएफसी बैंक के एक अन्य खाते में जमा करने को कहा गया, जो रामगोपाल के नाम पर था।' खान के पास कुछ समय बाद फिर से पांचाल का फोन आया। पांचाल ने कहा कि उसने साइबर प्रकोष्ठ अधिकारी को इस मामले को लेकर एक ईमेल लिखा है और खान को अधिकारी से बात करनी चाहिए।

'अश्लील वीडियो दिखाकर पैसे ऐंठने लगे हैं अपराधी'

खान ने कहा, 'मैंने जब साइबर सेल के अधिकारी को फोन किया, तो उसने मुझसे डेढ़ लाख रुपये और मांगे। मेरे अनुरोध करने पर उसने रकम कम कर दी और मैंने उसे पैसे दे दिए, लेकिन वह बार-बार और रकम मांगने लगा।' खान ने कहा कि उसके पास पुलिस में मामला दर्ज कराने के सिवा कोई चारा नहीं बचा। पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली है। साइबर सेल ने कहा कि वह मामले की जांच कर रहा है और अपराधियों को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। जांचकर्ताओं ने कहा कि रिकॉर्ड किए गए अश्लील वीडियो दिखाकर लोगों को फंसाना और पैसे ऐंठना साइबर अपराधियों का आम हथकंडा बन गया है।

साथी महिला खिलाड़ी ने नहाते वक्त बनाया वीडियो ताइक्वांडो खिलाड़ी ने दर्ज कराई एफआईआर

बेंगलुरु, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब की एक महिला खिलाड़ी ने शनिवार को अपनी साथी खिलाड़ी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। महिला एथलट का कहना है कि उसकी साथी ने नहाते हुए उसका वीडियो बना लिया है। इस बात की जानकारी कर्नाटक पुलिस ने शनिवार को दी है। यह घटना 28 मार्च की रात लगभग 10 बजे बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के महिला हॉस्टल में हुई। इस संबंध में ज्ञानभारती पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है। पुलिस के मुताबिक, पीड़िता पंजाब की ताइक्वांडो खिलाड़ी है और वॉलीबॉल खिलाड़ी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। पीड़िता खिलाड़ी ने अपनी शिकायत में कहा कि वह यहां पर ट्रेनिंग के लिए आई है। जब वहां नहाने गई थी तो, उसने ऊपर देखा और उसे लगा जैसे कोई उसका वीडियो बना रहा है। उसने तुरंत खुद को एक तौलिया में लपेट लिया और बाथरूम के दरवाजे पर दस्तक देकर बाहर निकल गई, जहां से वीडियो शूट किया गया था। इसके दो से तीन मिनट के बाद वॉलीबॉल खिलाड़ी बाहर आई। शिकायतकर्ता ने उससे मोबाइल दिखाने को कहा, जिसके बाद आरोपी खिलाड़ी ने अपने मोबाइल में अलग-अलग फोटो दिखाई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने आरोपी को बोला कि वो उसे डिलीट फोल्डर दिखाए। जिसके बाद आरोपी महिला ने अपना फोन जोर से जमीन पर पटक दिया और बाद में उसे वहां से लेकर भाग गई। इसके बाद मामला हॉस्टल में मौजूद ट्रेनर के पास पहुंचा। जब ट्रेनर ने पूछताछ की, तो उसने टूटा हुआ सेलफोन सौंप दिया। ताइक्वांडो खिलाड़ी ने पुलिस से वॉलीबॉल खिलाड़ी के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने को कहा है।

दुबई जा रही फ्लाइट की दिल्ली में सुरक्षित लैंडिंग, 1000 फीट ऊंचाई पर पक्षी टकराने के बाद लौटी थी वापस

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली एयरपोर्ट पर आज पूर्ण इमरजेंसी की घोषणा की गई थी। इसके तहत एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड आदि को बुला लिया गया था। यह फैसला एक फ्लाइट के उड़ान भरने के तुरंत बाद एक चिड़िया के उससे टकरा जाने के बाद लिया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने जानकारी दी कि दिल्ली एयरपोर्ट से दुबई को जाने वाली फेडएक्स एयरक्राफ्ट ने उड़ान भरी तो 1000 फीट की ऊंचाई पर विमान से एक पक्षी टकरा गया। जिसके बाद फ्लाइट की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि बाद में विमान का पूरा निरीक्षण करने के बाद उसे दोबारा दुबई के लिए रवाना कर दिया गया।

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी बोले हावड़ा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण

सिलीगुड़ी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हावड़ा की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। कानून व्यवस्था राज्य के हाथ में है। मैं राज्य सरकार से अनुरोध करूंगा कि ऐसी घटनाएं न हों। जी-20 सम्मेलन में शिरकत करने के लिए शनिवार को सिलीगुड़ी पहुंचे केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने हावड़ा की घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही। दरअसल, हावड़ा शहर में काजीपाडा इलाके के आसपास रामनवमी की शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान दो समूहों के बीच गुरुवार (30 मार्च) को झड़प हो गई थी। इसके बाद पुलिस बल की व्यापक स्तर पर तैनाती के बीच शनिवार को इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण है। हिंसा के दौरान कई दुकानों और ऑटो-रिक्शा में तोड़फोड़ की गई जबकि कुछ पुलिस वाहनों सहित कई निजी वाहनों में आग लगा दी गई थी। आग बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियों का इस्तेमाल किया गया था। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने बल का इस्तेमाल किया।

स्वीडिश नागरिक ने मुंबई में की इंडिगो केबिन क्रू से छेड़छाड़, पुलिस ने किया गिरफ्तार

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। स्वीडन के एक नागरिक को मुंबई में बैंकॉक से इंडिगो की एक फ्लाइट में केबिन क्रू मेंबर से छेड़छाड़ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। पुलिस ने कहा कि आरोपी की पहचान क्लास एरिक हेराल्ड जोनासम (63) के रूप में हुई है। अधिकारियों ने कहा कि स्वीडिश नागरिक को गुरुवार को मुंबई हवाईअड्डे पर उड़ान भरने के बाद एयरलाइन कर्मचारियों द्वारा मुंबई पुलिस को सौंप दिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी को इंडिगो एयरलाइंस की शिकायत के बाद गुरुवार को गिरफ्तार किया गया और शुक्रवार को अंधेरी अदालत में पेश किया गया और उसी दिन जमानत दे दी गई। पुलिस ने शुक्रवार को अंधेरी कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। पुलिस ने कहा कि उन्होंने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है। साल 2017 में फ्लाइट में दुर्व्यवहार का 1 मामला सामने आया था। वहीं, साल 2018 में दुर्व्यवहार करने के 2 मामले सामने आए थे। साल 2019 में 3, साल 2022 में 6 और साल 2023 में फ्लाइट में दुर्व्यवहार करने के कुल 8 मामले सामने आए हैं। पुलिस ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि 23 मार्च को मुंबई की सहार पुलिस ने दुबई से मुंबई की यात्रा कर रहे इंडिगो के दो यात्रियों के खिलाफ कथित रूप से नशे में धुत होने और चालक दल के सदस्यों के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला दर्ज किया था।

नशे में थे यात्री

डीसीपी दीक्षित गेदाम, मुंबई पुलिस ने एएनआई को महीने की शुरुआत में बताया कि दो इंडिगो यात्रियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 336 और चालक दल के साथ नशे में होने और दुर्व्यवहार करने के लिए विमान नियमों की धारा 21, 22 और 25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। दोनों को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया था लेकिन धाराएं जमानती होने के कारण उन्हें थाने से ही जमानत दे दी गई थी। पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 मार्च को हुई थी। आरोप है कि यात्री जॉन जॉर्ज डिसूजा और दत्तात्रेय आनंद बापरडेकर ने दुबई से इंडिगो की फ्लाइट से दुबई से मुंबई के लिए उड़ान भरने के बाद शराब पीना शुरू कर दिया। जब केबिन क्रू को इसका पता चला तो उन्होंने उन्हें फ्लाइट के अंदर शराब पीने पर प्रतिबंध की जानकारी दी। लेकिन दोनों आरोपी गुस्सा हो गए और अपनी सीट से उठकर शराब के नशे में फ्लाइट के अंदर जाने लगे।

राहुल गांधी की बढ़ी सकती है मुश्किल, पटना के बाद अब हरिद्वार न्यायालय में मानहानि का वाद दायर

हरिद्वार, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की मुश्किल कम होती नजर नहीं आ रही हैं। राहुल गांधी की पहले लोकसभा से सदस्यता खत्म हुई। अब हरिद्वार न्यायालय में उनके खिलाफ मानहानि का वाद दायर हुआ है। वाद आरएसएस के कार्यकर्ता कमल भदौरिया की ओर से दायर किया गया है। हरिद्वार जिला एवं सत्र न्यायालय में ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट द्वितीय शिव सिंह की अदालत में मानहानि के वाद को प्रकीर्ण वाद के रूप में स्वीकार करते हुए 12 अप्रैल को सुनवाई निर्धारित की है। कमल भदौरिया ने वाद में कहा कि आरएसएस देश में आपदा और कठिन से कठिन परिस्थितियों में आम लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर योगदान देता है। जिससे उनकी भावनाएं आरएसएस के साथ जुड़ी हैं। राहुल गांधी ने 9 जनवरी 2023 में कुरुक्षेत्र अंबाला में एक बयान में आरएसएस को 21वीं सदी का कौरव बताया था। यह भी कहा था कि आज के कौरव खाकी हाफ पैंट पहनते हैं। हाथों में लाठियां लेते हैं। शाखा लगाते हैं। 2 से 3 सबसे अमीर अरबपति कौरवों के साथ खड़े हैं। कनखल के रुद्र विहार निवासी कमल ने वाद में कहा कि राहुल गांधी के बयान से आरएसएस के कार्यकर्ता होने के नाते वो आहत हुए हैं। राहुल गांधी के बयान को उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कृत्य बताते हुए हरिद्वार न्यायालय में वाद दायर किया है। वाद कमल भदौरिया के अधिवक्ता अरुण भदौरिया की ओर से दाखिल किया गया है।

शतरंज के महातपस्वी : विश्वनाथन आनंद

अतुल कुमार

उम्मीद थी कि लाकडाउन में इंडोर गेम्स फलेंगे फूलेंगे और इसका फायदा उनको मिलेगा. बच्चे इन्हें सीखेंगे . ऐसा नहीं हुआ जिस महत्ता या पेशेवर सक्सेस के घरेलू खेल हकदार हैं , नहीं मिली . कोशिश भी नहीं हुई . इसे सिर्फ़ टाइम पास का माध्यम बनाया गया .कैरम बोर्ड ,टेबल टेनिस , और शतरंज ऐसे खेल थे जिनको इंपार्टेंस दी जाती तो शायद इस खेल के नामी खिलाडियों की नर्सरी बनती . खेलों को ले कोई गहरी सोच नहीं उभरी . शिक्षण संस्थानों या किसी भी पेशेवर प्रतिष्ठान द्वारा प्रयास होते तो इनकी खासी पौध तैयार होती जिससे उनको शोहरत मिलती . दरअसल क्रिकेट के प्रभा मंडल में अन्य खेलों को तवज्जो नहीं मिली . सोचिये ! दुनिया में पांच बार शतरंज के विश्व विजेता बनने का श्रेय इंडोर गेम शतरंज ने ही दिलवाया .फिर भी इस खेल को महत्ता नहीं मिली . सिर्फ हाबी के रूप में वक्त गुज़ारू खेल बना रह गया .सोशल मीडीया के आने के बाद वह वक्त भी छिन गया . मज़े की बात है कि शतरंज की शुरुआत हमारे ही देश में हुई .इसके महान खिलाडी विश्वनाथन आनंद ने अपने खेल कौशल से दुनिया भर में कीर्ती पायी . उनके खेल के गुण गान हर ओर हुए और होते हैं .फिर भी इस खेल की अनदेखी हुई .

विश्वनाथन आनंद ने अपनी शतरंज की चालों से दुनिया के नामी चेस प्लेयर्स की नींद उडायी विपक्षी टीमों के लिये हौवा रहे . सन 2000, 2007 , 2008 ,2010 और 2012 में पांच बार वर्ल्ड चैंपियन हुए .उनकी ख्याति ने किशोरावस्था में ही सुर्खियां बटोरनी शुरु कर दी थीं जब विश्व जूनीयर खिताब जीतने के बाद वह भारत के पहले ग्रैंड मास्टर बने. जो उनके खेल जीवन की सबसे बडी अचीवमेंट थी . सन 1991 में रेगिओ एमिलिआ टूर्नामेंट जीतना उनके कैरीयर का सबसे बडा लम्हा था काले मोहरों से गैरी कास्पारोव को पराजित कर पूरी दुनिया में अपने शतरंज खेल की धमक जमायी .

यह वह युग था जब शतरंज की दुनिया में सोवियत संघ के खिलाडियों गैरी कास्पारोव ,ब्लादिमीर क्रैमनिक ,वेसेलिन टोपालोव ,का दबदबा था जिसे विश्वनाथन आनंद ने अपने शतरंज की ब्रीलियेंस से तोडा . यह कोई मामूली अचीवमेंट नहीं थी चेस प्रेमियों के बीच इससे तहलका मचा और आनंद के खेल की हर ओर चर्चा होने लगी .शौकिया तौर पर शतरंज खेलने वाले खिलाडी ने विश्व चैंपियन बनने की सुनहरी गाथा को अपनी आत्म कथा " माइंड मास्टर " में लिखा कि शतरंज में इतनी ज़बर्दस्त एकाग्रता चाहिये कि विरोधियों की चालों को समझते हुए अपनी चाल चलनी होती है वर्ना परिस्थितियों पर काबू करना मुश्किल होता है .आज के समय में किसी लक्ष्य को पाने में तरकीबों और रणनीतियों की क्या भूमिका होती है ? अपनी भूलों को डायरी में लिखते जाने से क्या लाभ होता है ? मुश्किल हालातों में भावनाओं पर नियंत्रण रखते हुए कैसे उनको अपने फेवर में किया जा सकता है .अपने कंफर्ट ज़ोन को छोड हम जब जोखिम उठाने निकलते हैं तब कैसी सावधानियां बरतनी चाहिये ? तेज़ी से बदलते हालात के बीच प्रासंगिक बने रहने के लिये क्याकरना चाहिये ? क्या भूलना सच में जीतने का एकमात्र तरीका है ? इसको आनंद ने विस्तार से बताया और लिखा है .

विश्वनाथन आनंद को शतरंज के खेल में लाने श्रेय उनकी मां को है. छः साल की उम्र में गर्मीं की छुटियों में जब स्कूल बंद होते हैं तब उनकी मां ने इस खेल के प्रति उनको प्रोत्साहित और प्रेरित किया मां का यह इनकरेजमेंट उन्हें इतना इंस्पायर किया कि वह दुनिया जीत गये .इसे वह मां का आशीर्वाद मानते हैं . आनंद के खेल की चालें इतनी सूझ बूझ भरी होती हैं कि उसका तोड खोजने में प्रतिद्वंदी घंटों निकाल देते .शतरंज के खेल में चालाकी और चतुराई से कहीं अधिक गहरी सोच की भूमिका ज़रूरी होती है . अपने प्रशंसकों में वह " विश्शी " या " मद्रास टाइगर " के रूप में बेहद लोकप्रिय हैं .पढना तैरना और गाने सुनना पसंद है .अपनी मां के साथ मिल कई पज़ल गेम्स भी जीते. आनंद पहले भारतीय खिलाडी हैं जिन्हें सन 2007 में अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने उनके खेल से प्रभावित हो लंच पर न्योता दिया था .

आनंद में शतरंज की प्रतिभा कूट कूट कर भरी है विश्व के उन छः खिलाडियों में से एक हैं जिन्होंने फीडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप की दर्जा सूची में 2800 के अंक को तोडा और अप्रेल 2007 में विश्व के नंबर एक खिलाडी बने . यह कीर्तीमान उन्होंने पांच छः बार हासिल किया लगभग दो सालों तक नंबर एक मुकाम पर-

रहे .दिलचस्प बात है कि उनके पिता बिहार की ओर से क्रिकेट खेलते थे . आनंद की मां सुशीला आनंद के अनुसार ' हर कोई तो सचिन नहीं हो सकता आप सचिन से तुलना नहीं कर सकते यदि आनंद कुछ अलग करना चाहता था तो यह अच्छा था कि उसने अलग रास्ता चुना .हर तरह से मेहनत की चाहे वह दिमागी कसरत हो या शारीरिक व्यायाम .हमने सोचा नहीं कि वह वर्ल्ड चैंपियन बनेगा लेकिन उसकी कडी मेहनत तथा किस्मत ने उसे विश्व विजेता बनाया "

शतरंज के खेल में मौकों की अहमियत अधिक होती है इन्हें भुनाने में आनंद को मास्टरी हासिल है . खेल की यह प्रवृत्ती ज़िंदगी में भी मायने रखती है कि मिले अवसरों को कैरीयर डेवलेपमेंट के मामलों में कभी न चूकें . आनंद का पूरा खेल और खेल प्रदर्शन एक फिलासफर ,पर्फार्मर और इंस्ट्रक्टर सरीका रहा है .मुकाबले में अपनी जीत को जितना मानते उतना ही हार को भी .अपनी हार में हुई भूलों को नोट करते और उससे सबक ले आगे बढते . शांत चित्त स्वभाव को खेलकी पहली ज़रूरत मानते हैं . अपनी धांसू चालों से जहां प्रतिद्वंदी का चैन छीनते वहीं उससे बहुत सीखते भी. 11 दिसंबर 1969 को मयीलाडुतुरै ,तमिलनाडु में जन्में इस महान खिलाडी को पिछले वर्ष खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीडे का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया. सन 2007 में देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म विभूषण से सम्मनित किया गया जिसे पाने वाले पहले खिलाडी बने बीते ढाई दशकों से उनका नाम खेल जगत के सबसे चर्चित नामों में शामिल हैं . शतरंज और विश्वनाथन आनंद एक दूसरे के परिचय बन गये हैं . एक बार किसी ने उनसे पूछा " जो एक कंप्यूटर नहीं कर सकता लेकिन इंसान कर सकता है ? उनका जवाब था भले ही कुछ लोग इसे कंप्यूटर पर खेल रहे हों लेकिन लंबी दूरी की सोच ! रणनीति बनाना . आगे की स्थिति की कल्पना नहीं कर सकता यह चालों को खत्म नहीं कर सकता यह कमज़ोर चालों को नहीं समझ सकता यह आपकी आंखों में नहीं देख सकता .कंप्यूटर के साथ खेलना खेल के स्तर को घटाना है.

विश्वनाथन आनंद अब इस खेल के कोच और कमेंटेटर हैं खेल को बढावा देना देश के लिये नये विश्व विजेता बनाना उनके सपनों का उद्देश्य बन चुका है क्यों कि वह हैं " शतरंज के महातपस्वी " हैं।

काव्य कुंज

ऐसा नहीं हैं

डॉ डी डी देसाई

हर कोई दौड़ मे लगा हैं.
एक दूसरे को गिराने मे लगा हैं
ऐसा नहीं हैं कि हम दौड़ से डरते हैं
बस अपनों को हारता हुआ न देखूँ..
इस लिए हमने जितना छोड़ दिया हैं
दुनिया वालोने सताया बहुत हैं
किया काम और जताया बहुत हैं
ऐसा नहीं कि हमें हँसना पसंद नही हैं,
अपनों के चेहरे की उदासी देख कर
बस हमने मुस्कुराना छोड़ दिया हैं
लोग तरक्की की मीनारे चढ़ रहे हैं,
बुलंदियों को बौना बना रहे हैं
ऐसा नहीं हैं.. कि हम में हौसले की कमी हैं
बस हमने चापलूसी करना छोड़ दिया हैं
कई चपरासी,.. अफसर बने हैं,
कई नौकरमालिक बने हैं
पर हम जहाँ थे आज भी वहीं है
ऐसा नहीं है.. कि हमें तरक्की पसंद नहीं हैं
बस हमने किसी के सामने झुकना छोड़ दिया है।।

धुआ धुआ है जिंदगी

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

धुआ धुआ है जिंदगी
तेरी आंख क्यों धुंधली हो गई
तू सत्य कब जाने गा यह बता
तू ने क्यों आग जला रखी है
हसरतों की वासनाओं की
उसको बुझा रास्ता मिल जाएगा
नजर आएगा प्यार और बंदगी
क्यों धुआ धुआ है जिंदगी
तेरी जिंदगी जकड़ी गई ख्यालों मे
तृष्णा कभी पूरी होती नहीं
यह वह सूखी लकड़ी है
गर् जल जाए तो
बुझाने की तमन्ना नहीं होती
क्यों धुआ धुआ है जिंदगी
जब तू अपनी वीणा के तार
ठीक ठीक कर लेगा
संगीत का प्रेम का झरना उठेगा
दिल में खुशी छा जाएगी
जाग जा सब देख ले जान ले
श्रद्धा सुमन खिल जाएंगे
आनंद मन में छाएगा
तू देवतुल्य हो जाएगा
तू तृष्णा अपनी छोड़ दे
वासनाए अपनी मोड़ ले
तू शांत हो और ठहर जा
तब दीप अपना तब जला
प्रकाश मय हो जाएगा
सब समझ तू जाएगा
क्यों जिंदगी थी धुआ धुआ ।।

इंतज़ार

ठूंठ सा खड़ा वह विशाल वृक्ष नीम का
हुआ करता था कभी वह चहल पहल का केंद्र
अडिग खड़ा विशाल चबूतरे के बीच
युवा था तब वह
हरी भरी पत्तियों से लदी इठलाती बलखाती
डालियाँ हँस हँस कर
ठंडी बयार के साथ मानों इतराती थीं
बना रखे थे पक्षियों ने
वृक्ष पर नीड अनेक
गर्मियों की दुपहरी में लेते थे
मीठी-मीठी नींद
बच्चे ,बूढे, जवान नीम के नीचे चबूतरे पर ।
सर्दियों की दोपहर में
गुनगुनी धूप का आनंद उठाते लोग
देख-देख रह खुशी से लहकता था नीम
जाने क्यों अब वही नीम रहता है
व्यथित मन ही मन
चबूतरे पर
अब न वह पहले जैसी चहल पहल

पद्मजा श्रीवास्तव

न बच्चों के खेलने कूदने का शोर
न बडे बूढो के चेहरे पर वो खुशी
लगता था एक उदासी सी भर गई है
जीवन में जैसे सबके
बच्चे चले गए गाँव छोड़
शहर और विदेश में गए बस ।
रह गए अब तो गांव में
बूढे माता -पिता
और रह गया उनकी आँखों में
अपने बच्चों के आने का
एक कभी न खत्म होने वाला इंतज़ार.....

शब्द तेरे,छंद तेरे कविता तेरी,

संजीव ठाकुर,
रायपुर

हवाएँ तेरी,शहर तेरा,मंजिल तेरी,
पल ठहर जायेंगे,मर्जी होगी तेरी।
शब्द तेरे,छंद तेरे,कविता तेरी,
गुनगुनायेँगे हम,हामी होगी तेरी।
आसमान तेरा,रंग तेरे,परिंदे तेरे,हुई
उकेरेंगे आकृति, गर मर्जी होगी तेरी.
भाव तेरा, मन तेरा, भावनाएं तेरी,
रच लेंगे पंक्तिया, गर होगी लेखनी तेरी।
कलिया तेरी,पुष्प तेरे,उपवन तेरा,
हाथों में सजा देंगे, गर होगी मेहंदी तेरी।
कुह कुह तेरी,चह चहाहट तेरी,
खूब चहकेंगे,होगी चांदनी तेरी।
झरने तेरे,नदियां तेरी,सागर तेरे,
पी लेंगे नीर,गर नदी होगी तेरी।
पगडण्डी तेरी,सड़के भी तेरी,
तय करेंगे सफर,गर होगी गालियां तेरी।
पवन तेरा,गगन तेरा,आकाश तेरा,
उड़ जायेंगे, गर होंगी आशिकी तेरी।
सुर तेरा ,ताल तेरा,शहनाई तेरी,
आवाज देगे, गर पुकार होगी तेरी।

स्वच्छ जल कुछ कहता है हमसे

कुमुद बाला,
हैदराबाद

जल बनता है दो तत्वों से मिलकर
दोनों ही तत्व हैं महत्वपूर्ण
एक से अगर दूसरा बिछड़ गया
तो जल , जल नहीं रहेगा
जल के कितने रूप हैं --
ठंड में जमकर हो जाता है बर्फ
और अधिक गर्म
होकर वाष्प का रूप ले लेता है
कभी-कभी तो अलग तापक्रम पर
क्रिस्टल बन जाता है।
स्वच्छ जल कुछ कहता है हमसे....
आजकल नदियों का जल कुछ
रुका - रुका सा रहता है
कहीं कीचड़ में फंसा रहता है
तो कहीं लाशों , बासी फूलों के बीच
बिलबिला कर रह जाता है
कहीं रसायनों के बीच दुर्गंध से भर जाता है
तब वह रुकी हुई जलधारा हमें इशारे करती है
पास बुलाकर हमसे उत्तर चाहती है....
पर्वतमालाओं से फूटती जलधाराओं में
सुंदर खिलखिलाहट होती है
एक रवानी होती है
जलधारा का स्वच्छ जल तब कहता है
लो अपनी प्यास बुझा लो
इसके विपरीत समंदर के जल की लहरें
खुलकर अठखेलियां खेलती हैं
अंतरिक्ष से बातें करती हैं
चांद को अपनी कविताएं सुनाती हैं
और हंसकर हमें लुभाती हैं....
हमें जल की व्यथा समझनी होगी
नदियों को स्वच्छ करना होगा
झीलों , जलाशयों को विकसित करना होगा
प्रदूषण की गठरी को कहीं दूर फेंक आना होगा
और मानव , इंसान बनो - क्योंकि
जल भी हमसे जल स्वच्छ रखने को कहता है.....

लौकिक क्रीडा

डॉ टी महादेव राव

आसमानी सन्दूक से
सपने ठंडे बादलों के फिसल गए
लालटेन की कैंची
काट रही है अँधेरों को
रोशनी और गर्मी
हैं दो जीभों वाली
धूप की बातें
पंछी जैसे जीवन पर
आशा और ईर्ष्या
ताजे नए अपराध
गुलाम पैरों के कदमों को
पता है गलत रास्तों के धोखे
गंतव्य और गमन
चेष्टायें और चलन
सारा कुछ मिथ्या खेल है
समय - दूरी कार्य - कारण
सारा कुछ एक लौकिक क्रीडा है ।।

बेचैनी

लवली आनंद,
बिहार

मैं दम भर रही हूं,
अब साँसे भी थोड़ी
तेज़ तेज़ ले रही हूं,
आखों से आंसू की
मोतिया गिरा रही हूं,
न इस करवट, न उस
करवट बस सीधी
ही लेटी जा रही हूं,
अभी कमर में दर्द
शुरू ही तो हुई हैं
मैं सरपट अस्पताल
की ओर जा रही हूं,
पगली सी बेतहाशा दर्द
सह भी मुश्कुरा रही हूं
क्यो न हंसु मैं इस दर्द
में भी क्यों न खिलु इस
पीर में मैं,बैचैन सी नैना
राह देखे हैं क्यों न होऊ
बेचैन सी मैं
कैसा होगा मेरा चाँद का
टुकड़ा,कैसा होगा उसका मुखड़ा,
हाथों से उसके सर को सहलाऊंगी
स्तन को उसके मुख से लगाउंगी
हो रही अधीर और
भावविभोर कब माँ
उसके मुख से सुन पाऊँगी
गोद में भर कलेजे से
लगा मैं कब लोड़ी उसे सुनाऊँगी।।

आज की नारी हूं मैं

सोनी पटेल
मुजफ्फरपुर,बिहार

हाँ,आज की नारी हूं मैं
गर्व है मुझे मेरे अस्तित्व पर।
दर्पण सी साफ हूं मैं....
गीता सी पाक हूं मैं....।
दर्द में भी मुस्कुराने की
आदत है मेरी सर्वदा
मेरे चरित्र का प्रमाण
मांग मत तू
मेरे हृदय को चोट
पहुँचाने की तू हिम्मत कर मत
मौन हूं जरूर मगर
कमजोर नहीं हूं मैं।
हर विपत्ति का सामना करूं
हर सपनों को मैं करूं साकार
कांटो में भी राह बनाती हूं
टूटती हूं पर बिखरती नहीं
गिरती हूं बेशक बार-बार
पर विश्वास है मुझे खुद पर
खुद ही खुद को संभाल लेती हूं मैं ...।
समाज की रूढ़िवादी विचारों को
मानने के लिए मजबूर
नहीं मैं...

सक्षम हूं अपने जीवन को
जीने के लिए अपने तरीके से
खुद ही गढ़ती हूं मैं
अपना भविष्य अपने लिए...
बेचारी नहीं हूं मैं .....
हाँ आज की नारी हूं मैं।

नवसंवत्सर !

सुनील कुमार
महला,

भीनी-भीनी गंध खिली है
अवनि-अंबर से मिली है
पुरवाई से पुरवाई आन मिली है
धूप-दीप और बाती
नवसंवत्सर भारत की है थाती
आओ आओ बांधे हर द्वार पर बंदनवार
आया खुशियों का चैत्र नवरात्र त्योहार
आम्र में बौर खिले हैं, वासंती सौगात
कोयलिया की कूक जीवन रही संवार
जीवन रस घोल रहे हैं
मधुमक्खियों, भौंरों और तितलियों ने छेड़ी है तान
प्रार्थना के स्वर हैं
खुश आज सारा जहान
आया प्यारा खुशनुमा ये विहान
आओ आओ रंगोली काढ़े
भक्ति के भाव आज हैं गाढ़े
लाल चुनरिया ओढ़ें
हर आत्मा-मन, हर लब खुशियों को घोलें
उन्नयन, संवर्द्धन के प्रति संकल्पबद्ध हो लें
खुशियों के ताबीज़ हैं बिखरे
रंगोली के रंग हैं आज निखरे
घर-आंगन दहलीज़
व्यंजनों की बहार है
कहीं गुड़ी-पड़वा, कहीं चेटीचंड त्योहार है
वर्ष प्रतिपदा आई, हो गया सृष्टि प्रारंभ
मधुमास की महक अनोखी, अद्भुत
नौरोज, पोंगल, पोएला बैशाख
कलश स्थापना, दुर्गा मां पूजन
संस्कृति अपनी पुरातन, सनातन
सरसों, गेहूँ खेतों में चमके
खूब सुनहरा रूप
आज धरती का दामन है दमके
खुश है कृषक ,खुश है मजदूर
धन-धान्य धरती धानी धमके
कंठ-कंठ है स्वर लहरियां
आंखों में दीप असंख्य है उज्ज्वल
रोली अक्षत चावल और पान
चढ़ाएं सुपारी फूल नारियल
चैत्र में प्रज्ज्वलित नवरात्र खुशियां प्रतिपल।

कुछ दर्द ...

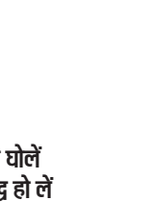

दर्शन सिंह
हैदराबाद

चुप रहे है अब तक,अब रहा न जाए
छोड़ पुराना रूप,नया भेष अपनाएं
समझाया.. चल दिए,
छींके से ..रहा करते हैं
खामोशियाँ बेवजह नहीं होती
कुछ दर्द आवाज़ छिन लिया करते हैं
मेरी हर सांस संग, तेरा नाम आता है
गीत नहीं दिल खुद,सुबह ओ शाम गाता है
चलते रहा,मुड़ा शून्य,घाव गहरा किया करते हैं
खामोशी बेवजह नहीं होती
कुछ दर्द आवाज़ छिन लिया करते हैं
खाफ़ा हो गए बेवजह,मनाने चले हैं
झुका लो निगाहें प्रिय, मुस्कराने चले हैं
न जाने क्योंकर...., अनसुना करते हैं
खामोशी बेवजह नहीं होती
कुछ दर्द आवाज़ छिन लिया करते हैं
तेरा मुस्करा के पलकें झुकाना, याद रहेगा
मुहब्बत में मदहोश,गुनगुनाना याद रहेगा
बहा दी किश्ती.., शायद ही मुड़ा करते हैं
खामोशी बेवजह नहीं होती
कुछ दर्द आवाज़ छिन लिया करते हैं।।

जिंदगी में कोई ओर न दिखाये आईना

आईना झूठ न बोले सच प्रतिबिंब दिखाये आईना।
पर जिंदगी में उम्मीद का भी दिखता रहे आईना।।
दुखी मनोभावों को बखूबी दर्शाये मुख दर्पण ,
लाख छुपाया दुनिया से, गम परत गई छिपाई ना।।
आज की तरुणाई को सुन्दर दिखाये आईना,
कल झुर्रीदार चेहरा
भी तो दिखाएगा आईना।।
विवेक से काम लिया
तो ना पड़ेगा पछताना,
है मन के मंदिर में ,
जिंदगी परखने का आईना ।
बीच-बीच में
आत्मनिरीक्षण करना भी जरूरी,
धुँधला न हो मन दर्पण ,
करते रहो साधना।।
दूर दृष्टि रखकर निरंतर करते रहो काम,
भ्रष्ट हुई बुद्धि तो जिंदगी भी रास आई ना।।
अहंकार के समुंदर में गोता ना लगाना कभी,
किसी की जिंदगी में कोई ओर न दिखाये आईना।

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

मर्यादा पुरुषोत्तम राम

प्रतिमा सिंह
हैदराबाद

त्रेता युग में महर्षि -
सम राजा हुए एक महान,
नाम था जिनका राजा दशरथ
करते सभी उनका गुणगान
सुख शांति का साम्राज्य था उनका,
पर राजा को था नहीं आराम,
दिन -रात चिन्ता में घुलते ,
नहीं थी उनके कोई संतान ।
ऋषि, मुनि, पंडित, पुरोहित सबने रखे अपने विचार
यज्ञ करें पुत्र प्राप्ति के तो मनवांछित फल देंगे भगवान।
चैत्र मास शुक्ल पक्ष मनोहर,शुभ्र चांदनी नवमी का दिन
अगम अगोचर अविनाशी उस दिन,
अवतरित हुए अवधपुर धाम, आनंद मग्न हुए पुरवासी महल में,
छाई चहुँ ओर खुशियां अपार, श्यामल शरीर राजीव नैना,
पालने में थे जग के पालनहार,
मात- पिता, गुरु सेवा धर्म जिनका,
वो हैं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ।
राज सिंहासन त्याग गए, किया न मन में कुछ मलाल,
जिनके कारण वनवास गए उनकी आज्ञा का रखा मान ।
धैर्य, धर्म, संयम का जिन्होंने दिया समय-समय पर प्रमाण,
मर्यादा हीन मनुज का जग में करता नहीं कोई सम्मान,
आदर्श आचरण, आदर्श मूल्यों से ही होगा जगत कल्याण
धीर गंभीर दयालु हैं सदा रखते भक्तों का ध्यान ।

चित्र बुजुर्ग कामवाली की

सविता राज,
मुजफ्फरपुर बिहार

जर्जर हालात, दीन हीन कृशकाय,
गिरता स्वास्थ्य ,
मैली कुचैली साड़ी,
दो वक्त के निवाले को मोहताज,
आखों में गमों का समुद्र,
नाउम्मीदी से घिरा जीवन,
बेटे बहु की मोहताज,
चार पांच घरों में काम करके,
घर को अपने सींचती थी,
औरों के घरों की, साफ सफाई करके,
चंद पैसे जोड़ती थी, आज बुढ़ापे ने
छीन लिया सर्वस्व
सबने काम छुड़ा दिया,
वर्षों तक जहां काम किया,
वहां से मिलता न वृद्धाभत्ता,
न कोई पगार,
दाने दाने को हो गई मोहताज,
ये चित्र है समाज में,
बुजुर्ग हो चली कामवालियों की।
सरकार करे या समाज करे,
कोई तो इन बेबस अबलाओं की,
समस्याओं का निदान करे।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA, Publications, Ltd,
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

कांग्रेस में आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया, नतीजा चुनाव में दिखेगा क्या?

कांग्रेस से ज्यादा टीएमसी की कमाई

राजनीति करने में बहुत पैसे लगते हैं। ये हम सिर्फ कहने के लिए नहीं कह रहे, राजनीतिक दलों के इनकम टैक्स रिटर्न्स भी यही कहते हैं। देश के 6 राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के आईटीआर डिक्लेयरेशन का एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने विश्लेषण किया है। चुनाव आयोग के पास जमा कराए गए 2021-22 के ये डिक्लेयरेशन बताते हैं कि 6 राजनीतिक दलों ने एक साल में 3289.34 करोड़ रुपए कमाए। मगर इस राशि में से 1725.61 करोड़ रुपए यानी करीब 48% पैसा ही खर्च हुआ। बाकी 1500 करोड़ रुपए से ज्यादा राजनीतिक दलों की बचत है। कमाई के मामले में सत्तारूढ़ भाजपा आगे है तो खर्च के मामले में कांग्रेस। कांग्रेस ने अपनी कमाई का करीब 74% हिस्सा खर्च कर दिया, जो बाकी किसी भी राजनीतिक दल से ज्यादा है। बाकी किसी भी पार्टी ने अपनी कमाई का 52% से ज्यादा खर्च नहीं किया। सबसे ज्यादा चौंकाने वाले हैं तृणमूल कांग्रेस की कमाई में ग्रोथ के आंकड़े। ममता बनर्जी की पार्टी की कमाई एक ही साल में 600% से ज्यादा बढ़ गई है। 545 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाई के साथ तृणमूल आय के मामले में भाजपा के बाद देश की दूसरी बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है। कमाई और खर्च के इन आंकड़ों के बीच एक परेशान करने वाली बात ये भी है कि राष्ट्रीय पार्टियों की इस अथाह कमाई का 66% से ज्यादा हिस्सा कहां से आया इसका खुलासा पार्टियां नहीं करती हैं। तृणमूल कांग्रेस की कमाई का ही करीब 97% अनडिक्लेयर्ड सोर्स से है।

जानिए, कहां से हो रही पार्टियों की कमाई और कौन सी पार्टी कितना खर्च कहां कर रही है। 2021-22 के कमाई के आंकड़े बताते हैं कि भाजपा ने इस साल 1917.12 करोड़ रुपए कमाए। ये राजनीतिक दलों में सबसे ज्यादा इनकम है। 2020-21 के मुकाबले भाजपा की इनकम 154% से ज्यादा बढ़ी भी है। लेकिन कमाई के सबसे ज्यादा चौंकाने वाले आंकड़े तृणमूल कांग्रेस के हैं। 2021-22 में तृणमूल कांग्रेस ने 545.75 करोड़ रुपए की इनकम डिक्लेयर की। लेकिन 2020-21 में पार्टी की इनकम सिर्फ 74.5 करोड़ रुपए ही थी। यानी एक ही साल में पार्टी की कमाई 633.36% बढ़ गई। कमाई के मामले में तृणमूल कांग्रेस 6 राष्ट्रीय दलों में दूसरे स्थान पर है, यानी कांग्रेस से भी आगे। कांग्रेस ने 2021-22 में करीब 542 करोड़ रुपए की कमाई डिक्लेयर की है। ये पिछले साल के मुकाबले 89.4% की बढ़त है।

राजनीतिक दल जितना कमाते हैं उतना खर्च नहीं करते। सिर्फ कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है जिसके डिक्लेयरेशन के मुताबिक उसने अपनी कमाई का 74% खर्च कर दिया। भाजपा ने अपनी कमाई का करीब 45% और तृणमूल कांग्रेस ने कमाई का 49% ही खर्च किया। CPI (M) ने कमाई का करीब 52% खर्च किया, जबकि NCP ने 42% ही खर्च किया। बसपा ऐसी पार्टी है जिसके डिक्लेयरेशन के मुताबिक उसने कमाई से भी ज्यादा खर्च किया है।

पार्टियां अपनी कमाई खर्च कहां करती हैं

पार्टियों का सबसे ज्यादा खर्च चुनाव में कांग्रेस में एडमिनिस्ट्रेशन पर खर्च भाजपा के बाद सबसे ज्यादा। भाजपा हो या कांग्रेस या तृणमूल कांग्रेस, कमाई में सबसे बड़ी तीनों ही पार्टियों के खर्च का पैटर्न एक जैसा है। सबसे ज्यादा पैसा चुनावों पर खर्च किया जाता है। इसके बाद सबसे ज्यादा खर्च एडमिनिस्ट्रेशन पर होता है। और तीसरा सबसे बड़ा खर्च कर्मचारियों की तनख्वाह पर होता है।

कुछ पार्टियों के खर्च का ब्यौरा चौंकाने वाला भी है। सीपीआई अपनी कमाई का 50% से ज्यादा हिस्सा पार्टी मुख्यालय के कामरेड्स के अलाउंस पर खर्च करती है। वहीं, एनसीपी की कमाई का करीब 75% एडमिनिस्ट्रेशन पर ही खर्च हो जाता है। चुनाव पर सिर्फ 19% हिस्सा खर्च किया जाता है। चुनाव पर खर्च कम करने का सीधा अर्थ ये है कि इन पार्टियों के प्रत्याशियों को चुनाव का पूरा खर्च अपनी ही जेब से निकालना पड़ता है। अब, सबसे ज्यादा चिंता की बात पार्टियों की कमाई का 66% हिस्सा कहां से आया ये वो नहीं बतातीं 2021-22 में 6 राष्ट्रीय दलों की कुल कमाई 3289.34 करोड़ रुपए थी। इसमें से 2172.23 करोड़ रुपए यानी 66% से भी ज्यादा कमाई का सोर्स डिक्लेयर नहीं किया गया। हर पार्टी ने अपनी कमाई का सबसे बड़ा जरिया दान बताया है। 20 हजार रुपए से कम के दान का सोर्स डिक्लेयर करना पार्टियों के लिए जरूरी नहीं है। साथ ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये मिलने वाले दान का सोर्स भी डिक्लेयर करना जरूरी नहीं है। इसी नियम का फायदा उठाकर पार्टियां अपनी कमाई के सबसे बड़े हिस्से का सोर्स डिक्लेयर ही नहीं करती हैं।

पार्टियां कमाती तो हैं, मगर खर्च नहीं करतीं

पार्टी	कमाई	खर्च	खर्च % में
भाजपा	1917.12	854.47	44.57%
तृणमूल कांग्रेस	545.75	268.34	49.17%
कांग्रेस	541.28	400.41	73.98%
सीपीआई (एम)	162.24	83.41	51.41%
एनसीपी	75.85	32.23	42.49%
बसपा	43.7	85.1	-49%
सीपीआई	2.87	1.18	41.1%
एनपीईपी	0.47	0.39	83%

2021-22 के कमाई के आंकड़े करोड़ रुपए में हैं।
स्रोत: ADR

जो दान डिक्लेयर किया गया उसमें भाजपा सबसे आगे 20 हजार रुपए से ज्यादा के दान का सोर्स पार्टियों को डिक्लेयर करना पड़ता है। 2021-22 के आंकड़े बताते हैं कि इसमें भाजपा सबसे आगे है। भाजपा को डिक्लेयर्ड दान के जरिये 614 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हुई। इसमें प्रति दानदाता औसत दान 12 लाख रुपए से ज्यादा का था। कमाई में सबसे ज्यादा उछाल दर्ज करने वाली तृणमूल कांग्रेस को 20 हजार से ज्यादा का दान सिर्फ 7 लोगों ने दिया। पार्टी को डिक्लेयर्ड दान के जरिए सिर्फ 43 लाख रुपए की कमाई ही हुई। राजनीतिक दलों ने जिस कमाई के सोर्स का खुलासा नहीं किया उसका सबसे बड़ा हिस्सा इलेक्टोरल बॉन्ड्स से आता है। 2172.23 करोड़ की कुल अनडिक्लेयर्ड सोर्स से हुई कमाई में से 83.4% यानी 1811.94 करोड़ रुपए इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये आया है

क्या है इलेक्टोरल बॉन्ड

इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत केंद्र सरकार ने 2017-18 के बजट में पहली बार की थी। इस योजना की अधिसूचना 2 जनवरी, 2018 को जारी हुई थी। इलेक्टोरल बॉन्ड एक तरह का प्रॉमिसरी नोट होता है। हर साल एसबीआई की 29 शाखाओं से ये बॉन्ड बेचे जाते हैं। करंसी नोट्स की तरह ये बॉन्ड 1000, 10 हजार, 1 लाख और 1 करोड़ के डिनॉमिनेशन में जारी होते हैं। कोई भी भारतीय नागरिक या ऑर्गनाइजेशन/कंपनी ये बॉन्ड खरीद सकता है। एक व्यक्ति कितने बॉन्ड खरीद सकता है, इसकी कोई सीमा नहीं रखी गई है। बॉन्ड खरीदने वाले का कोई भी रिकॉर्ड या फिर ये बॉन्ड उसने खरीदने के बाद किसे दिया, इसका कोई भी रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता है। बॉन्ड खरीदे जाने के 15 दिन के अंदर उसे इनकैश किया जाना अनिवार्य है। यानी बॉन्ड खरीदने वाला इसे राजनीतिक दल को दान में देता है और वो दल 15 दिन के अंदर बैंक से ये बॉन्ड कैश करवा लेता है। अगर बॉन्ड को कैश न करवाया जाए तो बैंक इसे प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा करवा देता है। 2018 से लेकर जनवरी, 2023 तक कुल 25 बार इलेक्टोरल बॉन्ड्स की बिक्री हुई है। इस दौरान 21171 बॉन्ड्स बिके जिनकी वैल्यू 12 हजार करोड़ से ज्यादा है। इतने सालों में सिर्फ 168 बॉन्ड ही कैश न किए जाने पर प्रधानमंत्री राहत कोष में जमा किए गए। इनकी वैल्यू 23.68 करोड़ रुपए थी। यानी आज तक जारी किए गए इलेक्टोरल बॉन्ड्स में से 99.8% राजनीतिक दलों ने कैश करवा लिए हैं।

कमाई का सोर्स न बताने की छूट देती है भ्रष्टाचार को बढ़ावा

भारत में हर नागरिक को अपनी कमाई का हर जरिया इनकम टैक्स रिटर्न में डिक्लेयर करना पड़ता है। मगर राजनीतिक दलों को ये छूट मिली हुई है कि उन्हें अपनी आय का हर जरिया बताने की जरूरत नहीं है। नतीजा ये है कि ज्यादातर पार्टियों की कमाई का सबसे बड़ा हिस्सा अनडिक्लेयर्ड दान की कैटेगरी में ही आता है। तृणमूल कांग्रेस ने सिर्फ एक साल में कमाई 600% से ज्यादा बढ़ा ली। करीब 75 करोड़ से सीधे 545 करोड़ रुपए तक पहुंची इनकम में डिक्लेयर्ड दान सिर्फ 43 लाख रुपए का था।

तृणमूल की 545 करोड़ की कमाई में से 528 करोड़ रुपए से ज्यादा उसे इलेक्टोरल बॉन्ड्स से मिले थे। ये बॉन्ड्स किसने दिए ये खुलासा करना पार्टी के लिए बाध्यकारी नहीं है। पार्टियों को मिली ये छूट भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है। एडीआर के विश्लेषक ये कहते आए हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिये मनी लॉन्ड्रिंग का रास्ता खुला हुआ है। पार्टियों को अगर इलेक्टोरल बॉन्ड्स देने वालों के नाम डिक्लेयर करने पड़े तो इस भ्रष्टाचार पर लगाम लग सकती है।

मानव खून की प्यासी मलेरिया प्रजाति पर रोकथाम जरूरी

दुनिया ने भले ही कितनी भी तरक्की कर ली हो, पर इस सच्चाई से मुंह नहीं फेरा जा सकता कि मच्छरों की बढ़वार, उनके काटने से होने वाली बीमारियों और मौतों को रोक पाना चुनौती बना हुआ है। यह इसलिए भी चिंता का विषय है कि दुनिया में मौजूद मच्छरों की तीन हजार से ज्यादा प्रजातियों में से कुछ को ही मनुष्यों का खून पसंद है। मगर एनोफेलीज, एडीज और क्यूलेक्स जैसी कुछ प्रजातियां जानलेवा साबित होती हैं। ये लिंफैटिक फाइलेरिया, जीका, डेंगू, और पीला बुखार फैलाती हैं।

बीते कुछ वर्षों के आंकड़ों से पता चलता है कि मलेरिया से हर साल औसतन चार लाख लोग जान गंवाते हैं। उसमें ज्यादा संख्या पांच साल से कम उम्र के बच्चों की होती है। बीते वर्ष दुनिया में 6.2 लाख लोग मलेरिया की वजह से काल कवलित हो गए। वर्ष 2021 में 24.7 करोड़, 2020 में 24.5 करोड़, 2019 में लगभग 23.2 करोड़ लोग मलेरिया की पकड़ में आए। मगर अब आ रही वैज्ञानिक जानकारियां बेहद परेशान करने वाली हैं, क्योंकि मच्छर बारहमासी होते जा रहे हैं। पहले ठंडी जगहों पर इनका प्रकोप कम या बिल्कुल नहीं होता था। मगर जलवायु परिवर्तन के चलते इनकी भी फितरत बदलने लगी है। हर मौसम इनके प्रजनन और विस्तार के लिए अनुकूल हो रहे हैं।

मच्छर सदियों से हैं। त्रेता काल में भी थे। इसका जिक्र रामायण के सुंदरकांड की पंक्तियों में है। 'मसक समान रूप कपि धरी/ लंकहि चलेउ सुमिरि नरहरी'। सच्चाई भी यही कि मच्छर ही मनुष्य के जन्म से लेकर मृत्यु तक साथ रहता है। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय का एक नया शोध बताता है कि जलवायु परिवर्तन से तमाम जानलेवा बीमारियां फैला कर मच्छर पूरे साल मुसीबत का सबब बन सकते हैं।

उष्ण कटिबंधीय इलाकों में इनका पूरे साल सक्रिय रहना आम बात है। मगर ठंडे दिनों में मच्छर शीतनिष्क्रियता यानी हाइबरनेशन में चले जाते हैं और उनकी शारीरिक क्रियाएं थम या सुस्त पड़ जाती हैं। मगर अब कुछ ही जगहें मच्छरों के प्रकोप से बची हैं। जैसे, अंटार्कटिका का दक्षिणी ध्रुव, जहां न्यूनतम तापमान ऋणात्मक 90 डिग्री सेल्सियस और सबसे ज्यादा 5 से 15 डिग्री सेल्सियस तक रहता है।

इसी तरह सेशेल्स गणराज्य है, जो हिंद महासागर स्थित 115 द्वीप समूहों का राष्ट्र है, जहां प्राकृतिक रूप से स्तनधारी जीव नहीं मिलते, जिनका खून मच्छरों का भोजन होता है। अफ्रीका महाद्वीप के सबसे कम आबादी वाले इस देश में केवल बानबे हजार लोग रहते हैं, जो मलेरिया मुक्त हैं। इसी तरह फ्रांस में बेहतर जल निकासी प्रबंधन से मच्छर बहुत कम हैं। न्यू केलेडोनिया, दक्षिणी प्रशांत महासागर में आस्ट्रेलिया के पास है, वहां भी मच्छरों की संख्या बहुत कम है। इसी तरह आइसलैंड में, जो उत्तरी अटलांटिक सागर स्थित छोटा-सा देश है, तापमान इतना कम कि मच्छर पनप नहीं सकते।

मच्छरों को पनपने के लिए गर्म, उमस भरे वातावरण की जरूरत होती है। मौसम का बदलता मिजाज, घटती ठंड, बढ़ती गर्मी और श्वांसरोधी दूषित हवा इनके प्रजनन के अनुकूल होता है। गर्मी या उमस के दौरान मच्छरों का व्यवहार आक्रामक हो जाता है। तापमान बढ़ने से मच्छरों का व्यवहार भी बदल रहा है, ये तेजी से पनपते और मलेरिया जैसे रोग फैलाते हैं।

आने वाले वक्त में बढ़ती गर्मी से निपटना जितना मुश्किल होगा, उतना ही मच्छरों से निपटना भी। जलवायु परिवर्तन के चलते अगर मनुष्य के सबसे बड़े दुश्मन के रूप में मच्छर भी चुनौती बन जाएं, तो हैरानी नहीं होनी चाहिए। तमाम शोधों से पता चलता है कि मच्छरों के बदलते व्यवहार की वजह से मलेरिया और अन्य संक्रमणों की रोकथाम पर गंभीर असर पड़ने लगा है।

एक सवाल खुद ही जवाब बनकर उभरता है कि कुछ बरस पहले तक बारिश और उमस के बावजूद मच्छर इतने हमलावर क्यों नहीं थे? क्योंकि इनका शिकार मेढक करते थे। आज मेढकों का वजूद हम ही खत्म कर रहे हैं। ये बरसात में मच्छरों के लार्वा, टिड्डे, कीड़े, दीमक, कनखजूरा, चींटी और मकड़ी आदि चट कर जाते थे। अब खेतों में कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से मेढक कम, बल्कि खत्म, होने लगे हैं। मेढक वाली दलदली जगहों पर कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है। इससे मच्छरों की फौज बेकाबू हो रही है। उभयचर होने से पानी तथा जमीन पर मच्छरों को भोजन बनाने वाला मेढक अब खुद ही विलुप्ति की कगार पर है।

अकेले भारत में चार सौ से ज्यादा प्रजाति के मच्छर हैं। इनसे बचाव के लिए बने उत्पादों का सालाना कारोबार पांच सौ से छह सौ करोड़ रुपए का है, जो हर साल सात से दस प्रतिशत बढ़ रहा है। इसमें डीडीटी से लेकर दूसरे कार्बन-फास्फोरस यौगिक होते हैं, जो टिकिया, अगरबत्ती, लोशन, वेपोराइजर की शक्ल में होते हैं। अधिकतर में एलथ्रिन समूह के यौगिकों, डाइ इथाइल टाल्यूमाइड या कुछ में जड़ी-बूटियों और तेल का उपयोग होता है, जो अधिकतर दो से चार घंटे तक ही प्रभावी होते हैं। इनके कारोबारियों का मजबूत संगठन भी है। शर्तों के अनुसार तो मानव स्वास्थ्य, पशुओं तथा अलक्षित प्रजातियों के लिए सुरक्षित होने पर ही इन उत्पाद को बाजार में उतारने की इजाजत मिलती है। मगर कमजोरी यही कि एक बार अनुमोदन मिलने के बाद सतत निगरानी या स्वास्थ्य पर पड़ रहे प्रभावों के आकलन का कोई प्रावधान न होने के चलते इनके दुष्प्रभावी होने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ता।

मच्छरों को भगाने वाले कई उपाय दुनिया भर में मनुष्यों पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। घुटन पैदा करने वाली गंध, सांस लेने में तकलीफ, सिरदर्द, आंख, कान, नाक, गला और चमड़ी में जलन, दाद, काले धब्बे, चमड़ी का काला पड़ जाना। कुछ लोगों में बुखार, नाक बहना, छींक आना, सर्दी, खांसी तक की समस्याएं सामने आई हैं। कुछ शोधकर्ताओं ने तो लीवर और धमनियों के खराब होने तक की चेतावनी दी है। निश्चित रूप से मच्छरों के लिए जलवायु परिवर्तन से बन रही अनुकूलता बड़ी चुनौती है।

'सहानुभूति' को सियासी जीत में बदल पाएंगे राहुल गांधी?

जिस तरह से मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ सूरत की अदालत का फैसला आया, जिस तरह फैसला आते ही ताबड़तोड़ तरीके से राहुल की लोकसभा सदस्यता खत्म की गई और जिस तरह भाजपा ने राहुल गांधी पर हमले तेज कर दिए हैं, उससे इतना तो साफ है कि मोदी सरकार और भाजपा राहुल गांधी को अब संभावित खतरा मानने लगी है। वरना कुछ समय पहले तक बीजेपी राहुल को 'पप्पू' मानकर केवल उनका मजाक उड़ाने तक सीमित थी।

उधर राहुल और कांग्रेस इस पूरे घटनाक्रम को 'राजनीतिक बदले' का रंग देकर उनके संसद सदस्यता गंवाने को 'शहादत' का रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। वे निचली अदालत के फैसले के खिलाफ ऊपरी कोर्ट में जाने की जल्दबाजी भी नहीं दिखा रहे हैं। कांग्रेसियों का मानना है कि इन तमाम घटनाओं से राहुल के प्रति जन सहानुभूति बढ़ेगी और इसका लाभ कांग्रेस और परोक्षतः विपक्ष को मिलेगा। इसका सीधा मतलब यही है कि अगला लोकसभा चुनाव फिर से मोदी बनाम राहुल में तब्दील हो सकता है, हालांकि ऐसा माहौल 2014 में भी बनाया गया था, जिसमें राहुल बुरी तरह नाकाम रहे थे। वही माहौल फिर से बने, इसकी पहली कसौटी यह है कि राहुल अपने काम, बयानों और संगठन क्षमता को लेकर कितने गंभीर हैं।

जनता नेता को केवल सदस्यता के आधार पर ही नहीं तौलती है। वह जोखिम उठाने का साहस, कर्मनिष्ठा, संकल्पशक्ति और निर्णय क्षमता के कारकों पर भी नेता को देखती और परखती है। इन पैमानों पर राहुल अभी भी बहुत संजीदा नजर नहीं आते। जबकि उनके पास (अगले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर) समय ज्यादा नहीं बचा है।

'भारत जोड़ो यात्रा' से राहुल को लाभ

इसमें दो राय नहीं कि 'भारत जोड़ो यात्रा' ने राहुल की छवि को बेहतर बनाया है। यही कारण है कि राहुल की यात्रा को निर्द्वंद्व सम्पन्न होने देने वाली मोदी सरकार और भाजपा इस यात्रा के दूरगामी परिणामों का सूक्ष्मता से विश्लेषण कर अपनी अगली रणनीति पर काम कर रही है। चार महीने चली यात्रा के दौरान राहुल गांधी अमूमन विवादित बयानों से बचते रहे। एक दो बार मामला गड़बड़ाया भी तो वरिष्ठ सहयोगियों ने किसी तरह उसे संभाल लिया। उसके बाद ब्रिटेन की यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने भारतीय लोकतंत्र और मोदी सरकार पर जो टिप्पणियां की, संसद में अडानी को लेकर मोदी पर जो प्रहार किए, उससे सरकार, भाजपा और संघ के कान खड़े हो गए हैं। इन बयानों के बाद राहुल की नीयत पर सवाल उठाए जाने लगे। विदेश में भारत के आंतरिक मसलों पर राहुल की प्रतिक्रिया को उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता के रूप में देखा गया। बहुतों का मानना है कि घर के अंदर लड़ाई लड़ने वाले राहुल को ऐसे मामलों में संयत होकर अपनी बात रखनी थी। राहुल के बयानों को मुद्दा बनाते हुए भाजपा ने उनसे संसद में माफी मांगने को लेकर संसद नहीं चलने दी। ऐसा शायद पहली बार हुआ कि सत्ता पक्ष ही, संसद नहीं चलने दे रहा था। भाजपा, राहुल को संसद में बोलने नहीं दे रही थी। दूसरी तरफ राहुल ने भी अपने बयानों के लिए माफी मांगने से इंकार कर दिया। हालांकि वो स्पष्टीकरण देने के लिए तैयार थे। लेकिन इस स्पष्टीकरण में भी वो ऐसी कुछ बातें कर सकते थे, जो मोदी सरकार को असहज कर सकती थीं।

राहुल गांधी की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि बोलते समय वो राजनीतिक लाभ-हानि और उसके समग्र परिणामों के बारे में ज्यादा नहीं सोचते। उन्हें यह अहसास नहीं रहता कि कब और कैसे बोलने का क्या असर होगा? भाषा की समस्या तो उनके साथ है ही। वो अंग्रेजी में सोचकर हिंदी में बोलते हैं, जिससे अक्सर अर्थ का अनर्थ होता है। हिंदी पर अधिकार न होना राहुल गांधी की ऐसी मूलभूत कमजोरी है, जिसकी वजह से उन्हें आगे भी नुकसान उठाना पड़ेगा।

उनके विपरीत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजराती भाषी होने के बाद भी हिंदी के मुहावरे को इतनी गहराई से आत्मसात कर लिया है कि उनकी बात देश के 70 फीसदी लोगों को आसानी से समझ आ जाती है।

राहुल सच में विपक्ष का सक्षम चेहरा बनना चाहते हैं तो उन्हें इस बात को भी समझना होगा कि राजनीति, राजनीतिक तौर तरीके से ही हो सकती है, होनी चाहिए। क्योंकि राजनीति का अंतिम सत्य सत्ता की प्राप्ति है न कि सत्यान्वेषण अथवा मोक्ष प्राप्ति।

सियासत अमूमन अर्द्धसत्य पर ज्यादा चलती है। जिसमें विचार, घटना और परसेप्शन की अपने अनुकूल व्याख्या की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। यह एक चतुराई भरा, शातिराना खेल है जो भद्रता का आवरण ओढ़ कर भी खेला जाता है, खेला जा सकता है। राजनीति में आप जो कहते हैं, जो कटाक्ष या व्याख्या करते हैं, वह तोता रटंत नहीं है, उसकी अपनी दृष्टि और सोच है, इस बात का अहसास नेता को बार-बार दिलाना पड़ता है।

कई लोगों का मानना है कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद राहुल गांधी की छवि उदारवादियों की नजर में भी सुधरी है, लेकिन यह बदलाव उन्हें देश के शीर्ष नेता के रूप में स्थापित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। राहुल अभी भी वो गलतियां करते जा रहे हैं, जो पहले भी कर चुके हैं। गलती सभी से होती है, लेकिन समझदार इंसान और राजनेता गलतियों को दोहराने से यथा संभव बचता है। भले ही वो नई गलती करे। यह भी विडंबना है कि यूपीए 2 के समय मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लाए गए उस अध्यादेश को राहुल सिंह ने सरेआम फाड़ दिया था और जिसके कानून बनने पर वो खुद आज मानहानि की सजा से बच सकते थे। लेकिन तब राहुल ने उस अध्यादेश को भ्रष्टाचारियों को बचाने वाला बताकर उसे फाड़ा था। उनके इस कृत्य से कांग्रेस को कोई फायदा नहीं हुआ, उलटे खुद मनमोहन सरकार ही भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों में घिर गई तथा अपनी ही सरकार के कामों के प्रति राहुल की अगंभीरता की गलत छवि बनी।

इससे केवल इतना संदेश गया कि राहुल एक जिद्दी नेता हैं और उन्हें जब जो ठीक लगता है कह और कर बैठते हैं। अब भी इस मानसिकता में कोई खास फर्क आया हो, ऐसा नहीं लगता। बीते आठ साल में उन्हें तीन बार अपने बयानों के लिए या तो माफी मांगनी पड़ी या फिर उसके लिए सफाइयां देनी पड़ी। हिंदुत्ववादी वी.डी.सावरकर को लेकर राहुल के बयान ने विपक्षी एकता को दरका दिया। महा विकास आघाडी में शामिल शिवसेना ने साफ कह दिया कि सावरकर उनके आराध्य हैं तो राष्ट्रवादी कांग्रेस ने कहा कि सावरकर के खिलाफ वो कुछ नहीं सुनेंगे। बाद में तय हुआ कि राहुल सावरकर पर मौन ही रहेंगे, लेकिन ऐसा कब तक रहेगा, यह स्पष्ट नहीं है। अगर सावरकर का ब्रिटिश सरकार से माफी मांगकर छूटना ही उनकी आलोचना का एक मात्र आधार है तो कहा जाता है कि उन्होंने ऐसा पांच बार किया। लेकिन राहुल तो तीन अलग-अलग मामलों माफी पहले ही मांग चुके हैं।

कहीं ऐसा न हो कि वो इस मामले में सावरकर से आगे

निकल जाएं। इन सबके बाद भी जब उन्होंने कहा कि 'मैं सावरकर नहीं, जो माफी नहीं मांगूंगा' तो सवाल उठा कि राहुल खुद की तुलना सावरकर से किस आधार पर कर रहे हैं। उन्होंने 52 साल में ऐसा क्या किया है, जो देश उन्हें अपना नेता माने। सावरकर तो 14 साल अंडमान की सेल्युलर जेल में रहे, लेकिन राहुल के पास संघर्ष का ऐसा जरा भी अनुभव नहीं है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसने सावरकर के मामले में महाराष्ट्र की जनभावना का हमेशा ध्यान रखा।

राहुल की दादी इंदिरा गांदी ने 1970 में सावरकर पर डाक टिकट भी जारी किया था। इसका कारण यह है कि भले ही सावरकर हिंदुत्व की विचारधारा के प्रणेता हों, भले ही वो माफीनामा देकर काले पानी की सजा से छूटे हों, लेकिन महाराष्ट्र के अधिसंख्यक लोग उनकी देशभक्ति और राष्ट्रनिष्ठा को असंदिग्ध मानते हैं।

इस मायने में वो एक बड़े आइकन हैं। राहुल इस बात को जाने समझे बगैर टिप्पणियां करेंगे तो विपक्षी एकता का महल कभी ठीक से खड़ा नहीं होगा। दूसरे, कांग्रेस में संगठनात्मक सुधार करने, उसे जुझारू बनाने और सत्ता की ललक पैदा करने के लिए जो करना जरूरी है, उस मोर्चे पर राहुल अभी भी कुछ ठोस कर रहे हैं, ऐसा प्रतीत नहीं होता। खुद मैदान में खेलना और बाहर बैठकर कोचिंग करने में जमीन आसमान का फर्क है।

बावजूद इसके एक बात राहुल के पक्ष में जाती दिखती है और वो ये कि वो मोदी सरकार, भाजपा और संघ पर प्रहार करने की हिम्मत दिखा रहे हैं। खुद को प्रताड़ित के रूप में पेश कर रहे हैं, जिससे उन्हें लोगों की सहानुभूति मिल सकती है। हालांकि इस खतरे से भाजपा अनजान होगी, यह मानना गलत होगा। लेकिन 'विक्टिमाइजेशन' को अपने और अपने दल के राजनीतिक पक्ष में मोड़ने की कला भी राजनेता में होनी चाहिए। यानी सहानुभूति वोटों में भी तब्दील हो, इसकी कूवत चाहिए।

उदाहरण के लिए राहुल की दादी (और शायद अब तक की सबसे सफल तथा साहसी प्रधानमंत्री) इंदिरा गांधी ने इमरजेंसी के बाद उन्हें राजनीतिक रूप से खत्म करने की जनता सरकार की चाल को इसी विक्टिम कार्ड से नाकाम कर दिया था और वो 1980 में फिर नई ताकत के साथ सत्ता कर काबिज हो गईं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तो उन पर होने वाले हर निजी हमले को अपनी ताकत बनाने की कला में माहिर हैं।

शरीर के इन स्थानों पर तिल होना मानते हैं बेहद अशुभ

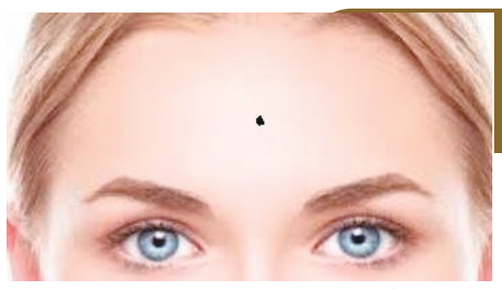

सामुद्रिक शास्त्र में आपकी शरीर की बनावट और शरीर में मौजूद निशानों को देखते हुए व्यक्ति के जीवन के बारे में कई बातें बताई जा सकती है। सामुद्रिक शास्त्र में शरीर पर मौजूद तिल का महत्व भी बताया है। शरीर पर मौजूद कुछ तिल व्यक्ति को भाग्यशाली बनाते हैं जबकि कुछ तिल आपके लिए अशुभ साबित होते हैं। आज हम आपको बताने जा रहे हैं शरीर पर मौजूद किन तिल को माना जाता है अशुभ।

तिल का रंग और इसका मतलब

शरीर पर मौजूद तिल को लेकर सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि अगर तिल का रंग काला है तो यह शुभ अशुभ दोनों तरह का परिणाम दे सकता है इसमें तिल कहां पर और किस आकार का है यह गौर करने की बात होती है। जबकि शरीर पर लाल रंग के तिल का होना शुभ फलदायी होता है। लाल तिल से धन समृद्धि और सुख की प्राप्ति का संकेत मिलता है।

माथे पर बायीं ओर काला तिल

माथे पर बायीं तरफ तिल होता है तो वह अच्छा सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक अच्छा नहीं माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा व्यक्ति बस अपने बारे में सोचता है। ऐसे लोग दूसरों के बारे में सोचने से पहले अपने बारे में सोचते हैं। यानी इनमें स्वार्थ की भावना अधिक रहती है जिससे परिवार में इनको कई बार लोग गलत तरीके से लेते हैं और इन्हें अपमान भी सहना होता है।

भौंह पर बायीं ओर तिल का मतलब

सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि अगर किसी व्यक्ति की भौंह पर बाईं तरफ तिल होता है तो ऐसे लोगों को बिजनस और नौकरी दोनों ही जगह कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। इनको सफलता पाने के लिए बार-बार चुनौतियों और संघर्ष का सामना करना पड़ता है। कई बार इनको अफने कार्यक्षेत्र में बदला को लेकर भी परेशान होना पड़ सकता है।

होंठ पर तिल होने का मतलब

अगर किसी व्यक्ति के होंठ पर तिल होता है तो उन्हें अपनी सेहत को लेकर सचेत रहने की जरूरत है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोगों को मोटापा और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वैसे होठों पर तिल का होना व्यक्ति को रोमांटिक और कामुक प्रवृत्ति भी देता है ऐसा समुद्रशास्त्र में बतया गया है।

नाक और आंख पर तिल का मतलब

सामुद्रिक शास्त्र में बताया गया है कि अगर किसी व्यक्ति नाक और की बायीं आंख पर तिल होता है तो वह व्यक्ति थोड़ा आत्माभिमानी तरीके के होते हैं। ऐसे लोग दुनिया के आगे खुद को बढ़-चढ़कर दिखाने वाले होते हैं। दरअसल यह खुद में यह मानककर बैठे रहते हैं कि इनसे अधिक किसी के पास कुछ हो ही नहीं सकता है। मतलब हर बात पर अपनी नाक ऊंची करने की कोशिश करते हैं। वैसे आंखों पर तिल होने को लेकर ऐसा भी कहा जाता है कि व्यक्ति पूर्व जन्म में सर्प की योनी में रहा होगा। इन्हें पूर्वाभास भी होता रहता है।

पीठ पर तिल का मतलब

सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक अगर किसी व्यक्ति के कंधे के नीचे तिल हो तो

शरीर पर लाल रंग के तिल का होना शुभ फलदायी होता है। लाल तिल से धन समृद्धि और सुख की प्राप्ति का संकेत मिलता है।

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, इसे शुभ नहीं माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में बहुत संघर्ष करना पड़ता है। छोटी से छोटी सफलता हासिल करने के लिए इन्हें बेहद संघर्ष करना होता है। वैसे पीठ पर तिल होने पर व्यक्ति थोड़ा आलसी भी हो सकता है। ऐसे लोग काम को थोड़ा टालने वाले और आराम पसंद होते हैं।

बड़े काम की गाय, वास्तु दोष और यम का भय हो सकता है दूर, होते हैं 4 बड़े लाभ भी

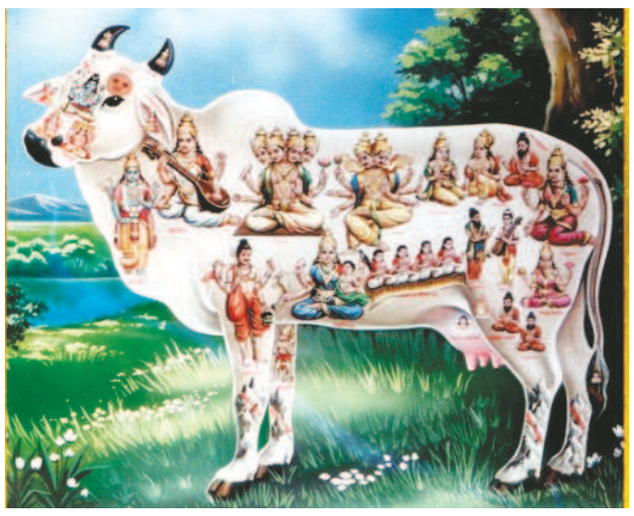

हिंदू धर्म में गाय को माता कहा जाता है और उसकी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गाय में देवी और देवताओं का वास होता है। उसका दूध अमृत के समान माना गया है। पंचगव्य के बिना पूजन पूर्ण नहीं होता है। गाय की सेवा करने और उसे प्रतिदिन ग्रास देने से ग्रह दोष दूर होते हैं। एक गाय कई दोषों को दूर करती है और उससे लाभ भी होते हैं।

गाय वास्तु दोषों का करती है नाश

जहां पर घर बन रहा है, वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांध दिया जाए तो उस स्थान के सभी वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। कार्य सफलता से पूरे होते हैं और रुपये-पैसे की भी कोई किल्लत नहीं होती है।

यम का भय होता है दूर

शिवपुराण और स्कंदपुराण में बताया गया है कि गौ सेवा करने और गौ का दान करने से मृत्यु यानि यमराज का भय नहीं रहता है।

गाय से होने वाले 4 लाभ

1. जिस घर में गाय की सेवा की जाती है, उस घर में पुत्र-पौत्र की कमी नहीं रहती है। संतान सुख प्राप्त होता है। ज्ञान, धन आदि अन्य सुख मिलते हैं। साथ ही उस घर की बाधाओं का अंत हो जाता है। उस घर में बच्चे निडर होते हैं।

2. यदि आप किसी इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं और उस समय आपको किसी गाय के रंभाने की आवाज सुनाई दे तो इसे शुभ संकेत माना जाता है।

3. गाय की पूंछ से नजर दोष भी दूर किया जाता है। विष्णु पुराण में उल्लेख है कि जब भगवान श्रीकृष्ण को पूतना ने स्तनपान कराया था तो नंद बाबा और यशोदा मैय्या ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी थी।

4. कहा जाता है कि गाय जहां पर बैठकर सांस लेती है, वहां के सभी पापों को खींच लेती है। इस बात का उल्लेख महाभारत के अनुशासनपर्व में मिलता है।

-दर्शन अग्रवाल

हकलाकर और तेज बोलने वाले लोगों में होती हैं ऐसी खूबियां

हकलाकर बोलना, तेज बोलना, बिना अटके

बोलना यह सब व्यक्ति के स्वभाव का हिस्सा है। समुद्रशास्त्र में लोगों के बोलने के तरीके को लेकर काफी कुछ बताया गया है। हर आदमी के बोलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व की खूबियों को जान सकते हैं।

बोलने के तरीके से व्यक्ति के बारे में आप बहुत कुछ जान सकते हैं। दरअसल सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर के अंग, रेखाओं, निशान और उनके बोलने के तरीके को लेकर काफी कुछ बताया गया है। सभी लोगों के बोलचाल का तरीका अलग होता है जो व्यक्ति का एक गुण होता है। इस गुण से आप व्यक्ति के स्वभाव और व्यवहार की खूबियों को जान सकते हैं। आइए जानते हैं हकलाकर बोलना, तेज बोलना आपके किस गुण को बताता है।

तेजी से बोलने वाले व्यक्ति की खूबियां

तेजी से बोलने वाले व्यक्ति की खूबियां

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति बिना हिचकिचाहट के सामान्य रूप से और तेजी से सावधानी के साथ बोलता है, वह शारीरिक तौर पर भी काफी स्वस्थ रहते हैं और काफी हसमुख स्वभाव के होते हैं। ऐसे लोग काफी प्रसन्न रहते हैं और इनका व्यवहार काफी कुशल रहता है।

बिंदास होते हैं इस तरह से बातें करने वाले लोग

बिंदास होते हैं इस तरह से बातें करने वाले लोग आपने देखा होगा की कई लोग बहुत तेजी से बोलते हैं। ऐसा लगता है कि उनके शब्द काफी तेजी से दौड़ रहे हैं। ऐसे लोग काफी उत्साह पूर्ण व्यक्तित्व के होते हैं। इतना ही नहीं वह किसी विवाद में नहीं पड़ना पसंद करते हैं। हालांकि, ऐसे लोग कभी कभी थोड़े चिड़चिड़े हो जाते हैं। इस तरह से बातें करने वाले लोग आमतौर पर बिंदास होते हैं। जिंदगी में बहुत तनाव नहीं लेते हैं और जो होता बस कर डालते हैं।

हकलाकर बोलने वाले व्यक्ति का स्वभाव

बोलते समय हकलाना या शब्दों को लेकर अटक जाना यह बुध ग्रह के प्रतिकूल होने की वजह से हो सकता है। इस तरह से बोलने वाले लोगों में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। छोटी-छोटी बातें भी इनके दिल को छू जाती है। अटक-अटककर बोलने वाले लोगों की यह खूबी होती हैं कि यह अपना भरोसा नहीं खोना चाहते हैं और दिल के साफ होते हैं।

भारी आवाज वाले व्यक्ति की खूबियां

कई लोगों की आवाज काफी भारी होती है यानी बादलों की गरज की तरह। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे लोगों को अगर दूसरों पर हुकम चलाने दिया जाए तो वह संतुष्ट रहते हैं। वहीं, अगर इन लोगों की बात को काट दिया जाए तो वह क्रोध में आ जाते हैं। भारी आवाज गुरु के प्रभाव को भी दर्शाता है। इस तरह की आवाज वाले लोग साथ के लोगों पर अपना प्रभाव बनाने की कोशिश करते हैं।

दूसरों की बात काटने वाले व्यक्ति में खूबियां

दूसरों की बातो को बीच में काटकर अपना बातें शुरु कर देते हैं। समुपद्रशास्त्र के अनुसार ऐसे लोग थोड़े जिद्दी स्वभाव के होते हैं। हालांकि, ऐसे लोगों के पास काफी अच्छे विचार होते हैं। वहीं, अगर ऐसे लोगों के विचारों को तवज्जो न दी जाए तो वह बहुत नाराज हो जाते हैं।

समुद्रशास्त्र में बताया गया है कि जो लोग अस्पष्ट शब्दों में बोलते हैं ऐसे लोग काम के प्रति लापरवाह रहते हैं। जबकि ऐसे लोगों की खूबियां होती है कि यह सच्चे, ईमानदार और काफी संवेदनशील होते हैं।

तोते ने चौपाई सुना कर तुलसीदास को कराए थे श्रीराम के दर्शन

सतना। आपने राम भक्त हनुमान के कई रूप देखे होंगे जैसे पंचमुखी हनुमान, रुद्रमुखी हनुमान, दक्षिणमुखी हनुमान, एकमुखी हनुमान। लेकिन, क्या कभी आपने तोतामुखी हनुमान का रूप देखा है? अगर नहीं, उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में तोता मुखी हनुमान जी का प्रसिद्ध मंदिर है। मान्यता है कि तोतामुखी हनुमान को आम और बेर बेहद पसंद है। जो भी भक्त यहां आम और बेर का फल चढ़ाता हैं उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। यहां स्थित तोतामुखी हनुमान का मंदिर वो स्थान है जहां गोस्वामी तुलसीदास को भगवान रामचंद्र के दर्शन प्राप्त हुए थे। यह दर्शन तोतामुखी हनुमान के द्वारा गोस्वामी तुलसीदास को प्राप्त हुआ था।

इस बारे में तोतमुखी हनुमान मंदिर के पुजारी मोहित दास ने बताया कि यह गोस्वामी तुलसीदास का स्थान है। यहां पर तोता मुखी हनुमान जी के दर्शन मिलेंगे। यहां गोस्वामी तुलसीदास को भगवान श्रीराम के दर्शन प्राप्त हुए थे। यहां गोस्वामी तुलसीदास ने छह माह तक राम नाम का भजन किया था। एक दिन भगवान राम की भक्ति में लीन गोस्वामी तुलसीदास चंदन घिस रहे थे, तब प्रभु खुद उनके सामने आए और उनसे चंदन लगाने के लिए मांगने लगे, लेकिन गोस्वामी तुलसीदास भगवान को पहचान नहीं पा रहे थे। तब हनुमान जी ने देखा कि हमेशा की तरह आज फिर गोस्वामी तुलसीदास चंदन घिसने में मगन हैं। ऐसे में वो भगवान के दर्शन नहीं कर पाएंगे तो हनुमान जी भक्त और भगवान का मिलन करवाने के लिए तोते का रूप लिया। इसलिए यहां पर हनुमान जी का नाम तोतामुखी हनुमान पड़ा।

हनुमान जी ने तोते के रूप में तुलसीदास जी को एक दोहा सुनाया जो देश में नहीं पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। 'चित्रकूट के घाट में भय संतन की भीड़, तुलसीदास प्रभु चंदन घिसय तिलक देत रघुवीर'... जब तुलसीदास ने इस दोहे को मीठी वाणी में सुना तब उन्होंने अपने नेत्र खोले तो उन्हें भगवान श्रीराम के दर्शन हुए।

बता दें कि, चित्रकूट को भगवान राम की तपोभूमि माना जाता है।

यहां श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवासकाल के दौरान साढ़े 11 वर्ष से अधिक का समय बिताया था। चित्रकूट में भगवान राम के अनेक उद्गमस्थल पाए जाते हैं। यहां राम और उनके भक्त हनुमान से जुड़ी कई जगह हैं। इसके अलावा, भगवान राम नाम का स्मरण करने वाले गोस्वामी तुलसीदास को भी इसी चित्रकूट में प्रभु के दर्शन हुए थे। चित्रकूट 84 कोसीय तपोवन से घिरा हुआ है, यहां के कण-कण में श्रीराम बसे हुए हैं।

मोरपंख जो करे कई बड़े काम, नजर दोष से लेकर दूर भगाए घर से नकारात्मक ऊर्जा

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मोर पंख से किए जाने वाले कुछ उपाय ऐसे हैं, जो आपके जीवन से परेशानियों को दूर कर सकते हैं। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं मोर पंख से किए जाने वाले कुछ आसान से उपायों के बारे में।

गृह क्लेश से मुक्ति के लिए

यदि किसी व्यक्ति के घर में काफी दिनों से ग्रह क्लेश चल रहा है, तो ऐसे में उस व्यक्ति को अपने घर के मुख्य दरवाजे पर तीन मोर पंख लगाकर "ॐ द्वारपालाय नमः जाग्रय स्थापये स्वाहा" मंत्र लिखना चाहिए और भगवान गणेश की मूर्ति नीचे लगाना चाहिए। माना जाता है ऐसा करने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। साथ ही विषैले जीव जंतु थी घर में प्रवेश नहीं कर पाते।

दुश्मनों से मुक्ति के लिए

बजरंगबली के मस्तक पर लगा सिंदूर शनिवार और मंगलवार के दिन मोरपंख पर लगाएं और सुबह बिना मुंह धोए इसे किसी बहते हुए पानी में डाल दें। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से आपको अपने दुश्मनों से हो रही परेशानी दूर होगी।

वास्तुदोष निवारण के लिए

यदि आपको ऐसा लगता है कि आपके घर का वास्तु ठीक नहीं है या किसी प्रकार का कोई वास्तु दोष है, तो इसे ठीक करने के लिए अपने घर के आग्नेय कोण मतलब पूर्व और दक्षिण दिशा के बीच के स्थान में मोर का पंख लगाना चाहिए। इसके अलावा आप अपने घर के ईशान कोण पर भगवान कृष्ण की फोटो के साथ मोर पंख लगा सकते हैं। मान्यता के अनुसार ऐसा करने से घर का वास्तु दोष दूर हो सकता है।

ग्रहों के बुरे प्रभाव को कम करने के लिए

यदि आपकी कुंडली का कोई ग्रह आपको हानि पहुंचा रहा है या परेशान कर रहा है तो ऐसे में आप मोरपंख पर 21 बार उस ग्रह का मंत्र बोलकर पानी के छींटे दें और ऐसे स्थान पर रख दें जहां से यह दिखाई ना दे। मान्यता के अनुसार, ऐसा करने से ग्रह का गलत प्रभाव जल्द दूर होता है।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलना चाहते हैं तो घर में रखें ये प्यारी बिल्ली

फेंगशुई वास्तु का इस्तेमाल घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए किया जाता है। आजकल बाजार में बहुत से फेंगशुई के शो-पीस मिलते हैं, जिन्हें घर में रखकर सकारात्मक ऊर्जा का आगमन किया जा सकता है। लाफिंग बुद्धा, क्रिस्टल, कछुआ, विंड चाइम ऐसी बहुत सी वस्तुओं को घर में रखना लकी माना जाता है।

फेंगशुई की ये बिल्ली दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदलने के लिए बहुत ही शुभ और खास मानी जाती है।

आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए: अगर आर्थिक स्थिति को और भी ज्यादा बेहतर बनाना चाहते हो तो घर या ऑफिस में सुनहरे रंग की बिल्ली को रखें।

घर में सुख-समृद्धि बनाए रखने के लिए: घर की उत्तर-पूर्व दिशा में हरे रंग की मनी कैट रखनी चाहिए। कहते हैं इसे घर में रखने से खुशियां बनी रहती हैं।

गृह क्लेश से मुक्ति के लिए: घर में अगर लक्ष्मी का वास चाहते हैं तो शांति होना भी बहुत जरुरी है। कहते हैं जिस घर में क्लेश रहता है, वहां मां लक्ष्मी निवास नहीं करती इसलिए पति-पत्नी में प्रेम-प्यार बढ़ाने के लिए लाल रंग की बिल्ली को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

आर्थिक समस्या दूर करने के लिए: पैसों से जुड़ी किसी भी समस्या से जूझ रहें है तो कुबेर की दिशा यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में नीले रंग की बिल्ली रखनी चाहिए। ऐसा करने से हर समस्या दूर हो जाती हैं।

प्रेमिका से मिलने पहुंचा प्रेमी पीटा फिर चेहरा एसिड से जलाया

समस्तीपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। समस्तीपुर में 20 साल का एक युवक प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा। इस दौरान प्रेमिका के परिवारवालों ने युवक को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। इसके बाद युवक के चेहरे पर एसिड डाल दिया। युवक का चेहरा बुरी तरह से झुलस गया है और उसकी आंखें भी जल गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और युवक को रोसड़ा अस्पताल में भर्ती कराया। यहां से युवक के परिजनों ने उसे बेगूसराय ले गए। उसकी चिंताजनक स्थिति देख डॉक्टर ने पटना रेफर कर दिया।

आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल जिलाधिकारी बांदा नियुक्त

पीसीएस के साथ ही 13 आईपीएस के भी तबादले

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। यूपी में शनिवार को पांच आईएएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस दुर्गा शक्ति नागपाल को बांदा का जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही पीसीएस अफसरों के भी तबादले कर दिए गए हैं। आईएएस कृष्ण कुमार को सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद नियुक्त किया गया है। इसी तरह आईएएस दिव्य प्रकाश गिरि को स्टाफ ऑफिसर मुख्य सचिव के

पद पर तैनाती दी गई है। आईएएस संयुक्ता समद्दार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का आयुक्त नियुक्त किया गया है। आईएएस आनंद कुमार को सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद बनाया गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने स्कूल चलो अभियान का किया शुभारंभ

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को पुस्तकें भी भेंट की। कार्यक्रम में निपुण आकलन में उत्तीर्ण होने वाले बच्चों को भी सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में शिक्षक मैनुअल और कलेंडर का भी विमोचन किया। प्रदेश सरकार ने बीते चार वर्ष में स्कूल छोड़

चुके बच्चों को वापस स्कूल लाने का प्रयास किया है। इसके लिए स्कूल चलो अभियान चलाया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान और स्कूल चलो अभियान एक साथ शुरू होने का फायदा पूरे प्रदेश को मिलेगा इससे प्रदेश में भी परिवर्तन होगा। पिछली सरकारों ने बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बना दिया था। आज 90 फीसदी से ज्यादा स्कूल कायाकल्प अभियान में बदल गए हैं। मांटेसरी स्कूल बदल गए हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में सम्मानित लोगों को आगे किए जाने से स्कूलों का सीन बदल गया है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान में पांच करोड़ परिवार से संपर्क करेंगे। इसके तहत सफाई और रोग नियंत्रण आदि के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि आशावर्कर बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी का अभियान पूरे देश में सराहा गया है। अब पूरे देश में इसे चलाया जाएगा। इस अभियान में 10 विभाग लगाए गए हैं। सभी का समन्वय है। जापानी इंसेफलाइटिस का समापन हुआ है और अन्य बीमारियां भी कम हो रही हैं।

सरिया लदा ट्रक पलटा 2 मजदूर की मौत

जहानाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जहानाबाद में शनिवार की सुबह सरिया लदा ट्रक पलट गया। ट्रक में सवार 2 मजदूरों की मौके पर मौत हो गई। वहीं, इस घटना में ट्रक पर सवार 8 अन्य मजदूर घायल हो गए। घटना सुबह करीब 8 बजे एनएच - 83 पर मई हॉल्ट के पास हुई। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना पर एसडीपीओ मौके पर पहुंचे। हादसे में मनीष मांझी और पप्पू यादव की मौत हो गई। वहीं घायलों में पप्पू कुमार, जावेद अंसारी, अक्षर अंसारी, मितेश मांझी, सुधीर मांझी, कालेज मांझी, टुनटुन मांझी और प्रेमचंद मांझी शामिल हैं।

आरके विश्वकर्मा बने यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी

2 महीने में ये भी होंगे रिटायर, जानें इनकी प्रोफाइल

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने यूपी के नए कार्यवाहक डीजीपी के नाम की घोषणा की है। बता दें कि योगी सरकार ने आईपीएस अधिकारी आरके विश्वकर्मा को उत्तर प्रदेश का नया कार्यवाहक डीजीपी बनाया है। आरके विश्वकर्मा भी करीब 2 महीने ही इस पद पर बने रहेंगे, क्योंकि 2 महीने बाद वह भी रिटायर हो रहे हैं। बता दें कि इससे पहले डां। देवेंद्र सिंह चौहान यूपी के कार्यवाहक डीजीपी थे, जो बीते शुक्रवार को रिटायर हो गए थे।

कौन हैं आरके विश्वकर्मा

आरके विश्वकर्मा उत्तर प्रदेश के जौनपुर के रहने वाले हैं। इनका जन्म 1963 में जौनपुर में हुआ था। ये 1988 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। आरके विश्वकर्मा ने आईआईटी रुड़की से बीटेक और आईआईटी दिल्ली से एमएस किया है। इसके साथ ही उन्होंने आईआईटी दिल्ली से ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में पीएचडी की है।

कहां-कहां हुई नियुक्तियां

पुलिस अधिकारी प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद आरके विश्वकर्मा सहायक पुलिस अधीक्षक के पद पर प्रयागराज और लखनऊ भेजे गए। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक के पद पर मेरठ में इन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के तौर पर आरके विश्वकर्मा बस्ती, फतेहगढ़, नैनीताल में भी तैनात रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के तौर पर यह फैजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर में भी रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के तौर पर इनकी नियुक्ती एटा,प्रयागराज, मुरादाबाद, एसटीएफ, मैनपुरी, आगरा में भी हुई हैं।

ये जिम्मेदारी भी संभाली

पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत होकर आरके विश्वकर्मा पुलिस उपमहानिरीक्षक, लखनऊ रेंज, मेरठ रेंज, पीएसी मुरादाबाद के पद पर तैनात रहे। इस दौरान वह बीएसएफ नई दिल्ली में भी नियुक्त रहे। इसके बाद आरके विश्वकर्मा, पुलिस महानिरीक्षक सीआरपीएफ, पुलिस महानिरीक्षक कानून-व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक काननू-व्यवस्था, अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं, अपर पुलिस महानिदेशक एसआईटी, अपर पुलिस महानिदेशक पीएसी मुख्यालय जैसे अहम पदों पर भी नियुक्त रहे।

ये प्रशिक्षण प्राप्त किए

आरके विश्वकर्मा ने अपनी पुलिस सेवा के दौरान भी कई प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। इन्होंने दिल्ली से नेशनल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी का प्रशिक्षण और कम्प्यूटराइजेशन ऑफ पुलिस रिकार्ड एनसीआरबी का प्रशिक्षण प्राप्त किया है तो वहीं हैदराबाद से कम्प्यूटर एवं इंटरनेट क्राइम का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इसके साथ ही आरके विश्वकर्मा ने न्यूयॉर्क पुलिस के साथ इंडियन सिक्योरिटी कॉन्क्लेव में भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

आरके विश्वकर्मा ने ओवर फंक्शनिंग ऑफ इंटरनेशनल पुलिस टास्क फोर्स बोस्निया में भी ट्रेनिंग ली है। इसके साथ ही इन्होंने जापान पुलिस और इजराइल पुलिस के साथ भी प्रशिक्षण प्राप्त किया है। अपनी पुलिस सेवा के दौरान आरके विश्वकर्मा को कई मेडलों से सम्मानित किया जा चुका है, जिसमें से पुलिस मेडल एवं विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति पुलिस मेडल, बीएसएफ-सीआरपीएफ का प्रशंसा चिन्ह, पुलिस महानिदेशक उ प्र का प्रशंसा चिन्ह, प्लेटनम व अति उत्कृष्ट सेवा मेडल भी शामिल है।

निकाय चुनाव की अधिसूचना से पहले मनोनीत हो सकते हैं छह एमएलसी

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव की अधिसूचना से पहले भारतीय जनता पार्टी समाज के अलग-अलग वर्गों में संदेश देने के लिए एमएलसी पद के लिए 6 नाम राज्यपाल को प्रेषित कर सकती है। मनोनीत होने वाले एमएलसी के पद अभी विधान परिषद में रिक्त हैं। लंबा समय बीत चुका है। लेकिन, माना जा रहा है कि निकाय चुनाव में अलग-अलग वर्गों को संदेश देने के वास्ते भारतीय जनता पार्टी अब इस विषय में बहुत जल्द ही निर्णय लेने वाली है। छह प्रमुख नामों की चर्चा भी होने लगी है। इसमें प्रधानमंत्री के सलाहकार रहे नरेंद्र मिश्र के पुत्र, एक मुस्लिम नाम तारिक मंसूरी के अलावा एक दलित और दूसरे नामों पर चर्चा तेज हो गई है। वैसे पिछले करीब छह महीने से कई नामों की चर्चा मनोनीत एमएलसी को लेकर होती रही है। लेकिन, अब माना जा रहा है कि फाइनल लिस्ट तैयार है।भारतीय जनता पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि एमएलसी पद के लिए 3 नाम राज्यपाल को भेजे जा रहे हैं। इनमें रजनीकांत माहेश्वरी (पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष, ब्रज भाजपा), साकेत मिश्रा (पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य, नृपेंद्र मिश्र के पुत्र), लालजी प्रसाद निर्मल, तारिक मंसूरी, रामसुभग राजभर और हंसराज विश्वकर्मा इसमें शामिल हैं। इन चैनलों के जरिए न केवल भारतीय जनता पार्टी अलग-अलग वर्गों में जातिगत समीकरण साध लेकर चल रही है, बल्कि तारिक मंसूरी पर दांव खेलकर भारतीय जनता पार्टी मुस्लिम पसमानदा समाज की ओर डोरे डाल रही है। इससे पहले पिछले 6 महीने में एमएलसी पद पर कई नामों की चर्चा की जाती रही है। इसमें मालिनी अवस्थी, कुमार विश्वास, अपर्णा यादव और भारतीय जनता पार्टी से जुड़े अनेक नेताओं का नाम लिया जाता रहा है। लेकिन, अब माना जा रहा है कि यह फाइनल सूची है।

जिलाधिकारी को ट्रेनिंग की जरूरत, हमीरपुर डीएम को हाईकोर्ट से क्यों लगी फटकार

इलाहाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए हमीरपुर के जिलाधिकारी को तल्ख लहजे में फटकार लगाई है। हमीरपुर डीएम द्वारा एक ग्राम प्रधान के प्रशासनिक और वित्तीय अधिकार जब्त करने को लेकर मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हुई। इस दौरान हमीरपुर डीएम चंद्रभूषण त्रिपाठी को कोर्ट ने फटकार लगाई और कहा कि डीएम चंद्रभूषण को सही से ट्रेनिंग दिए जाने की जरूरत है। इस दौरान कोर्ट ने हमीरपुर के जिलाधिकारी द्वारा पारित आदेश रद्द किया और मुख्य सचिव से कहा कि वह डीएम को उचित प्रशिक्षण दिलाने की व्यवस्था करें। दरअसल, हमीरपुर जिले के सिमनौड़ी गांव की महिला प्रधान के करीब डेढ़ महीने पहले डीएम के आदेश पर वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज कर लिए गए थे। जिलाधिकारी ने इस मामले में कमेटी गठित करने का भी आदेश दिया था। जिसके खिलाफ महिला प्रधान ने हाईकोर्ट में अपील की थी। इस मामले पर अब हाईकोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए मुख्य सचिव को जिलाधिकारी चंद्रभूषण को प्रशिक्षण दिलाने के निर्देश दिए हैं। इतना ही नहीं आदालत ने इस आदेश को सेवा अभिलेखों के साथ रखने का भी आदेश दिया है। कोर्ट के आदेश की कॉपी मुख्य सचिव को भेजी गई है। जानकारी है कि पिछले साल अगस्त में सुमेरपुर ब्लाक के सिमनौड़ी गांव की महिला प्रधान रजनी वाल्मीकि के खिलाफ 11 में से 8 सदस्यों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। शिकायत के बाद 18 फरवरी को हमीरपुर डीएम के आदेश पर ग्राम प्रधान रजनी के पावर सीज कर कमेटी गठित कर दी गई थी।

पिता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ खुलकर सामने आईं सांसद संघमित्रा मौर्य, तस्वीरें बनी गवाह

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में निकाय चुनाव का एलान जल्द होने वाला है। वहीं दो सीटों पर उपचुनाव का एलान बीते दिनों हो चुका है। जबकि अगले साल लोकसभा चुनाव भी होने वाले हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ बदायूं से बीजेपी (बीजेपी) सांसद संघमित्रा मौर्य ने मोर्चा संभाल लिया है। दरअसल, बीते 29 मार्च को दिल्ली में बीजेपी के राष्ट्रीय ओबीसी मोर्चा द्वारा ओबीसी सांसदों की बैठक वेस्टर्न कोर्ट में आयोजित की गई थी। बीजेपी की ये बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में की गई थी। इसमें बीजेपी पिछड़े वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा० लक्ष्मन भी

शामिल हुए थे। इसी बैठक में बीजेपी सांसद संघमित्रा मौर्य ने भी हिस्सा लिया। खास बात ये है कि यूपी में सपा का खास फोकस ओबीसी वोटर्स पर रहा है।

सपा के खिलाफ होगा मिशन

बीते दिनों कोलकाता में हुए सपा के राष्ट्रीय अधिवेशन की तस्वीरों के बाद ओबीसी फैक्टर को भूनाने की चर्चा काफी जोर शोर से उठी है। लेकिन अब बीजेपी के बैठक की तस्वीरें खुद संघमित्रा मौर्य ने शेयर कर दी है। जिसमें बीजेपी सांसद के अलावा जेपी नड्डा और डा। लक्ष्मन नजर आ रहे हैं। इसके बाद अब चर्चा शुरू हुई है कि पिता स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ बेटी संघमित्रा मौर्य खुलकर सामने आ गई हैं। जिसकी गवाही सांसद द्वारा शेयर की गई तस्वीरें दे रही हैं। बता दें कि रामचरितमानस विवाद के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ बेटी संघमित्रा मौर्य को लेकर तमाम तरह की अटकलें चली थीं। हालांकि संघमित्रा मौर्य ने दावा करते हुए कहा था, मैं आगामी लोकसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट पर बदायूं से दोबारा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हूं। अगला लोकसभा बदायूं से ही लड़ेंगे। बदायूं में हम लगातार बने हुए हैं, लगातार काम कर रहे हैं।

प्रयागराज की संजय मार्केट में भीषण आग, 25 दुकानें आईं चपेट में

प्रयागराज, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज में शनिवार सुबह नेहरू कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक आग की चपेट में 200 दुकानें आई हैं। इनमें 25 दुकानें पूरी तरह से जल गई हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत कर रहे हैं।

लेकिन अभी तक आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। पूरे इलाके में धुआं फैल रहा है। कांम्प्लेक्स में कपड़े और प्लास्टिक के सामान की दुकानें है। शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगने की बात सामने आ रही है। फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां आग बुझाने में लगी हुई हैं।

यूट्यूब से सीखकर बना रहे थे नकली नोट

49 हजार की नकली करेंसी के साथ 3 गिरफ्तार

शाहजहांपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शाहजहांपुरः जिले में एसओजी और पुलिस टीम ने नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने 3 अभियुक्त को गिरफ्तार कर 49 हजार के नकली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर और अधबने नोट बरामद किए। तीनों अभियुक्त किराए के कमरे में नकली नोट तैयार कर रहे थे। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया। एसपी एस आनंद ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इलाके में नकली नोट बनाने का गैंग सक्रिय है। इसके बाद एसओजी और पुलिस टीम ने जलालपुर से नकली नोटों के साथ सचिन और अखिलेश नाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 100 रुपये के 42 हजार कीमत की नकली नोट मिले। इसके बाद पुलिस ने एक किराए के मकान पर छापा मारा। जहां से पुलिस ने विवेक मौर्य नाम के युवक को गिरफ्तार किया। इसके पास से 7 हजार के नकली नोट बरामद हुए। तीनों अभियुक्तों के पास से पुलिस को कुल 49 हजार नकली नोट बरामद हुए। एसपी के अनुसार, पूछताछ करने पर पता चला कि पकड़े गए लोगों ने इंटरनेट के जरिए यूट्यूब से नकली नोट बनाने का तरीका सीखा था। इसके बाद एक किराए का कमरा लेकर, वहां नकली नोट तैयार करते थे। बाजार में नोटों को खपाते थे। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वो शाहजहांपुर के किराये के मकान मे लैपटाप, प्रिन्टर और प्रिन्टिंग मैटिरियल से एकत्र कर नकली नोट तैयार करते थे।

गया में महिला और बच्ची का मिला शव

ऑनर किलिंग में मां-बेटी की हत्या की आशंका, पहचान में जुटी पुलिस

गया, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गया में शनिवार की सुबह खेत में एक साथ दो शव मिले। मामला आंती थाना अंतर्गत तिनेरी गांव का है। एक ही जगह पर महिला (35) और बच्ची (10) का शव मिला है। ग्रामीणों ने शव देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लिया और पोस्मार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिया। दोनों शवों की पहचान अभी तक नहीं हुई है। लेकिन पुलिस के मुताबिक आशंका जताई जा रही है कि प्रथम दृष्टया दोनों मां-बेटी लग रही है। ऑनर किलिंग में हत्या की गई हो सकती है।

'देश में 'गजवा-ए-हिंद' बर्दाश्त नहीं' गिरिराज सिंह ने कहा

सनातन ने सम्मान किया, बदले में घाव मिला

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सासाराम और नालंदा में नवरात्रि की शोभायात्रा के दौरान पथराव और आगजनी की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि सनातन ने सभी धर्मों का सम्मान किया है। बावजूद इसके सनातन को असंख्य घाव दिए गए। देश में 'गजवा-ए-हिंद' की तैयारी हो रही है, लेकिन अब यह देश इसे बर्दाश्त करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि कभी भी हिन्दू समाज के लोगों ने उनके ताजिया पर पथराव नहीं किया। कभी

ताजिया का रास्ता नहीं रोका। लेकिन जैसे ही हनुमान जयंती, रामनवमी की बात आती है, ये लोग उपद्रव शुरू कर देते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब बहुत हो गया है। देश और देश के लोग अब इसे किसी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि नालंदा सासाराम में शांति पूर्वक शोभायात्रा निकल रही थी। लोग भगवान के जयकारे लगा रहे थे। यह बात दूसरे लोगों को खटक गई और उन लोगों ने ना केवल इसका विरोध किया, बल्कि शोभायात्रा पर पथराव शुरू कर दिया। उन्होंने इस घटना को हिन्दू आस्था और सनातन पर चोट बताया। कहा कि अब चीजें बर्दाश्त के बाहर हो रही हैं और इसका भी जवाब मिलेगा। इसी के साथ उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। बता दें कि बिहार के नालंदा और सासाराम में शुक्रवार को रामनवमी पर्व पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने शोभायात्रा का रास्ता रोकने की कोशिश की। विरोध करने पर लोगों ने पथराव किया। इस दौरान पुलिस पहुंची तो लोगों ने पुलिस पर भी पत्थर फेंके और गाड़ियों में तोड़फोड़ की। इस घटना को लेकर राज्य सरकार ने दंगाईयों से कड़ाई से निपटने के निर्देश देते हुए दोनों जिलों के डीएम और एसडीपीओ से विस्तृत जांच रिपोर्ट तलब की है। उधर, बंगाल, गुजरात और झारखंड से भी रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान दंगा भड़कने की सूचना है। गुजरात और झारखंड में तो पुलिस ने दंगा नियंत्रित भी कर लिया है, लेकिन बंगाल में अभी रह रहकर बवाल जारी है। इन घटनाओं को लेकर राजनीति भी तेज हो गई है। एक तरफ बीजेपी ने इसे राम पर हमला करार देते हुए मुखर विरोध किया है। वहीं संबंधित राज्य सरकारें इसे महज राजनीति बता रही हैं। दावा कर रही है उपद्रवी तत्वों के साथ सख्ती बरती जा रही है।

मथुरा की जामा मस्जिद के पास भगवा झंडा लहराने के आरोप में चार गिरफ्तार

आगरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा निकाले जाने के दौरान चौक बाजार स्थित जामा मस्जिद के बाहर बनी दुकानों पर भगवा झंडा फहराकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने के आरोप में पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि गुरुवार को राम जन्म महोत्सव समिति द्वारा घीयामण्डी क्षेत्र स्थित प्राचीन राम मंदिर से निकाली गई शोभायात्रा चौक बाजार चौराहे पर पहुंची तभी एक वाहन पर सवार कुछ युवक जामा मस्जिद के बाहर बनी दुकानों की छत पर चढ़ गए और वहां भगवा झंडा फहरा दिया। शोभायात्रा में शामिल युवकों ने जब जामा मस्जिद के बाहर की दुकानों पर भगवा झंडा फहराया तो कुछ लोगों ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो वायरल हो गया। इस घटना से दूसरे समुदाय के लोगों में रोष फैल गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पांडेय और पुलिस अधीक्षक (नगर) मार्तंड प्रकाश सिंह तुरंत भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शांतिपूर्ण माहौल में शोभायात्रा को संपन्न कराया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना के तुरंत बाद मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया और वीडियो फुटेज के आधार पर आरोपी युवकों काव्य, हनी, राजेश और दीपक को शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह का होगा सर्वे, 17 अप्रैल तक कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

मथुरा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मथुरा में श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले को लेकर न्यायालय के समक्ष कई बाद दाखिल हो चुके हैं। साथ ही उनमें लगातार सुनवाई भी की जा रही है। वहीं श्री कृष्ण जन्मभूमि पर बनी शाही ईदगाह मस्जिद को उठाने को लेकर ही सभी बाद दाखिल किए गए हैं। सभी वादों में एक ही बात तो जिक्र किया गया है कि शाही ईदगाह मस्जिद अवैध रूप से बनाई गई है। कोर्ट द्वारा इस पर लगातार सुनवाई की जा रही है। लेकिन श्री कृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में 29 मार्च को हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के दावे पर कोर्ट द्वारा एक अहम आदेश दिया गया, जिसमें मथुरा न्यायालय की सिविल सीनियर डिविजन फास्ट्रैक द्वारा अमीन सर्वे के आदेश दिए गए। जिसके बाद उसे हिंदू पक्ष में खुशी की लहर दौड़ी हुई है। क्योंकि कोटद्वारा सभी के लिए अमीन भेजा जाएगा जिससे कि जो सर्वे किया जाएगा उसके बाद उसकी रिपोर्ट 17 अप्रैल तक मथुरा कोर्ट में दाखिल करनी है। 29 मार्च को आदेश पारित हो जाने के बाद आज हिंदू पक्ष वादी विष्णु गुप्ता द्वारा आदेश की कॉपी जारी की गई जिसमें अमीन सर्वे के बारे में लिखा हुआ था। साथ ही अब कोर्ट द्वारा अमीन सर्वे विवादित स्थल का निरीक्षण करने जाएगा और 17 अप्रैल तक कोर्ट में व्याख्या नक्शा सहित दाखिल करेगा। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए वादी विष्णु गुप्ता ने बताया कि मथुरा की सीनियर सिविल डिवीजन फास्ट्रैक द्वारा 29 मार्च को अमीन सर्वे के आदेश दे दिए गए थे। जिसके बाद अब ऑर्डर की कॉपी सामने आई है। साथ ही प्रतिवादी पक्ष को भी ऑर्डर की कॉपी दे दी गई है। अब देखना होगा कि अमीन द्वारा सर्वे कब और किस प्रकार किया जाता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसे हिंदू समुदाय के लोगों की पहली जीत के तौर पर देखा जा रहा है। सभी हिंदू लोग चाहते थे कि विवादित स्थल का सर्वे हो और अब जिसको लेकर कोर्ट ने आदेश दिया है।

मौसम का यू-टर्न, गिरा तापमान; पटना, मुजफ्फरपुर सहित 20 जिलों में आंधी-पानी की चेतावनी

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पटना समेत प्रदेश के कई हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ कई जिलों में बूंदाबांदी से मौसम सुहाना हो गया है। तापमान में भी गिरावट आई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना ने प्रदेश के 20 जिलों में आंधी-पानी को लेकर चेतावनी दी है। उत्तर बिहार में मुजफ्फरपुर समेत कुछ जिलों में तेज हवा के साथ ओलावृष्टि की भी संभावना है। शुक्रवार को पटना के अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री नीचे रहा। यहां का

अधिकतम तापमान 29,1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, 33,8 डिग्री सेल्सियस के साथ सुपौल में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के अनुसार, एक चक्रवाती परिसंचरण का क्षेत्र मध्य उत्तर प्रदेश व इसके आसपास में बने होने के साथ ट्रफ रेखा पश्चिम बंगाल से गांगेय हिमालय होते हुए उत्तरी ओडिशा की ओर बना है। इनके प्रभाव से मौसम में बदलाव के आसार है। मौसम में हुए बदलाव के कारण लोगों को अगले दो-तीन दिनों तक गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। इसके बाद तापमान में वृद्धि होने से गर्मी का प्रवाह बढ़ेगा। इस दौरान तेज हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने का पूर्वानुमान है। इन मौसमी प्रभावों को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कैमूर के अलग-अलग स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई। भभुआ में 3,8 मिमी, रामपुर में 2,2 मिमी, अधवारा में दो मिमी, कुदरा में दो मिमी, चांद में 1,8 मिमी और मोहनिया में 1,4 मिमी वर्षा दर्ज की गई।

एलपीजी की कीमत, टोल टैक्स पर छूट एक अप्रैल से हो रहे हैं ये 10 बड़े बदलाव

आपकी जेब पर पड़ेगा कितना असर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आज एक अप्रैल है और नया वित्त वर्ष भी शुरू हो गया है। आज से कई नियमों में बदलाव हो रहा है। एक अप्रैल से टैक्स स्लैब में बदलाव होने के साथ ही एलपीजी सिलेंडर के दाम में भी बदलाव हुआ है। आइये जानते हैं कि आज से क्या-क्या बदलाव होने जा रहे हैं। बजट 2023 पेश करने के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नए टैक्स रिजीम से संबंधित घोषणा की थी। इसमें 7 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स छूट भी शामिल है। आज से ये बदलाव शुरू हो रहा है और टैक्स छूट का फायदा आम जनता को मिलने लगेगा। 1 अप्रैल से सिलेंडर के दामों में बदलाव हुआ है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 91.50 रुपए की कमी आई है। जबकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अब कमर्शियल गैस सिलेंडर

कीमत 2028 है। जानिए अन्य शहरों में कीमत एक अप्रैल से हाई प्रीमियम वाले इंश्योरेंस से होने वाली कमाई पर भी टैक्स का ऐलान किया गया है। यदि आपके इंश्योरेंस का सालाना प्रीमियम 5 लाख रुपए से ज्यादा है तो उसकी कमाई पर टैक्स लगेगा। अभी तक यह भी टैक्स फ्री होता था। वित्त मंत्री के बजट भाषण के अनुसार एक अप्रैल से ई गोल्ड को फिजिकल गोल्ड और फिजिकल गोल्ड को ई गोल्ड में कनवर्ट कराने पर कोई कैपिटल गेन टैक्स नहीं देना पड़ेगा। 1 अप्रैल से आभूषणों की बिक्री से संबंधित नियम में भी बदलाव हुआ है। अब 4 अंकों के हॉलमार्क यूनीक आईडेंटिफिकेशन वाले आभूषणों की बिक्री पर रोक लग गई है। अब हॉलमार्क एचयूआईडी 6 अंक वाले होंगे। हालांकि पुरानी ज्वैलरी आप बेच सकते हैं। 1 अप्रैल के बाद अब लग्जरी गाड़ी खरीदना महंगा होने वाला है। देश में बीएस 6 का पहला स्टेज खत्म हो गया और दूसरा स्टेज शुरू होने वाला है। कारों के नए नियमों को अपडेट करने के लिए ऑटो कंपनियां ग्राहकों के लिए रेट बढ़ा सकती हैं। 1 अप्रैल से दिल्ली – मेरठ एक्सप्रेस पर सफर करना भी महंगा होगा। दरअसल नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने टोल की दरों में 10 फ़ीसदी की बढ़ोतरी की है। ये 1 अप्रैल से प्रभावी होंगी। बजट भाषण के दौरान वित्त मंत्री ने सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम में निवेश कैप को 15 लाख से बढ़ाकर 30 लाख करने का ऐलान किया था। साथ ही पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम स्कीम के लिए सिंगल अकाउंट होल्डर की लिमिट भी 9 लाख कर दी गई थी। 1 अप्रैल से जरूरी दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। पेन किलर, एंटीबायोटिक और कार्डियक की दवाएं महंगी हो रही है। 12 से 15 फीसदी तक कीमतें बढ़ेंगी। अप्रैल महीने में 16 बैंक छुट्टियां पड़ेंगी यानी 16 दिन बैंक बंद रहेंगे। हालांकि छुट्टियों के दिन भी ऑनलाइन काम कर सकेंगे।

मुंबईकरों को झटका, आज से बढ़ गए बिजली के दाम

जानें कितना बढ़ेगा आपका इलेक्ट्रिसिटी बिल

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के लोगों को आज महंगाई का तगड़ा झटका लगा है क्योंकि यहां बिजली के दाम आज से बढ़ चुके हैं।मुंबई में बिजली के दाम में आज एक अप्रैल 2023 से 5 से 10 फीसदी तक बढ़ गए हैं। इस तरह गर्मियों के आने से पहले से ही मुंबईकरों को एसी-कूलर-पंखा चलाने पर बढ़े बिजली बिल की चिंताओं से जूझना होगा। आज एक अप्रैल 2023 यानी नए वित्त वर्ष की शुरुआत से ही मुंबई में पावर कंजम्पशन यानी बिजली का इस्तेमाल महंगा पड़ने वाला है।मुंबई के रेसीडेंशियल कंज्यूमर्स के लिए पावर कंपनियों ने 5 से 10 फीसदी का इजाफा पावर टैरिफ में कर दिया है। महाराष्ट्र इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने ये घोषणा की है कि आज से मुंबई में बिजली की दरों में 5 से 10 फीसदी तक का इजाफा किया जा रहा है।

टाटा पावर, बेस्ट, अडानी इलेक्ट्रिसिटी और एमएसईडीसीएल के ग्राहकों को आज से बिजली के बढ़े हुए बिल के लिए तैयार रहना होगा।ये दरें वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तय की गई हैं। दरअसल पावर कंपनियों ने काफी पहले ही इलेक्ट्रिसिटी टैरफ बढ़ाने का प्रस्ताव रखा था। इसके पीछे वजह बताई गई थी कि फ्यूल एडजस्टमेंट चार्ज का बढ़ा हुआ बोझ और कोरोनोकाल में हुए नुकसान को पाटने के लिए पावर कंपनियों को अपनी बिजली दरों में बढ़ोतरी करने की जरूरत है। एमएसईडीसीएल के ग्राहक जानें एमएसईडीसीएल के ग्राहकों को साल 2023-24 और 2024-35 में 6 फीसदी ज्यादा दाम बिजली के लिए देने पड़ सकते हैं। श्रेष्ठ के ग्राहकों के लिए 2023-24 में 6.19 फीसदी और साल 2024-25 में 6.7 फीसदी का इजाफा बिजली दरों में हो सकता है।

इस हफ्ते सोने-चांदी में शानदार तेजी:60 हजार के करीब पहुंचा सोना, चांदी 71 हजार के पार निकली

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में शानदार तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 27 मार्च को सोना 59,003 रुपए पर था जो अब 1 अप्रैल को 59,751 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 748 रुपए बढ़ी है। सोना इस समय अपने ऑल टाइम हाई पर है।

65 हजार तक जा सकता है सोना

केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया के मुताबिक, सोने में 2020 से शुरू सुपर साइकिल अब भी जारी है। इस साल सोना 62,000 तक पहुंचने का अनुमान था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में ये 64,000 तक पहुंच सकता है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के कारण सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 65 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

71 हजार के पार हुई चांदी

आईबीजेए की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते चांदी में 2 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 69,580 रुपए पर थी जो अब 71,582 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 2,002 रुपए बढ़ी है।

आज से सिर्फ छह डिजिट वाले हॉलमार्क सोने के आभूषणों की बिक्री होगी

नए नियम के तहत एक अप्रैल यानी आज से छह डिजिट वाले अल्फान्यूमेरिक हॉलमार्किंग के बिना सोना नहीं बिकेगा। जैसे आधार कार्ड पर 12 अंकों का कोड होता है, उसी तरह से सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड होगा। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- एजेड4524। इस नंबर के जरिए ये पता करना संभव होगा कि कोई सोना कितने कैरेट का है। देशभर में सोने पर ट्रेड मार्क देने के लिए 940 सेंटर बनाए गए हैं। अब चार डिजिट वाली हॉलमार्किंग पूरी तरह बंद हो जाएगी।

दुनिया में भारतीय रुपये ने सिक्का जमाया मलेशिया भी व्यापार में करेगा स्वीकार

35 देश पहले ही दे चुके हैं मंजूरी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और मलेशिया के बीच हमेशा से ही घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध रहा है। दोनों ही देशों के बीच समय-समय पर उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन भी होता है। ये दोनों ही राष्ट्र आसियान समूह में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। व्यापार के मामले में भी दोनों देशों के बीच काफी अच्छा संबंध रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय से भारत मलेशिया के बीच व्यापार को लेकर एक अहम जानकारी दी है। यह जानकारी दोनों देशों के होने वाले व्यापार के मुद्रा से जुड़ा है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि दोनों देशों के बीच होने वाला व्यापार अब अन्य मुद्राओं के अलावा रुपये में हो सकता है। बता दें कि भारत के साथ अबतक 35 देशों ने रुपयों में व्यापार करने में अपनी रूचि दिखा चुके हैं। इसमें रूस के अलावा भारत के पड़ोसी देश म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल भी शामिल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मांग सबसे अधिक है। अभी तक भारत अपने हर चीज के लिए डॉलर में भुकतान करता है। इसके लिए भारत की तरफ से हर साल अरबों डॉलर खर्च होता है।यदि भारत भी आयात की जाने वाली चीजों का भुकतान रुपय के माध्यम से किया जाए तो डॉलर की निर्भरता को कम किया जा सकता है।

मार्च में 1.60 लाख करोड़ रुपये से अधिक का जीएसटी कलेक्शन

अब तक का दूसरा सबसे ज्यादा जीएसटी संग्रह

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी कलेक्शन से सरकार की झोली भर गई है।मार्च 2023 में जीएसटी का संग्रह काफी अच्छा रहा है।मार्च 2023 में देश का जीएसटी संग्रह 1,60,122 करोड़ रुपये का रहा है।ये जीएसटी के इतिहास का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा कलेक्शन है।गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन के लिहाज से बीते वित्त वर्ष का आखिरी महीना काफा शानदार रहा है।ये देश में जीएसटी के इतिहास का अब तक का दूसरा सबसे बड़ा राजस्व संग्रह है और अप्रैल 2022 के बाद से दूसरे स्थान का सर्वाधिक बड़ा जीएसटी कलेक्शन साबित हुआ है।मार्च 2023 के जीएसटी कलेक्शन में ये खास बात है कि लगातार 14 महीनों से ये 1.4 लाख करोड़ रुपये के ऊपर बना हुआ है।वहीं जब से जीएसटी देश में लागू किया गया है तब से ये दूसरा ऐसा मौका है जब जीएसटी संग्रह 1.6 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का रहा हो।साल दर साल आधार पर जीएसटी रेवेन्यू में 13 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।पूरे वित्त वर्ष 2022-23 की बात की जाए तो इसमें कुल 18.10 लाख करोड़ रुपये का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन रहा है।इसके आधार पर मासिक जीएसटी कलेक्शन का आंकड़ा औसत तौर पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का बैठता है।वित्त वर्ष 2022-23 में जीएसटी का ग्रॉस रेवेन्यू इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 22 फीसदी अधिक रहा है।ग्रॉस जीएसटी रेवेन्यू मार्च में 1,60,122 करोड़ रुपये का रहा है और इसमें से सीजीएसटी का योगदान 29,546 करोड़ रुपये का रहा है।एसजीएसटी का आंकड़ा 37,314 करोड़ रुपये का रहा और आईजीएसटी का योगदान 82,907 करोड़ रुपये का रहा जिसमें से (42,503 करोड़ रुपये का कलेक्शन वस्तुओं के आयात से आया) है। और इसमें सेस 10,355 करोड़ रुपये रहा है (इसमें 960 करोड़ रुपये वस्तुओं के आयात से) आया है।

क्या है इस बार खास बात

बीते वित्त वर्ष के लिए ये चौथा मौका रहा है जब ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन ने 1.5 लाख करोड़ रुपये के रेवेन्यू संग्रह का आंकड़ा पार किया हो।ये जीएसटी के लागू होने के बाद से दूसरा सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन है।इतना ही नहीं मार्च 2023 के महीने में ही अब तक का सबसे ज्यादा आईजीएसटी कलेक्शन देखा गया है।

मार्च 2023 का जीएसटी रेवेन्यू इससे पिछले वित्त वर्ष के समान महीने की तुलना में 13 फीसदी ज्यादा रहा है।इस महीने के दौरान गुड्स के इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 8 फीसदी ज्यादा रहा है।वहीं घरेलू ट्रांजेक्शन (सर्विसेज का आयात शामिल) भी इससे पिछले वित्त वर्ष के समान महीने के दौरान 14 फीसदी ज्यादा रिकॉर्ड किया गया है।

अब आएगा चिप वाला ई-पासपोर्ट, शुरुआत मई से

4.5 करोड़ बुकलेट प्रिंटिंग का ऑर्डर, पहले साल 70 लाख छपेंगी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पासपोर्ट इलेक्ट्रॉनिक होगा। यह ई-पासपोर्ट कहलाएगा। बुकलेट में चिप लगी होगी, जिसमें आपका पूरा ब्योरा इलेक्ट्रॉनिक रूप में दर्ज होगा। इसे कंप्यूटर सेंसर के पास लाने से ब्योरा स्क्रीन पर खुल जाएगा। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि ई-पासपोर्ट का पायलट प्रोजेक्ट मई में शुरू होगा। पायलट प्रोजेक्ट में 10 लाख ई-पासपोर्ट जारी करने का लक्ष्य है। शुरुआत के लिए अभी ऐसे सेवा केंद्रों को चुना जा रहा है, जहां कम पासपोर्ट जारी होते हैं, ताकि भीड़भाड़ वाले केंद्रों पर काम प्रभावित न हो। आने वाले समय में सिर्फ ई-पासपोर्ट मिलेंगे। इनसे यात्रा सुगम होगी। इससे इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के मानक अपनाने वाले 70 देशों में भारतीयों को इमिग्रेशन संबंधी आसानी होगी।

पुराने पासपोर्ट भी अपग्रेड करने पड़ेंगे

विदेश मंत्रालय के अफसरों के अनुसार, पुरानी पासपोर्ट बुकलेट को भी चिप वाले पासपोर्ट में बदला जाएगा। उसके लिए अभी आवेदन के तरीके तय किए जा रहे हैं। नई बुकलेट बनने का काम शुरू हो चुका है। देश में 10 करोड़ लोगों के पास पासपोर्ट हैं। भविष्य में ये सभी ई-पासपोर्ट में बदले जाएंगे। चिप वाली बुकलेट की प्रिंटिंग भारतीय प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक में की जा रही है। कुल 4.5 करोड़ बुकलेट का ऑर्डर दिया गया है। ये अगले 4-5 साल की जरूरत के हिसाब से हैं। पहले साल के लिए विदेश मंत्रालय ने 70 लाख बुकलेट प्रिंट करने का लक्ष्य तय किया है।

दावा... फर्जी तरीके से पासपोर्ट बनने रुकेंगे

ई-पासपोर्ट राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अहम है। पासपोर्ट अफसरों ने बताया कि फेक पासपोर्ट बनाना अब लगभग नामुमकिन हो जाएगा। भारत विरोधी गतिविधियों में लिप्त उन लोगों के मंसूबे नाकाम होंगे, जो नकली भारतीय पासपोर्ट पर यात्राएं करते हैं।

अब नहीं मिलेगी मारुति की सबसे सस्ती कार

कंपनी ने बंद किया ऑल्टो 800 का प्रोडक्शन, जानें इसके फैमिली कार बनने का सफर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी सबसे पॉपुलर एंट्री लेवल कार ऑल्टो 800 (अल्टो 800) को बंद कर दिया है। कंपनी ने अभी कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की है, लेकिन इंडिया टुडे की रिपोर्ट में बताया गया है कि ऑटोमेकर कंपनी ने हैचबैक सेग्मेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली कार के प्रोडक्शन को रोक दिया है। अब एंट्री लेवल सेग्मेंट में मारुति के लाइनअप में ऑल्टो क10 मिलेगी। कंपनी हाल ही में ऑल्टो 800 के स्टैंडर्ड, एलएक्सआई और एलएक्सआई सीएनजी वैरिएंट को बंद कर दिया था। ऑल्टो साल 2000 से मार्केट में है। कंपनी ने 2010 तक कार की 18,00,000 यूनिट्स बेची गई हैं। इसके बाद ऑल्टो क10 को भारतीय बाजार में लॉन्च किया था। साल 2010 से अब तक कंपनी ने ऑल्टो 800 की 17,00,000 यूनिट और ऑल्टो क10 की 9,50,000 यूनिट बेची हैं। यह लंबे समय से देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली हैचबैक बनी हुई है। यहां हम आपको ऑल्टो 800 सफल होने की कहानी बता रहे हैं...रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी बीएस 6 फेज-2 नॉर्म्स का अनुसार ऑल्टो 800 को अपग्रेड करने के लिए निवेश नहीं करना चाहती, इसलिए इसका कार का प्रोडक्शन बंद कर दिया है। अब कंपनी स्टॉक में बची हुई यूनिट्स ही बेचेगी। ऑल्टो 800 का प्रोडक्शन बंद करने के पीछे का एक कारण ऑल्टो क10 (अल्टो क10) की मांग का बढ़ना भी माना जा रहा है। कंपनी ने फैसला लिया है कि हमें ऑल्टो 800 को बंद कर देना चाहिए और एंट्री लेवल हैचबैक सेगमेंट में ऑल्टो क10 उसका मुख्य मॉडल होगा।

भारत सरकार लोगों की सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए कार को ज्यादा सेफ बनाने पर जोर दे रही है। ऐसे में नितिन गडकरी ने कार में 6 एयरबैग के नियम को जरूरी कर दिया है। वहीं भारत में जल्द ही कारों का क्रैश टेस्ट भी किया जाएगा। इसके लिए भारत एनसीएपी का शुरुआत हो रही है। ऐसे में कार कंपनियों के सामने इन छोटी हैचबैक में 6 एयरबैग लगाने की चुनौती बढ़ गई है।

फीचर-रिच प्रोडक्ट्स ज्यादा पसंद कर रहे भारतीय,प्रीमियम प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी

टीवी, फ्रिज, लैपटॉप, फोन, जूते 18% तक महंगे

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अब लोग प्रीमियम प्रोडक्ट्स ज्यादा खरीद रहे हैं। देश के ज्यादातर ग्राहक फीचर-रिच प्रोडक्ट्स पसंद कर रहे हैं। इसकी वजह से एक साल में टीवी, फ्रिज, लैपटॉप, स्मार्टफोन और जूते जैसे प्रोडक्ट्स के औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) 18% तक बढ़ गए हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ये ग्रोथ एंट्री से मिड-लेवल सेगमेंट के उन प्रोडक्ट्स की बिक्री बढ़ने का नतीजा है, जो अपनी-अपनी श्रेणियों की कुल बिक्री में 70-80% हिस्सेदारी रखते हैं। रिसर्च फर्म आईडीसी के मुताबिक, 2022 में स्मार्टफोन का एएसपी 18% बढ़कर 18,450 रुपए हो गया। 41,200 रुपए से ज्यादा दाम के फोन की ग्रोथ सबसे अधिक रही। जीएफ्के इंडिया के मुताबिक, लैपटॉप की औसत कीमत 9%, टीवी की 4% और अप्लायंसेस की 4-6% बढ़ी है। बाटा इंडिया के मुताबिक, 2,000 रुपए एएसपी वाले स्नीकर्स, हश पपीज के 4,000 रुपए एएसपी वाले जूते व कोमफिट के 2,100 रुपए एएसपी वाले जूतों की बिक्री बढ़ी है।

दूसरी तरफ दिसंबर तिमाही की कुल बिक्री में 1,000 रुपए से कम कीमत वाले प्रोडक्ट्स की बिक्री 10% घटी है।जीएफके इंडिया के हेड ऑफ मार्केट इंटेलिजेंस के अनंत जैन बताते हैं कि आम लोग प्रीमियम प्रोडक्ट्स पसंद कर रहे हैं। सुविधा के साथ ही फीचर-रिच प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ी है। ये खरीदारी के पैटर्न में आ रहे बदलाव का संकेत है। अपैरल और फैशन में भी प्रीमियम प्रोडक्ट्स को तरजीह दी जा रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन...	05-16 बजे
चंद्र-	सिंह	में	मेष--	06-52 बजे
मंगल	मिथुन	में	वृष--	08-37 बजे
बुध-	मेष	में	मिथुन..	10-39 बजे
गुरु-	मीन	में	कर्क...	12-49 बजे
शुक्र-	मेष	में	सिंह...	15-02 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-09 बजे
राहु-	मेष	में	तुला	19-14 बजे
केतु-	तुला	में	वृश्चिक.	21-23 बजे
			धनु.....	23-37 बजे
			मकर..	01-44 बजे
			कुंभ...	03-34 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- पश्चिम - पान खाकर घर से निकले
तिथि- **द्वादशी - 06 -24** सम्पूर्ण है
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , रविवार **April 02**
नक्षत्र -मघा - **07 -23** सम्पूर्ण है
योग - शूल - **03 - 20** - तक उप - गण्ड
करण- बव - **17 - 24** - तक उप- बालव
विशेष:- कामदा एकादशी व्रत निम्बा
व्रत -त्योहार -विष्णु द्वादशी,हरि दमनोत्सव

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 16:56 से 18:28 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उत्पात	06:13 - 07:44 अशुभ	शुभ.	18:25 - 19:56 शुभ
चंचल	07:44 - 09:16 शुभ	अमृत	19:56 - 21:24 शुभ
लाभ	09:16 - 10:48 शुभ	चंचल	21:24 - 22:52 शुभ
अमृत	10:48 - 12:20 शुभ	रोग	22:52 - 00:19 अशुभ
काल	12:20 - 13:52 अशुभ	काल	00:19 - 01:47 अशुभ
शुभ.	13:52 - 15:24 शुभ	लाभ	01:47 - 03:15 शुभ
रोग	15:24 - 16:56 अशुभ	उत्पात	03:15 - 04:43 अशुभ
उत्पात	16:56 - 18:25 अशुभ	शुभ	04:43 - 06:13 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज फैसला लेने का दिन है । आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं । आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे । लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए । ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप दृढ़ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं।आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नहीं कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, झ, के, को, हा,)

आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज़ खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप आज अनजाने तथ्यों के साथ सहज महसूस नही करेंगे । इसलिए आप प्रयोग ना करते हुए ज्ञानी –पहचानी राहों पर ही आगे बढने की कोशिश करेंगे । आपके सामने नए अवसर आयेंगे ,लेकिन आप उनमे से भी उसी को चुनेंगे जिससे आप भली-भांति परिचित हैं । इस समय का उपयोग अपना पिछला बचा हुआ काम निपटाने के लिए करें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आप जो चाहते हैं , वो सब कुछ हासिल करने की आप में शक्ति है! दूसरे आप के बारे में क्या सोचते हैं , इस तरफ ध्यान न दें । वे लोग इस तरह का दिखावा कर सकते हैं , की जिससे से आप को नीचा देखना पड़े पर अंदर से वे जानते हैं की आप में अपार प्रतिभा है । अपने आत्म विश्वास का आनंद लें क्यों की आपका खेल खेलने से पहले ही जितना तय है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी निजी और व्यवसायिक जिन्दगी के बीच एक असंतुलन है । इसे दूर करने का एक ही तरीका है कि आप अपने प्रतिदिन के काम की योजना बनाएं,जो हर दिन की जरुरत के हिसाब से अलग हो । चिंता ना करें,आपके परिजन हाल-फिलहाल आपके उनके प्रति कम ध्यान के बावजूद आपके समर्पण को पहचान पाएंगे ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

आपको खुद पर बहुत यकीन है लेकिन अति आत्मविश्वास और अधिकार जताने की प्रवृति से बचें । दूसरों पर अपनी राय थोपने की आदत से आज आपको नुक्सान उठाना पड़ सकता है । केवल सही होना ही काफी नही है,आपको इसक अभी ध्यान रखना होगा कि आप दूसरों को नाराज न करें । थोडा नरम रवैया अपनाएंगे तो काफी लंबित कामों को आज पूरा कर पायेंगे ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप एक शांतिपूर्ण मानसिक स्थिति में हैं और आज अपने काम पर ध्यान केंद्रित करना आसान रहेगा । आज अपने करियर के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्णय लेने में आप सक्षम होंगे , लेकिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन की कमी की वजह से आप थोड़ा पीछे हटने को मजबूर होंगे इसलिए आप उन्हें मनाने के लिए प्रयास करें ताकि सब अच्छी तरह से पूर्ण हो और आप ख्याति एवं धन प्राप्ति की तरफ अग्रसर हो ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

दूल्हा बारात लेकर आता है, लेकिन बेटी विदा नहीं होती

एक दिन पहले ईद, मस्जिद में नमाज पढ़ती महिलाएं, देश की पहली मस्जिद की कहानी

कुन्नूर, 1 अप्रैल। (एक्सक्लूसिव डेस्क) मोहम्मद हैरिस 10 साल पहले बारात लेकर केरल के कुन्नूर आए थे। अगले दिन उनके माता-पिता, भाई और बाराती अपने गांव लौट गए, लेकिन हैरिस यहीं बस गए, क्योंकि यहां का रिवाज ही ऐसा है। यहां बेटी विदा नहीं होती है।

निकाह के बाद लड़के को अपना घर छोड़ना पड़ता है। वह पत्नी के घर पर रहता है। बच्चे पिता की जगह मां का सरनेम लगाते हैं। आम मुस्लिम रवायतों की तरह यहां निकाह के वक्त 'कबूल है' नहीं बोला जाता।

यहां से करीब दो घंटे की दूरी पर है देश की पहली और दुनिया की दूसरी सबसे पुरानी मस्जिद चेरामन जुमा। यहां देशभर से एक दिन पहले ही ईद मनाई जाती है।

केरल के त्रिशूर से करीब 40 किमी. और कोच्चि से 35 किमी दूर कोडंगलूर के मेथला गांव में चेरामन मस्जिद है। बाकी मस्जिदों से अलग यहां ना कोई मीनार है ना गुंबद। बौद्ध आर्किटेक्ट में बनी यह मस्जिद किसी बड़े बंगले की तरह दिखती है। फिलहाल मस्जिद के रिनोवेशन का काम चल रहा है।

मैं यहां एक लोकल मुस्लिम परिवार के साथ दो दिन रही। मैंने देखा कि यहां घर की मुखिया महिलाएं ही हैं। परिवार से जुड़े तमाम फैसले महिलाएं ही लेती हैं।

रात के तकरीबन 8 बजे मुझसे महिलाओं ने मस्जिद चलने की बात कही। मेरे दिमाग में सवाल कौंधा कि रात में मस्जिद वो भी महिलाओं के साथ उत्तर भारत के मस्जिदों में तो ऐसा नहीं होता। फिर मैं उनके साथ मस्जिद गई। उन्हें नमाज पढ़ते हुए देखा। मेरे लिए यह रोमांचित करने वाला अनुभव था।

कुन्नूर हेरिटेज फाउंडेशन के डायरेक्टर मोहम्मद शिहाद बताते हैं, 'मैं मापला समुदाय से आता हूं। हमारे पूर्वज करीब 3 हजार साल पहले अरब से व्यापार करने के लिए यहां आए थे। उनमें से ज्यादातर लोग यहीं बस गए।

जब उनकी जनरेशन आगे बढ़ी, तो केरल के मूल निवासियों ने उन्हें अपने से अलग माना। इसके चलते ऐसे लोगों का एक अलग समुदाय बन गया, जिसे मापला समुदाय कहते हैं। इसमें ईसाई और मुस्लिम दोनों समुदायों के लोग हैं।

यहां डचों के बनाए किले के ऊपर से देखने पर दूर कई जहाज नजर आ रहे हैं। मोहम्मद शिहाद बताते हैं कि एक जमाने में यहां मीलों तक जहाज खड़े रहते थे। जिसके जरिए अरब के लोग व्यापार करते थे। आज भी केरल के तटीय क्षेत्रों में उनकी कम्युनिटी का दबदबा है।

अभी देशभर में रोजा चल रहा है। कुछ दिन बाद ईद मनाई जाएगी। यहां भी लोग रोजा रख रहे हैं, सहरी और इफ्तार की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन देश के बाकी हिस्सों से अलग यहां एक दिन पहले ही ईद मनाई जाती है।

इसकी वजह है कि ये लोग सऊदी अरब के कैलेंडर को मानते हैं। वहां एक दिन पहले चांद दिखता है, इसलिए यहां पहले ईद मनाई जाती है।

यहां के लोगों का दावा है कि असल रूप में इस्लाम केरल में ही है। यहां नबी (मोहम्मद पैगंबर) के जमाने से ही मस्जिद है और यहीं से होकर देश के बाकी हिस्सों में इस्लाम फैला है।

इसके बाद मेरी मुलाकात मस्जिद कमेटी के प्रेसिडेंट डॉ. मोहम्मद सैयद से हुई। उन्होंने मुझे इफ्तार पर मस्जिद में ही बुलाया था। मुझे मस्जिद की इमारतें दिखाते हुए डॉ. मोहम्मद सैयद बताते हैं, 'यह मस्जिद 7वीं सदी की है। कई बार इस पर हमले हुए हैं और बार-बार इसका पुनर्निर्माण भी कराया गया है।

पहले यहां बौद्ध और जैन मत का काफी प्रभाव था। बड़ी तादाद में यहां बुद्ध विहार और जैन मंदिर थे। उनके जाने के बाद यहां हिंदू बस गए। हिंदू राजाओं ने शासन भी किया। यही वजह है कि मस्जिद का आर्किटेक्ट बौद्ध संस्कृति से काफी मिलता-जुलता है।'

डॉ. सैयद ने मुझे पुरानी मस्जिद की कुछ तस्वीरें दिखाईं। उन्हें देखने से पता चला कि मरम्मत के दौरान भी मस्जिद के मूल आर्किटेक्चर से छेड़छाड़ नहीं की गई है।

यहां एक कमरे में बड़ा सा

इस मस्जिद का निर्माण 629 ईस्वी में इस्लामिक स्कॉलर मलिक बिन दीनार ने कराया था।

मेहराब (दीवार की तरह नक्काशी) है। उसके सामने दीया जल रहा है। यह दीया करीब 2000 साल पुराना है। यहां हर धर्म के लोग आते हैं, मन्नतें मांगते हैं और दीये में तेल डालते हैं। सालों से यह परंपरा चली आ रही है।

विजय जैन मस्जिद के मुख्य सिक्योरिटी गार्ड हैं। मस्जिद में जैन गार्ड, मैं थोड़ा हैरान हुई। उन्होंने मेरी हैरानी भांपते हुए कहा- मैडम यहां हिंदू-मुस्लिम जैसा कुछ नहीं है। सब साथ रहते हैं। मैं 20 साल से मस्जिद में काम कर रहा हूं। मंदिर के बाहर ज्यादातर दुकानें भी हिंदुओं और ईसाइयों की हैं।

डॉ. सैयद बताते हैं, 'मस्जिद के आसपास दो फीसदी मुसलमान रहते हैं। यहां मुस्लिम पॉकेट बनाकर रहने का रिवाज नहीं है। सब लोग एक साथ मिलजुल कर रहते हैं। केरल के कोस्टल बेल्ट में अरब सागर के जरिये हजारों साल से व्यापार हो रहा है। कोडंगलूर का पुराना नाम मुसिरिस था।

यहां कालीकट में बेहतरीन किस्म की लकड़ियां मिलती थीं। लकड़ी के जहाज भी बनते थे। आज भी अरब से लोग यहां लकड़ी के परंपरागत जहाज बनवाने के लिए आते हैं। एक जहाज की कीमत कम से कम 50 करोड़ रुपए होती है।

5वीं सदी में यहां बौद्ध लोगों का प्रभाव था, लेकिन धीरे-धीरे उनका प्रभाव खत्म हो गया। उनके जाने के बाद यहां बौद्धिक खालीपन आ गया। उसी वक्त इस्लाम शुरू हुआ था। हर जगह उसकी चर्चा हो रही थी। लोग इस्लामिक भाषणों से प्रभावित हो रहे थे। जब अरब के लोग यहां आने लगे, तो उन्होंने बहुत हद तक यह खालीपन भर दिया।'

''मालाबार के राजा चेरामन पेरुमल की राजधानी कोडंगलूर थी। एक रात उन्होंने सपना देखा कि आसमान में चांद के दो टुकड़े हो गए हैं। अगले दिन उन्होंने अपने दरबार में ज्योतिषियों को बुलवाया और इसकी व्याख्या करवाई, पर वे संतुष्ट नहीं हुए। उसी दौरान व्यापारियों का एक काफिला राजा से मिलने आया। राजा ने उन्हें सपने के बारे में बताया।

व्यापारियों ने राजा को मक्का में सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम (नबी) के बारे में बताया और कहा कि यह उन्हीं का चमत्कार होगा। राज ने नबी से मिलने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने अपने राज्य में कुछ क्षेत्रीय प्रशासक तैयार किए। फिर अपने काफिले के साथ मक्का के लिए रवाना हो गए।

राजा ने मक्का में नबी के दर्शन किए। कुछ समय उनके साथ रहे और उनसे प्रभावित होकर इस्लाम अपना लिया। इसके बाद वे अपने देश के लिए निकल पड़े, लेकिन रास्ते में बीमार हो गए। ओमान में उनकी मौत हो गई।

मरने से पहले उन्हें एहसास हो गया था कि वे ज्यादा दिन जिंदा नहीं रहेंगे। इसलिए उन्होंने अपने साथ गए दोस्तों को पत्र लिखकर दिया था। बाद में इस्लामिक स्कॉलर मलिक बिन दीनार मालबार आए और राजा का पत्र क्षेत्रीय शासकों को दिया।

पत्र में राजा ने कोडंगलूर में वीरान पड़ी बुद्ध विहार में मस्जिद बनाने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद राजा के नाम पर यहां चेरामन जुमा मस्जिद बनी।''

बेटियां विदा नहीं होतीं, उनके लिए मायके में अलग कमरे भी बनाए जाते हैं

डॉ. सैयद बताते हैं, 'हिंदू महिलाओं की तरह ही यहां महिलाएं मंगलसूत्र पहनती हैं। मेरी पत्नी मंगलसूत्र पहनती है। मेरे तीन बेटियां हैं, तीनों मंगलसूत्र पहनती हैं। जबकि उत्तर भारत में इस्लामिक संस्कृति में ऐसा नहीं है।'

कन्नूर सिटी हेरिटेज फाउंडेशन के डायरेक्टर मोहम्मद शिहाद बताते हैं, 'कन्नूर और लक्षद्वीप के मुस्लिम शादी के बाद दुल्हन के घर पर जाकर रहते हैं। इस रवायत पर यहां बड़े-बड़े अध्ययन हो रहे हैं। पीएचडी की थीसिस लिखी जा रही है।

उस वक्त लोग व्यापार के लिए महीनों घर से बाहर रहा करते थे। सुरक्षा के लिहाज से लड़की अपने माता-पिता के घर रहती थी। मालाबार के राजा भी अपनी शादी के बाद रानी के घर पर रहने के लिए गए थे। वहीं परंपरा आज भी अपनाई जा रही है। यहां बेटियों के लिए अलग से कमरे भी बनाए जाते हैं।'

शिहाद एक और फर्क बताते हैं कि केरल में आज भी 1888 का बना काजी एक्ट लागू है। इसे ब्रिटिशर्स ने बनाया था। उत्तर भारत में हर मस्जिद में अलग काजी होते हैं, लेकिन यहां क्षेत्रों के आधार पर काजी होते हैं।

यहां शादी के वक्त कबूल-कबूल-कबूल नहीं बोला जाता है। निकाह से एक दिन पहले काजी लड़की के घर जाकर निकाह के लिए उसकी रजामंदी लेता है। निकाह वाले दिन केवल दूल्हा और दुल्हन के परिवार वाले शादी में आमने-सामने होते हैं।

लड़की के पिता कहते हैं कि मैं बेटी का इतनी मेहर के बदले में फलां से निकाह करवा रहा हूं, लड़का बोलता है कि इतनी मेहर के बदले मैं आपकी बेटी को स्वीकार करता हूं। इसके बाद दुआ होती है। इस तरह शादी हो जाती है।

मैंने यहां महिलाओं को बुर्के में नहीं देखा। हिजाब में या सिर पर दुपट्टा लिए हुए देखा। महिलाएं दुकानें भी चला रही हैं, रात में अकेले भी आ-जा रही हैं।

अरक्कल फैमिली केरल की पहली रॉयल मुस्लिम फैमिली है। उन्होंने अपना एक महल म्यूजियम बना दिया है। परिवार का फैमिली ट्री देखें तो पुरुषों से ज्यादा महिलाएं शासक हुई हैं। जैसे सुल्तान आयशा बीबी (1921-31), सुल्तान आदिराज मरियम्मा बीबी, (1946-57), सुल्तान अमीना बीबी (1957-80), सुल्तान आयशा मुत्थु (1998-06)।

एक ही नाम की वजह से 17 महीने की जेल

निर्दोष सूरज ने सजा काटी आरोपी सूरज बेखौफ घूमता रहा, घर आकर भी दी धमकी

रांची, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। रांची में एक व्यक्ति को सिर्फ इसलिए जेल भेज दिया गया क्योंकि उसका नाम आरोपी के नाम से मिलता था। निर्दोष व्यक्ति एक या दो दिन नहीं 17 महीने तक जेल काटता रहा। पुलिस को मुख्य आरोपी सूरज कुमार सोनी को जेल भेजना था। पुलिस ने उसी नाम के एक दूसरे व्यक्ति को जेल भेज दिया। निर्दोष युवक बीते 17 माह से रांची के बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में 17 महीने तक बंद रहा।

निर्दोष बेटे की मां लगाती रही गुहार

निर्दोष सूरज की मां न्याय के लिए दौड़ती रही। मां मीरा देवी का आरोप है कि पूरे मामले में उन्होंने तत्कालीन एसएसपी सुरेंद्र कुमार झा से लेकर डीजीपी तक शिकायत की, लेकिन किसी ने इस मामले में कार्रवाई नहीं की। मां मीरा देवी ने सीआईडी मुख्यालय जाकर डीजी अनुराग गुप्ता से मुलाकात की। इसके बाद सीआईडी मुख्यालय से इस मामले में जांच के आदेश दिए गये।

एसपी संध्या रानी मेहता को निर्देश दिया गया है कि पूरे मामले की जांच करें और पता करें कि इस मामले में सच क्या है। रांची क्राइम ब्रांच टीम को जांच का आदेश दिया गया। जांच में सूरज निर्दोष पाया गया

घटना 9 सितंबर 2021 की है जब नगड़ी में बिरसा महतो के यहां तीज पूजा चल रहा था। विमल व सूरज कुमार सोनी उर्फ कल्लू के बीच विवाद हो गया सूरज अपने दोस्त प्रिंस सोनी के साथ मिलकर विमल को ऑटो में बैठाकर ले गया। दूसरे दिन विमल महतो का शव लावारिस हाल मे पिस्का रेलवे स्टेशन के पास मिला। मृत युवक के भाई बरजू महतो के बयान पर पुलिस ने सूरज व प्रिंस के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी।

बदमाशों ने कार को बनाया मोबाइल बार

नशे में खुली डिक्की में बैठकर युवकों का हंगामा, पुलिस ने पीछा कर 8 आरोपियों को किया गिरफ्तार

बिलासपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिलासपुर में शराब के नशे में कार की खुली डिक्की में बैठकर हंगामा मचाने वाले आठ बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शुक्रवार की रात युवक अपनी कार को मोबाइल बार बनाकर घूम-घूमकर शराब पी रहे थे और उत्पात मचा रहे थे। पुलिस ने इन युवकों का पीछा कर उन्हें दबोच लिया। युवकों की मस्ती का वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सभी युवक कार में शराब की बोतल और डिस्पोजल गिलास लेकर घूम-घूमकर शराब पी रहे थे। हुल्लड़ करते हुए बदमाश शहर के अलग-अलग इलाकों में घूम रहे थे।

इस दौरान किसी ने युवकों की इस हरकत को देख लिया और वीडियो भी बना लिया। इसकी शिकायत पुलिस अफसरों से की गई। फिर टीआई परिवेश तिवारी ने पेट्रोलिंग टीम भेजकर कार का पीछा कराया और युवकों को दबोच लिया।

रात में वाहनों की जांच का दावा, ऐसे बदमाशों पर नहीं होती कार्रवाई

दो दिन पहले ही पुलिस ने रात में नशे में गाड़ी चलाने वाले बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करने का दावा किया था। इस दौरान शराब के नशे में ड्राइविंग करने वाले 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। ऐसे में अब सवाल उठता है कि शहर में कभी बाइक तो कभी कार में सवार होकर बदमाशों की ओर से स्टंट करने और सोशल मीडिया में रील बनाने का वीडियो अपलोड करने की घटनाएं भी सामने आई। लेकिन, पुलिस रात में वाहन चेकिंग के बहाने परिवार वालों को तंग करती है और वहीं, स्टंट करने वाले बदमाशों पर ध्यान ही नहीं रहता। यही वजह है ऐसे इन पर पुलिस का खौफ ही नहीं रह गया है।

स्टंट करने वाले आठ बदमाश गिरफ्तार

सिविल लाइन टीआई परिवेश तिवारी ने बताया कि कार सवार युवकों के कार में घूमकर स्टंट करने की खबर मिली थी, जिस पर टीम ने बदमाशों का पीछा किया और उन्हें व्यापार विहार रोड में रोक कर दबोच लिया। आरोपियों में देवरीखुर्द के लोकेश कुमार, तिफरा के शैलेंद्र मोहले, सरकंडा निवासी हज़ारी साहू, विनोबा नगर निवासी पंकज यादव, रिंग रोड निवासी चंदशेखर खैरवार, विद्यानगर के प्रखर पटेल, मोपका निवासी परितोष और वैष्णवी विहार निवासी सोमेश्वर राव शामिल हैं। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के साथ ही मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

एसपी बोले- खतरनाक स्टंट बर्दाश्त नहीं, सख्ती से होगी कार्रवाई

एसपी संतोष सिंह ने कहा कि इस तरह से शराब के नशे में खुद और दूसरों की जान जोखिम में डालने वाले हुड़दंगियों का स्टंट बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस तरह के शरारती तत्व से निजात जरूरी है।

पुलिस ने कार सवार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कार को जब्त कर कोर्ट से जुर्माने की बड़ी रकम वसूली करने की भी कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड में बढ़ गया टोल, महंगी होगी यात्रा

रांची, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अब झारखंड में टोल प्लाजा से गुजरना आपको और महंगा पड़ेगा। आज से नयी दर लागू हो गयी है। ऐसे में आपको यह जानना जरूरी है कि कहां कितना टोल हो गया है। ओरमांझी स्थित पुंदाग टोल प्लाजा (एनएच-33), बुंडू स्थित (एनएच-33) टोल प्लाजा और एनएच-75 पर मांडर स्थित टेढ़ी पुल टोल प्लाजा से गुजरना अब आपके लिए और महंगा हो गया है। टोल कितना बढ़ा है तो बताया जा राह है कि पांच रुपए से लेकर 55 रुपए तक की बढ़ोतरी की गयी है।

बुंडू टोल प्लाजा में कार, जीप, वैन के लिए 115 रुपये में पांच रुपये की बढ़ोतरी हुई है। मिनी बस की दर पहले 190 थी अब इसमें 10 रुपए की बढ़ोतरी हु है। ट्रक के लिए पहले 395 रुपये देने होते थे अब इसमें 20 रुपये की वृद्धि हो गयी है।

व्यवसायिक वाहनों पर 20 रुपये की वृद्धि 430 रुपये, चार व छह एचसीएम और इएमएमए जैसे वाहनों के लिए 30 रुपये की वृद्धि कर 415 रुपये। और भारी व्यवसायिक वाहनों के लिए 35 रुपये बढ़ा दिए ये हैं।

ओरमांझी स्थित पुंदाग टोल प्लाजा में हल्के वाहन115 की जगह 125 रुपये देंगे। रिटर्न ट्रिप के लिए 175 की जगह 185 रुपये देने होंगे।

हल्के व्यवसायिक वाहन के 200 और 24 घंटे के अंदर रिटर्न ट्रिप के लिए 300 रुपये देने होंगे , बस व ट्रक को एक ट्रिप के 415 देने होंगे रिटर्न ट्रिप के लिए 595 की जगह 625 रुपये देने पड़ेगे।

श्री एक्सेल व्यवसायिक वाहनों को 430 की जगह 455 और रिटर्न ट्रिप के लिए 650 की जगह 680 रुपये। सिक्स एक्सेल वाहनों को 620 की जगह 655 और रिटर्न ट्रिप के लिए 930 की जगह 980 रुपये। सेवन या उससे ज्यादा एक्सेल वाहनों को 755 की जगह 795 और रिटर्न ट्रिप के लिए 1135 की जगह 1190 रुपये।

अजय चंद्राकर ने भेजी नेहरू वंशावली

कहा- मोतीलाल नेहरू, प्रियंका, रेहान वाड्रा क्या हैं बताएं, सत्यनारायण शर्मा ने राहुल को बताया था राष्ट्र पुत्र

रायपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राहुल गांधी को कांग्रेस विधायक सत्यनारायण शर्मा ने राष्ट्र पुत्र बताया था। इस मामले में अब सियासी विवाद खड़ा हो गया है। पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने सत्यनारायण शर्मा को सोशल मीडिया के जरिए नेहरू के परिवार की वंशावली भेज दी है। अब पूछ रहे हैं कि नेहरू परिवार के बाकी लोग राष्ट्र के क्या लगते हैं। अजय चंद्राकर ने अपने बयान में कहा कि राहुल को राष्ट्र पुत्र कहने वाली कांग्रेस ये बताए कि मोतीलाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, राजीव गांधी, कमला नेहरू, प्रियंका वाड्रा गांधी, रॉबर्ट वाड्रा, रेहान वाड्रा ये क्या-क्या हैं? इसे भी स्पष्ट करें। एक परिवार की वंदना करने वाली पार्टी कभी देश की पार्टी नहीं हो सकती। कांग्रेस का काल खत्म हो चुका है, और कांग्रेस पार्टी एक परिवार के आखिरी वारिस को बचाने के लिए अंतिम सांसे ले रही है।

अजय चंद्राकर ने आगे कहा कि, कांग्रेस परिवार वंदक पार्टी है। आज की राजनीति राष्ट्र की वंदना करने वाली राजनीति है और जिसके नायक देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी है। जिनका केवल एक ही लक्ष्य है इस देश को विश्व में सर्वोपरि स्थान दिलाना है।

कांग्रेस ने दिया जवाब

राहुल गांधी को राष्ट्र पुत्र बनाए जाने और भाजपा की ओर से इसका विरोध करने के मामले में कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि देश की सेवा करने वाला हर व्यक्ति चाहे वह मजदूर हो या राजनेता कर्मचारी पत्रकार सभी राष्ट्र पुत्र हैं। भाजपा के नेता खुद को राष्ट्र से बड़ा समझते हैं। इसलिए राष्ट्र पुत्र का विरोध कर रहे हैं। यही उनका फासीवादी चरित्र है। वरिष्ठ नेता सत्यनारायण शर्मा ने सही कहा है कि राहुल गांधी राष्ट्र पुत्र हैं। युवा कांग्रेस की ओर से कहा गया कि राहुल गांधी मां भारती के पुत्र हैं। देश की जनता की आवाज उठा रहे हैं, मोदी सरकार के तानाशाह रवैया जन विरोधी नीतियों और भ्रष्टाचार का दमदारी से विरोध कर रहे हैं। इसलिए भाजपा के नेता राष्ट्र पुत्र का विरोध कर मां भारती के पुत्रों का अपमान कर रही है।

नियोजन नीति के विरोध में संताल बंद

कई छात्र संगठन मिलकर नियोजन नीति का कर रहे हैं विरोध कहा, मांग नहीं मानी तो तेज होगा आंदोलन

दुमका, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड में नियोजन नीति को लेकर छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पूरे संताल परगना प्रमंडल में छात्रों ने बंद का आह्वान किया है। छात्र नेता इमाम शफी ने कहा, अगर सरकार हमारी मांग नहीं मानती तो हम पूरे झारखंड में बंद का आह्वान करेंगे। संताल में कई छात्र संगठन इस मांग के साथ खड़े हैं और नियोजन नीति में बदलाव की मांग कर रहे हैं। कई जगह पर छात्र रास्ते में बांस लगाकर बैठे हैं।

संताल के कई इलाकों में बंद का प्रभाव है। दुमका में फूलो झानो चौक पर छात्र बंद कराने निकले और कई रास्तों को भी जाम कर दिया। छात्रों ने यह संकेत भी दिया है कि हम सरकार तक अपनी बात पहुंचना चाहते हैं, हमने विधानसभा का घेराव किया, अब संताल में बंद का आह्वान किया है। अगर हमारी मांग पर अब भी विचार नहीं किया गया तो यह आंदोलन और तेज होगा। छात्रों की मांग है कि 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीय नीति बनाए जाने, खतियान के आधार पर ही नियोजन नीति बनाने, रिक्तियों के विरूद्ध आवेदन में अहर्ता सिर्फ भारत के नागरिक न लिख झारखंड का स्थानीय निवासी भी लिखा जाना चाहिए।

संताल में छात्रों के विरोध प्रदर्शन और बंद के आह्वान के मद्देनजर प्रशासन भी मुस्तैद है। बड़ी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गयी है। दस अलग अलग जगह दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं। संताल में बंद समर्थक सड़क पर हैं लेकिन अबतक किसी प्रकार के अप्रिय घटना की खबर नहीं है। दुमका पाकुड़, दुमका भागलपुर, दुमका गोड्डा रोड भी इस आंदोलन से प्रभावित है।

आबकारी विभाग के दफ्तर में छापा

आधी रात ईडी कार्यालय बुलाए गए 7-8 शराब कारोबारी, अलग-अलग कमरों में हुई पूछताछ, बाहर लग्जरी कारों का जमावड़ा

रायपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्रवाई लगातार जारी है। देर रात आबकारी विभाग के दफ्तर में भी ईडी का छापा पड़ा। वहां भी टीम दस्तावेजों को खंगालती रही। शुक्रवार रात शहर के 7-8 बड़े शराब कारोबारी अपने खास लोगों के साथ ईडी दफ्तर पहुंचे थे। इन सभी लोगों से आधी रात तक पूछताछ होती रही। इसके बाद 1 -2 लोगों को घर जाने दिया। जबकि अन्य लोगों को ईडी ने दफ्तर में रोककर रखा है।

ईडी की टीम को प्रदेश के आबकारी विभाग और बड़े शराब कारोबारियों के बीच अवैध लेनदेन के गिरोह का इनपुट मिला है। जिसको लेकर लगातार जांच की जा रही है।

रेंज रोवर, स्कोडा, फॉर्च्यूनर बीएमडब्ल्यू जैसे ब्रांड की गाड़ियों का जमावड़ा दफ्तर के बाहर देर रात तक रहा। इन गाड़ियों में कारोबारियों के करीबी बैठे रहे। फोन पर काफी देर तक ये लोग वकीलों से बातचीत करते रहे। कारोबारियों के परिजन भी दफ्तर

के बाहर पहुंचे और सभी काफी तनाव में नजर आए।

ईडी दफ्तर के बाहर पुलिस का भी पहरा था। कारोबारियों के सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहे हालांकि किसी को भी दफ्तर के भीतर जाने की इजाजत नहीं थी। पूछताछ के बाद अंदर बैठे कारोबारियों ने अपने घरों से खाना मंगवाया। ईडी के अफसर भी ऑनलाइन फूड ऑर्डर करने लगे। रात होते-होते एक और जांच टीम का दस्ता अचानक दफ्तर पहुंचा।

एक कारोबारी ने बताया कि भीतर सभी शराब कारोबारियों को बैठाया गया था एक-एक कर अलग-अलग कमरों में इन कारोबारियों को ले जाया जा रहा था। सभी से प्रॉपर्टी की जानकारी मांगी जा रही थी हाल फिलहाल में हुए बड़े लेनदेन और बैंक अकाउंट की डिटेल के बारे में पूछा जा रहा था।

लगातार ईडी के अफसर सवाल कर रहे थे। खास बात यह रही कि इससे पहले जब भी ईडी दफ्तर में इस तरह से लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया तो प्रताड़ना की शिकायतें सामने आई।

मगर इस बार देर रात कारोबारियों से पूछताछ के दौरान अफसरों ने उन्हें ज्यादा परेशान नहीं किया। घंटों चली पूछताछ के बीच कुछ देर रात खाने का ब्रेक लिया। इसके बाद फिर सभी से पूछताछ की गई।

कच्छ बॉर्डर के पास चीन ने बनाए पॉवर-प्लांट

कोयले से 1600 मेगावाट बिजली बनाएंगे शाहबाज बोले- यह चीन-पाक दोस्ती की मिसाल

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने 21 मार्च को भारत से लगते सिंध प्रांत में कोयले के दो पावर प्लांट का उद्घाटन किया है। ये पावर प्लांट चीन के सीपीईसी प्रोजेक्ट यानी चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत बनाए गए हैं।

भारत के विरोध जताने के बावजूद चीन सीपीईसी में जमकर निवेश कर रहा है। दरअसल, सिंध के जिस इलाके थारपारकर में इन पावर प्लांट का उद्घाटन किया गया है वो गुजरात के कच्छ वाले इलाके से बिल्कुल सटा हुआ है। कच्छ से पाकिस्तान के थारपारकर की दूरी सिर्फ 133 किलोमीटर है।

'पावर प्लांट चीन-पाकिस्तान की दोस्ती की मिसाल'

थारपारकर में पावर प्लांट का उद्घाटन करते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने कहा कि ये दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती और मजबूत साझेदारी की मिसाल है। इस दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी मौजूद थे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 1320 और 330 मेगावाट की कैपिसिटी

वाले दोनों पावर प्लांट से पाकिस्तान में बिजली की कमी पूरी होगी। आर्थिक तंगी के चलते पाकिस्तान के लोगों को बार-बार ब्लैक आउट का सामना करना पड़ रहा है। चीन के बनाए पावर प्लांट से पाकिस्तान के करीब 40 लाख लोगों को बिजली मिलने का दावा किया गया है।

भारत के पर्यावरण को भी खतरा

द प्रिंट की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के सिंध प्रांत में चीन के प्रोजेक्ट्स से भारत के पर्यावरण और सुरक्षा को खतरा है। थारपारकर में चीन कोल माइनिंग का काम भी शुरू करने वाला है। भारत के बॉर्डर से इसकी साइट की दूरी केवल 40 किलोमीटर है। प्रोजेक्ट के लिए लगभग 10 लाख पेड़ काटे गए हैं। जबकि इस इलाके में कई तरह के जीव और पौधे विलुप्त होने की कगार पर हैं।

क्या है सीपीईसी

चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की महत्वाकांक्षी योजना है। इसकी शुरुआत 2013 में की गई थी। इसमें पाकिस्तान के ग्वादर से चीन के काशगर तक 50 बिलियन डॉलर (करीब 3 लाख करोड़ रुपए) की लागत से आर्थिक गलियारा बनाया जा रहा है। इसके जरिए चीन की अरब सागर तक पहुंच हो जाएगी। सीपीईसी के तहत चीन सड़क, बंदरगाह, रेलवे और ऊर्जा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है।

50 बिलियन डॉलर की लागत वाला सीपीईसी पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौजूद ग्वादर पोर्ट और चीन के शिनजियांग को जोड़ेगा।

सीपीईसी पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्तिस्तान इलाके से भी गुजरता है, जिस पर भारत का दावा है।

भारत का मानना है कि सीपीईसी के जरिए चीन विस्तारवाद की नीति पर चल रहा है और भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान में अब सिख दुकानदार की हत्या

पेशावर में किराना कारोबारी की फायरिंग में मौत, 1 दिन पहले हिंदू डॉक्टर का कत्ल हुआ था

पेशावर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर शहर में शुक्रवार दोपहर एक सिख दुकानदार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। फायरिंग के बाद बाइक पर आए दोनों हमलावर बड़ी आसानी से फरार भी हो गए। इस घटना के एक दिन पहले, यानी बुधवार को कराची में एक हिंदू डॉक्टर की इसी तरह हत्या की गई थी। इसके दो दिन पहले कराची में ही एक नाबालिग हिंदू लड़की को किडनैप किया गया था।

दुकान पर थे दयाल सिंह

पुलिस के मुताबिक- मारे गए सिख का नाम दयाल सिंह था। वो पेशावर के दीर इलाके में किराने की दुकान चलाते थे। शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे दयाल सिंह अपनी दुकान पर थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार दो लोग आए और दयाल पर फायरिंग शुरू कर दी।

हमले के बाद आरोपी बड़ी आसानी से फरार भी हो गए, जबकि ये काफी भीड़ वाला इलाका है। सड़क के किनारे पर एक पुलिस चौकी भी मौजूद है। इसके बावजूद आरोपियों को भागने में कोई दिक्कत नहीं हुई।

30 गोलियां मारी गईं

पुलिस के मुताबिक, दयाल को कुल 30 गोलियां मारी गईं। घटना का सीसीटीवी फुटेज पुलिस ने हासिल कर लिया है, लेकिन ये अब तक मीडिया के हाथ नहीं लगा है। पेशावर में करीब 15 हजार सिख रहते हैं। ये लोग ज्यादातर जोगन शाह इलाके में रहते हैं। पेशावर खैबर पख्तूनख्वा राज्य की राजधानी है। यहां 2 महीने पहले तक इमरान खान की पार्टी की सरकार थी। पाकिस्तान में सबसे ज्यादा तालिबानी हमले इसी राज्य में होते रहे हैं।

कराची में गुरुवार को एक हिंदू डॉक्टर बीरबल जेनानी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। आई स्पेशलिस्ट जेनानी कराची मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन में हेल्थ डिपार्टमेंट के सीनियर डायरेक्टर के पद पर रह चुके थे। पुलिस ने इस घटना को टारगेट किलिंग बताया है।

पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर जेनानी अपनी असिस्टेंट डॉक्टर के साथ रामस्वामी इलाके से गुलशन-ए-इकबाल स्थित घर जा रहे थे। इसी दौरान एक गनमैन ने उनकी कार पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले से कार अनियंत्रित हो गई और एक दीवार से टकरा गई, जिससे डॉ. जेनानी की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी असिस्टेंट को भी गोलियां लगी हैं।

पाकिस्तान के हैदराबाद में 7-8 मार्च की दरमियानी रात एक हिंदू डॉक्टर की हत्या कर दी गई थी। 60 साल के डॉक्टर धरम देव राठी स्किन स्पेशलिस्ट थे। उनका कत्ल उनके ड्राइवर हनीफ लेघारी ने किया था, जिसके बाद वो फरार हो गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि मौत से कुछ देर पहले डॉक्टर धरम देव ने अपने दोस्तों के साथ होली सेलिब्रेट की थी। इससे उनका ड्राइवर हनीफ नाराज था और उसने घर लौटने पर डॉक्टर का गला रेतकर हत्या कर दी थी।

तीन साल पहले कराची में हिंदू मेडिकल छात्रा की हत्या की गई थी। छात्रा का नाम नम्रता चंदानी था। नम्रता लरकाना के बीबी आसिफा डेंटल कॉलेज में डॉक्टर और प्रोफेसर थीं।

नम्रता का शव उनके हॉस्टल के कमरे में पलंग पर मिला था। गले में रस्सी बंधी हुई थी।

कराची में भगदड़ से 12 की मौत

कराची, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची शहर में शुक्रवार को भगदड़ में 12 लोगों की मौत हो गई। घटना एक फैक्ट्री के परिसर में हुई। यहां गरीबों के लिए रमजान के दौरान खाने का सामान और दूसरी चीजें बांटी जा रहीं थीं। मारे गए लोगों में 8 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मौके पर पुलिस भी मौजूद थी, लेकिन भगदड़ मचते ही भाग गई।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पिछले एक हफ्ते में सरकार द्वारा बांटे जा रहे मुफ्त आटे को लेने के लिए भी भगदड़ की कुछ घटनाएं हुईं। इनमें भी 12 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें भी तीन महिलाएं शामिल थीं।

बिजली का तार लोगों पर गिरा

'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक चश्मदीदों ने बताया है कि फ्री राशन लेने के लिए बड़ी तादाद में लोग जुट गए थे। बांटे जाना वाला सामान कम था और भीड़ बहुत ज्यादा हो चुकी थी। इसलिए लोग जल्दी से जल्दी सामान लेना चाहते थे। इसी जद्दोजहद के दौरान भगदड़ मच गई।

जॉर्जिया ने की हिंदूफोबिया की निंदा

हिंदू विरोधी कट्टरता के खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वाला पहला राज्य

जॉर्जिया, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। यूएस जॉर्जिया असेंबली ने हिंदूफोबिया की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। ऐसा करने वाला यह पहला अमेरिकी राज्य बन गया है। हिंदूफोबिया और हिंदू-विरोधी कट्टरता की निंदा करते हुए, प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदू धर्म दुनिया के सबसे बड़े और सबसे पुराने धर्मों में से एक है, जिसके 100 से अधिक देशों में 1.2 बिलियन से अधिक अनुयायी हैं। आपसी सम्मान और शांति के मूल्यों के साथ विविध परंपराओं और विश्वास प्रणालियों की एक श्रृंखला शामिल है। यह प्रस्ताव लॉरेन मैकडॉनल्ड और टॉड जोन्स द्वारा प्रस्ताव पेश किया गया था। ये जॉर्जिया के सबसे बड़े हिंदू और भारतीय-अमेरिकी समुदायों में से एक, अटलांटा के उपनगरों में फोर्सिथ काउंटी के प्रतिनिधि हैं। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि चिकित्सा, विज्ञान और इंजीनियरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी, आतिथ्य, वित्त, शिक्षा, विनिर्माण, ऊर्जा, खुदरा व्यापार जैसे विविध

क्षेत्रों में अमेरिकी-हिंदू समुदाय का प्रमुख योगदान रहा है। साथ ही योग, आयुर्वेद, ध्यान, भोजन, संगीत, कला के समुदाय के योगदान ने सांस्कृतिक ताने-बाने को भी समृद्ध किया है। इसे अमेरिकी समाज में व्यापक रूप से अपनाया गया है। देश के कई हिस्सों में पिछले कुछ दशकों में हिंदू-अमेरिकियों के खिलाफ घृणा अपराधों के मामले दर्ज किए गए हैं, प्रस्ताव में कहा गया है कि हिंदूफोबिया को कुछ शिक्षाविदों द्वारा संस्थागत रूप दिया गया है जो हिंदू धर्म को खत्म करने का समर्थन करते हैं और इसके पवित्र ग्रंथों पर आरोप भी लगाते हैं। इस संबंध में उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (कोएचएनए) के अटलांटा चैप्टर द्वारा कदम उठाया गया था। इन्होंने 22 मार्च को जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में आयोजित पहले हिंदू एडवोकेसी डे का आयोजन किया था। इसमें लगभग 25 सांसदों ने भाग लिया। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों शामिल थे।

कोएचएनए के उपाध्यक्ष राजीव मेनन ने कहा, रेप मैकडोनाल्ड और रेप जोन्स के साथ-साथ अन्य सांसदों के साथ काम करना एक सच्चा सम्मान था, जिन्होंने इस काउंटी प्रस्ताव को पारित करने की पूरी प्रक्रिया में हमारा मार्गदर्शन किया। कोएचएनए की महासचिव शोभा स्वामी ने कहा, जॉर्जिया और देश के बाकी हिस्सों में झूठे, हिंदूफोबिक नैरेटिव के माध्यम से हिंदू अमेरिकियों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे एक ऐसे समुदाय को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहे हैं जो मेहनती, कानून का पालन करने वाले और अमेरिका के ताने-बाने को समृद्ध करने वाले हैं।

ट्रम्प ने केस लड़ने 24 घंटे में जुटाए 32 करोड़

व्हाइट हाउस के बाहर जुटे समर्थक, सुरक्षा का जायजा लेने कोर्टहाउस पहुंचे अधिकारी

न्यूयॉर्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर मैनहैटन कोर्ट ने आपराधिक मुकदमा चलाने का फैसला किया है। इसके बाद ट्रम्प 4 अप्रैल को अपने सरेंडर की तैयारियों में जुट गए हैं। उन्होंने अपने प्रेसिडेंशियल कैंपेन के जरिए पिछले 24 घंटे में 4 मिलियन डॉलर जुटा लिए हैं। वहीं ट्रम्प के घर मार-ए-लागो, ट्रम्प टावर और मैनहैटन कोर्ट हाउस के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। वहीं क्रिमिनल केस चलने की खबर फैलते ही ट्रम्प के समर्थक भी सक्रिय हो गए हैं। शुक्रवार को फ्लोरिडा में ट्रम्प के आवास पाम बीच एस्टेट के मार-ए-लागो के बाहर समर्थकों की भीड़ जमा हो गई। कई रिपब्लिकन सपोर्टर्स व्हाइट हाउस के बाहर ट्रम्प के 'सेव अमेरिका' स्लोगन वाली कैप्स और दूसरे सामान बेचते नजर आए। दूसरी तरफ, वॉशिंगटन में कैपिटल पुलिस और सार्जेंट्स को देशभर में संभावित प्रदर्शन को लेकर चेतावनी दी गई है। शुक्रवार को छुट्टी पर गए सभी पुलिसकर्मियों को भी ड्यूटी पर वापस आने को कहा गया। न्यूयॉर्क में कई पुलिस ऑफिसर सड़कों पर गश्त देते नजर आए। इसके अलावा मैनहैटन कोर्टहाउस के बाहर भी सीसीटीवी कैमरा चेक किए गए और पुलिस अफसरों की टीम तैनात की गई। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प 3 अप्रैल को फ्लोरिडा से न्यूयॉर्क पहुंचेंगे। यहां वो रात में ट्रम्प टावर में रुकेंगे और सुबह मैनहैटन के कोर्टहाउस में सरेंडर करेंगे। इस दौरान उनकी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के सीक्रेट सर्विस एजेंट्स मैनहैटन के कोर्टहाउस पहुंचे। एजेंट्स ने कहा कि ट्रम्प के फ्लोरिडा के मार-ए-लागो से न्यूयॉर्क में ट्रम्प टावर पहुंचने तक सुरक्षा के लिए कई एजेंट्स की जरूरत पड़ेगी। क्रिमिनल केस चलने की घोषणा होते ही ट्रम्प के चुनावी कैंपेन की तरफ से कई फंड जुटाने के लिए कई ईमेल भेजे गए। इससे पहले गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति ने अपने समर्थकों से केस लड़ने के लिए पैसे जुटाने की अपील की थी। इसके बाद ट्रम्प ने 24 घंटे के अंदर 32 करोड़ 87 लाख रुपए जुटा लिए।

1. पोर्न स्टार को पैसे देकर चुप कराने का मामला 2006 का है। तब डोनाल्ड ट्रम्प एक रियल एस्टेट कारोबारी थे। पोर्न स्टार स्टार्मी डेनियल्स तब 27 साल की थीं और ट्रम्प 60 साल के। जुलाई 2006 में एक गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी।

2. स्टॉर्मी ने अपनी किताब 'फुल डिस्क्लोजर' में इस मुलाकात का जिक्र किया है। उन्होंने बताया कि जब ट्रम्प से उनकी मुलाकात हुई, तब उनकी तीसरी पत्नी मेलेनिया ने बेटे बैरन को जन्म दिया था। बैरन को जन्म लिए महज 4 महीने ही हुए थे।

3. अपनी किताब में स्टॉर्मी ने बताया कि ट्रम्प के बॉडीगार्ड्स ने उन्हें एक नए स्टार के पेंटहाउस में डिनर के लिए बुलाया था।

अमेरिकी राष्ट्रपति के डिप्टी असिस्टेंट ने जताई चिंता

कैंपबेल बोले- भारतीय सीमा पर चीन उकसाने में लगा, संघर्ष में अमेरिका साथ दे

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति के डिप्टी असिस्टेंट और कोऑर्डिनेटर कर्ट कैंपबेल ने कहा है कि भारत के साथ लगती सीमा पर चीन के कुछ कदम उकसाने वाले हैं। उन्होंने अमेरिका में थिंक टैंक सेंटर फॉर न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी से बातचीत में कहा कि सीमा पर चीनी घुसपैठ के मामले और टकराव बढ़ गए हैं। इससे बड़ा टकराव हो सकता है।

पूर्वी लद्दाख में 2020 से एलएसी पर एकतरफा ढंग से बदलाव की चीन की कोशिशें शांति के लिए गंभीर खतरा हैं। भारत के मित्र देश और भागीदार इसको लेकर चिंतित हैं। कैम्पबेल ने कहा कि अमेरिका, भारत का सहयोगी देश नहीं है और न ही कभी होगा। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम करीबी भागीदार नहीं बन सकते।

चीन से गतिरोध में भारत का साथ दे अमेरिका

चीन के साथ गतिरोध में अब अमेरिका को भारत का साथ देना

चाहिए। ये खुलासा सेंटर फॉर ए न्यू अमेरिकन सिक्योरिटी ने गुरुवार को 'इंडिया-चाइना बॉर्डर टेंशन एंड यूएस स्ट्रैटेजी इन द इंडो-पैसिफिक' शीर्षक वाली रिपोर्ट से हुआ है।

कैंपबेल बोले- चीन के कदम भड़काने वाले

कैंपबेल ने थिंक-टैंक से कहा कि 5000 मील की इस विशाल सीमा पर चीन ने जो कुछ कदम उठाए हैं, वे भड़काने वाले और भारतीय भागीदारों व दोस्तों के लिए बेहद चिंताजनक है। इस रिपोर्ट में भारत के साथ लगती सीमा पर चीनी आक्रमण को रोकने और प्रतिक्रिया देने में मदद के लिए कई सुझाव दिए गए हैं।

अमेरिका ने कहा था कि भारत केवल अमेरिका का सहयोगी नहीं, बल्कि एक बड़ी ताकत होगा। व्हाइट हाउस एशिया के को-ऑर्डिनेटर कर्ट कैंपबेल ने कहा था- पिछले 20 साल में भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में न केवल तेजी आई, बल्कि रिश्ते भी बेहद मजबूत हुए हैं।

उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के संबंध केवल चीन को लेकर चिंता के कारण नहीं बने हैं, बल्कि हमारे समाजों के बीच महत्वपूर्ण तालमेल पर आधारित हैं। भारत की तुलना में अन्य किसी देश के साथ द्विपक्षीय संबंधों में इतनी मजबूत नहीं हुई है। अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने दावा किया था कि आने वाले समय में चीन और पाकिस्तान के साथ भारत के रिश्तों में तनाव और भी बढ़ सकता है। जिसका जवाब भारत सैन्य कार्रवाई कर देगा।

रिपोर्ट में लिखा था- पिछली सरकारों की तुलना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लीडरशिप में इस बात की आशंका बढ़ गई है कि चीन और पाकिस्तान की तरफ से की गई किसी भी भड़काऊ हरकत के जवाब में भारत अपनी मिलिट्री को उतार सकता है।

अमेरिका-कनाडा बॉर्डर पर भारतीय परिवार समेत 8 के शव मिले

इनमें 2 बच्चे शामिल, गैर-कानूनी तरह से नदी पार कर यूएस में घुस रहे थे

क्यूबेक, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कनाडा से अमेरिका में गैर-कानूनी तरह से दाखिल होने की कोशिश कर रहे 2 परिवार के 8 लोगों की मौत हो गई। इनमें 2 बच्चे भी शामिल थे। मरने वालों में एक परिवार भारतीय था। रॉयटर्स के मुताबिक, ये परिवार नाव के जरिए सेंट लॉरेंस नदी पार करने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने गुरुवार को क्यूबेक के एक इलाके में पलटी हुई नाव के पास से ये शव बरामद किए।

अमेरिका के अक्वेस्ने मोहॉक के पुलिस चीफ ने बताया कि माना जा रहा है कि ये दो परिवारों से थे। एक परिवार रोमानियाई मूल का और दूसरा भारत का है। सभी अवैध तरीके से कनाडा से अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, अब तक भारतीय परिवार के बारे में ज्यादा

जानकारी नहीं मिल पाई है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा- हादसा बहुत दर्दनाक था। अभी हमें इस बात की सही जानकारी नहीं है कि वहां क्या और कैसे हुआ। हम मामले की जांच कर रहे हैं। इसके बाद ये सुनिश्चित किया जाएगा कि दोबारा ऐसा न हो। पुलिस एक लापता व्यक्ति की तलाश कर रही थी जब हवाई सर्चिंग के दौरान उन्हें ये शव दिखाई दिए। शवों के पास मिली नाव उसी लापता व्यक्ति की है। वहीं जिन 2 बच्चों के शव मिले हैं उनके पास कनाडा के पासपोर्ट थे। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात को इलाके में मौसम खराब था। जिस नाव में दोनों परिवार सवार थे वो काफी छोटी थी। ऐसे में मुमकिन है कि तेज बारिश और हवा की वजह से नाव पलट गई हो। पिछले साल भी कनाडा के मनीटोबा से अमेरिका जाने की कोशिश कर रहे एक भारतीय परिवार की ठंड के चलते मौत हो गई थी। ये लोग गुजरात के रहने वाले थे। मौत की वजह माइनस 35 डिग्री सेल्सियस और बर्फीला तूफान बना था। पुलिस चीफ के मुताबिक, अवैध तरीके से सेंट लॉरेंस नदी पार करने की कोशिश कर रहे लोगों की तादाद लगातार बढ़ती जा रही है। पिछले 3 महीने में करीब 80 लोग इस रास्ते अमेरिका में घुसने की कोशिश कर चुके हैं। इनमें ज्यादातर लोग रोमानियन और भारतीय थे।

साउथ कोरिया के पूर्व तानाशाह के पोते ने माफी मांगी

सिओल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में सैन्य तानाशाह रहे चुन डू ह्वान के पोते चुन वू-वॉन ने शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस की। इसमें चुन वू-वॉन ने अपने दादा के किए गुनाहों के लिए सरेआम माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मेरे दादा ने तानाशाह रहते हुए बहुत बड़ा गुनाह किया वो पापी और हत्यारे थे। दरअसल, साउथ कोरिया में 1980 में लोकतंत्र का समर्थन करने वाले लोगों ने मिलिट्री की तानाशाही के खिलाफ प्रदर्शन किए थे। इन्हें कुचलने के लिए उस समय साउथ कोरिया के तानाशाह रहे चुन डू ह्वान ने ग्वांगजु में 200 लोगों का कत्लेआम करवाया दिया था।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति का जाम्बिया दौरा

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस इन दिनों जाम्बिया के दौरे पर हैं। जाम्बियां पहुंचकर वह अपने नाना पीवी गोपालन से मिलने पहुंची। भारतीय मूल के पीवी गोपालन भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी थे जो अब में लुसाका में रहते हैं। हैरिस के नाना एक भारतीय सिविल सेवक रह चुके हैं। जाम्बिया की स्वतंत्रता के बाद 1966 में वह राहत उपायों और शरणार्थियों के निदेशक के रूप में सेवा करने के लिए लुसाका आए थे। उन्होंने देश के पहले राष्ट्रपति केनेथ कौंडा के सलाहकार के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। जाम्बिया

पहुंचने के बाद वहां के राष्ट्रपति हाकिंडे हिचिलेमा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कमला हैरिस ने संवाददाताओं से कहा- जैसा की आपलोग जानते हैं, यह यात्रा मेरे और मेरे परिवार के लिए विशेष महत्व रखता है। जब मैं छोटी थी तब मैं जाम्बिया आई थी। मेरे नाना यहां काम करते थे। अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए हैरिस ने कहा- मुझे अभी भी वह दिन याद है। मैं उस समय एक छोटी बच्ची थी और ये यादें बचपन की है। मुझे याद है कि यहां आने के बाद मैं बहुत उत्तेजित और खुश होती थी। हाल ही में मैंने अपनी चाची से बात की थी। उन्होंने मुझे उन रिश्तों के बारे में बता रहीं थी जो उन्होंने यहां बनाए थे। उन दिनों वह लुसका सेंट्रल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ काम करती थी।

बता दें कि कमला हैरिस जाम्बिया पहुंचने से पहले घाना और तंजानिया का भी दौरा कर चुकी है। बुधवार को तंजानिया पहुंचने के बाद उन्होंने गुरुवार को वहां की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन से मुलाकात भी की थी।

नेपाल में मंत्रिमंडल के विस्तार से खत्म नहीं हुईं प्रधानमंत्री दहल की सियासी मुश्किलें

काठमांडो, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने शुक्रवार को अपने मंत्रिमंडल का विस्तार तो कर लिया, लेकिन इससे उनकी राजनीतिक मुश्किलों का अंत नहीं हुआ है। मंत्रिमंडल विस्तार में अनदेखी से नाराज एक दल ने सरकार से खुद को अलग करने का एलान किया है, जबकि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस का एक प्रमुख धड़ा असंतुष्ट हो गया है। बतौर प्रधानमंत्री दहल ने पिछले तीन महीनों में सातवीं बार मंत्रिमंडल में फेरबदल किया है। पिछले महीने नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन में लौटने के बाद दूसरी बार उन्होंने मंत्रिमंडल को आकार दिया है। इसके पहले दहल दिसंबर में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल के नेतृत्व वाले गठबंधन की तरफ से प्रधानमंत्री बने थे। जिन नए मंत्रियों को नए राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शपथ दिलाई, उनमें चार नेपाली कांग्रेस के हैं। नेपाली कांग्रेस मंत्रिमंडल में अपने कोटे के सभी मंत्रियों के नाम नहीं भेज पाई। बताया जाता है कि ऐसा पार्टी के अंदर गहरा मतभेद पैदा हो जाने के कारण हुआ। वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला और पार्टी महासचिव गगन थापा के नेतृत्व वाला धड़ा मंत्रिमंडल विस्तार की प्रक्रिया से नाराज हो गया है। उसने अपने कोटे के मंत्रियों ने नाम नहीं भेजे। गठबंधन में सत्ता बंटवारे के तय हुए फॉर्मूले के तहत नेपाली कांग्रेस को आठ मंत्री पद देने का फैसला हुआ था। खबरों के मुताबिक कोइराला-थापा गुट कम से कम तीन मंत्री पद पाने पर अड़ा हुआ है। नेपाली कांग्रेस नेतृत्व के लिए इस पर राजी ना होने पर इस गुट ने पार्टी अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को सूचित किया कि वह अपने कोटे के मंत्रियों के नाम नहीं भेजेगा।

आरएसएस की लॉबी डॉक्टरों को बर्बाद, गुमराह कर रही है : सीएम

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में जारी निजी अस्पतालों के डॉक्टरों की हड़ताल पर सीएम अशोक गहलोत ने कहा है कि 4-5 डॉक्टर आरएसएस से संबंधित हैं और आरएसएस की लॉबी डॉक्टरों को बर्बाद, गुमराह कर रही है। डॉक्टरों को हड़ताल खत्म करनी चाहिए और अगर उनकी कोई गलत फहमी है वह भी दूर करेंगे।

गहलोत ने कहा कि अमेरिका में ओबामाकेयर शुरू हुआ था वह भी कामयाब नहीं हो पाया। हमें गर्व है कि राजस्थान बहुत आगे बढ़ रहा है। आपको बता दे कि राइट टू हेल्थ बिल के खिलाफ डॉक्टरों और राजस्थान सरकार के बीच गतिरोध जारी है। इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मुलाकात की। लेकिन बैठक बेनतीजा रही।

सुप्रीम कोर्ट में अपील करेगी सरकार

अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेन्द्र यादव की सेवा समाप्त

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि 2019 के जिला न्यायालय के फैसले को पलटते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय ने सभी आरोपियों को बरी किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले, इसलिए हाईकोर्ट के फैसले के विरुद्ध राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय में शीघ्र ही विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दाखिल करेगी। साथ ही, मुख्यमंत्री ने इस प्रकरण में पैरवी के लिए नियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेन्द्र यादव की सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया।

उच्च स्तरीय बैठक में आला अधिकारी मौजूद रहे

उच्च स्तरीय बैठक में मुख्य सचिव उषा शर्मा, प्रमुख शासन सचिव गृह आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा, एडीजी एसओजी-एटीएस अशोक राठौड़, एडीजी क्राइम दिनेश एमएन, एडीजी इंटेलिजेंस एस. सेंगथिर, प्रमुख शासन सचिव विधि ज्ञान प्रकाश गुप्ता एवं सचिव गृह (विधि) रवि शर्मा मौजूद रहे।

ये है पूरा मामला ?

13 मई 2008 को जयपुर में सिलसिलेवार बम धमाके शहर के परकोटे में हुए थे। इस मामले में निचली कोर्ट ने आरोपियों को सजा सुनाई थी। इसमें फांसी की सजा शामिल थी।

राजस्थान हाईकोर्ट से हाल ही में आए फैसले में चारों आरोपी बरी हो गए। कोर्ट की इस मामले में कुछ सख्त टिप्पणी भी जांच एजेंसी पर सवाल खड़े करती है। इस मामले में प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने अपनी ही कांग्रेस सरकार को घेरते हुए कहा- किसी ने तो बम ब्लास्ट किए ही होंगे न? पायलट ने कहा-जयपुर बम ब्लास्ट के दोषियों की रिहाई गंभीर इश्यू है। जिम्मेदारों के खिलाफ जांच होनी चाहिए और सरकार हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर करे। जो जिम्मेदार हैं उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और मामले की नए सिरे से जांच होनी चाहिए।

दूसरी ओर बीजेपी ने भी जमकर इस मुद्दे पर गहलोत सरकार को घेरा। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जांच में गंभीर लापरवाही पर सवाल खड़े किए। साथ ही सरकार पर तुष्टीकरण के आरोप लगाए है। सतीश पूनिया ने मामले की पैरवी के लिए सरकार की ओर से नियुक्त अतिरिक्त महाधिवक्ता के लंबे समय तक कोर्ट में पैरवी के लिए नहीं पहुंचने पर भी सवाल खड़े किए। साथ ही पूछा- किसके इशारे पर ऐसा किया गया? इस पूरे मामले में पब्लिक में भी सरकार की बहुत किरकिरी हुई है। चौतरफा घिरी सरकार ने इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील करने का फैसला लिया है।

बारिश-ओलों से बढ़ी सर्दी, 3 अप्रैल से फिर बिगड़ेगा मौसम

19 जिलों में एक इंच तक बरसात, धुंध छाई
6 डिग्री तक गिरा पारा

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले 15-20 दिन से रुक-रुककर हो रही बारिश और ओलावृष्टि के कारण अभी तक गर्मी का एहसास नहीं हुआ है। अप्रैल की शुरुआत भी हल्की ठंडक के साथ हुई है। लगातार बारिश से न केवल टेम्प्रेचर कंट्रोल में है, बल्कि सामान्य से नीचे चला गया है।

कल देर शाम गंगानगर, अलवर, जयपुर, सीकर, झुंझुनूं समेत कई शहरों में हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण दिन का तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे चला गया है। आज भी कोटा, गंगानगर, बीकानेर, उदयपुर समेत कई शहरों में तापमान सामान्य से 6 डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया है। जयपुर मौसम केन्द्र और सिंचाई विभाग के अनुसार कल राज्य के 19 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई।

कई जिलों में एक इंच से ज्यादा पानी बरसा। गंगानगर, हनुमानगढ़, अलवर, चूरू बेल्ट में जबरदस्त ओले गिरने से फसलों को नुकसान हुआ। गंगानगर, अलवर में तो सड़क और खेतों पर ओलों की सफेद चादर बिछ गई। गंगानगर में कल दिन का अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। बारिश ओलावृष्टि के कारण जयपुर, अलवर, गंगानगर समेत कई शहरों में देर रात और आज अलसुबह कोहरा भी छाया। जयपुर के शिवदासपुरा एरिया में जबरदस्त कोहरा छाया।

केंद्र सरकार पर गरज रहे थे सीएम गहलोत तभी गिरने लगे ओले

कार्यकर्ता कुर्सी से सिर ढक कर भागे

अजमेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर में आयोजित संभाग स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के संबोधन के दौरान ही तेज बारिश के साथ ओले गिरने लगे। इस दौरान वहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अपने बचाव में जिस कुर्सी पर बैठे थे वही कुर्सी सिर पर छाते की तरह उठाकर बाहर जाने लगे। इतना होने के बाद भी मुख्यमंत्री ने भाषण जारी रखा।

बादल और बारिश के साथ-साथ सीएम गहलोत भी केंद्र सरकार पर गरजते रहे। इस दौरान कुछ नेता कार्यक्रम स्थल के गेट पर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को रोकने का प्रयास किया, मगर कई कार्यकर्ता चले गए। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि प्रदेश की राजस्थान सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। एक बार फिर जनता कांग्रेस पर विश्वास दिखाएगी। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़, कांग्रेस के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया। गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के शासन काल में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। देश का संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। आप सब देख ही सकते हैं कि जब राहुल गांधी ने अडाणी का मुद्दा उठाया तो उनका क्या अंजाम हुआ। सरकार को उनकी बात का जवाब देना चाहिए था, मगर जवाब तो दूर भाजपा ने उन्हें संसद की सदस्यता से ही बाहर कर दिया।

एबीवीपी कार्यकर्ता हिरासत में

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अजमेर दौरे की खबर लगते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने की तैयारी कर ली। इससे पहले ही अजमेर पुलिस ने एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य आशुराम डूकिया को लॉ कॉलेज से गिरफ्तार कर लिया।

धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में उतरे वकील

संविधान का हवाला देकर मुकदमे पर उठाए सवाल, कही ये बात

उदयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उदयपुर में बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर मुकदमे का विरोध करने वाले लोगों के स्वर लगातार तेज होते जा रहे हैं। अलग-अलग समाज के लोग लगातार मुकदमे का विरोध कर रहे हैं। इतना ही नहीं हिंदू संगठनों के साथ-साथ वकील भी सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सभी लोग धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर दर्ज मुकदमा वापस लेने की मांग कर रहे हैं।

बता दें इससे पहले कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने भी धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर दर्ज मुकदमे का विरोध कर किया था। इस मामले में वकीलों ने हिन्दू संगठनों के साथ राज्यपाल के नाम जिला पुलिस अधीक्षक विपस कुमार शर्मा को ज्ञापन सौंपा है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश मोगरा ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री दर्ज मुकदमा समझ से परे है। भारतीय संविधान में किसी भी रंग को धर्म या संप्रदाय के लिए आरक्षित नहीं किया गया है।

'सरकार के खिलाफ बोलकर हाईकमान की तारीफ दोगलापन'

मंत्री रामलाल ने कहा-आरएसएस-बीजेपी अनुशासन की वजह से जीते, कांग्रेस में इसकी कमी

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मंत्री ने बीजेपी की जीत के पीछे अनुशासन को कारण बताया है। रामलाल जाट ने पायलट कैंप पर निशाना साधते हुए कहा- पार्टी ने जिसे मुख्यमंत्री बनाया है, उसे डिस्टर्ब करने की जगह उसे सपोर्ट करें। ऐसा नहीं हो कि बेवजह की बयानबाजी करके उसे डिस्टर्ब किया जाए। रामलाल जाट ने इशारों में पायलट खेमे पर हमला करते हुए कहा-हमारी सरकार के खिलाफ बोल कर दो लाइन राहुल गांधी के पक्ष में बोल जाते हैं।

यहां का विरोध करके दो लाइन पर हाईकमान की तारीफ में बोल जाते हैं। इससे उनका काम हो जाता है। इससे सरकार भी नहीं आए, नेता इस तरह का दोगलापन करते हैं। यह गलत तरीका है। रहना है तो कांग्रेस में रहो, कांग्रेस में काम करना है तो काम करो। साथ लेकर चलें, सबको पद मिलेगा।

सीएम को सपोर्ट करने की जगह डिस्टर्ब नहीं करें

जाट ने कहा-एक उम्र के अनुसार पद मिलते हैं। परमानेंट कोई आदमी राजनीति में पद पर नहीं रहता है। आज अशोक गहलोत मुख्यमंत्री हैं। ये कोई परमानेंट थोड़े ही रहेंगे। जनता चाहेगी वह मुख्यमंत्री बनता है। फिर भी हमारे

कई नेता बयानबाजी करते रहते हैं। हमारे नेता कभी दिल्ली से, कभी साउथ से, कभी नॉर्थ में जाकर बयानबाजी करते हैं। कई तो ऐसे नेता भी बयान देते हैं, जिन्हें राजस्थान के बारे में जानकारी तक नहीं है।

पार्टी ने जिसे नेतृत्व सौंपा है, हमें उसका सपोर्ट करना चाहिए। यह नहीं हो कि बयानबाजी करके उसे डिस्टर्ब करें। अगर कोई ध्यान नहीं रहे। जुबान फिसल जाए तो बात अलग होती है। जानबूझकर कोई नेता बयान देता है तो सब समझ आता है। इस समय तमाम नेताओं को वह चाहे किसी का प्रिय हो। सभी नेताओं को एक सुर में राहुल गांधी के हाथ मजबूत करने की बात करनी चाहिए।

आरएसएस बीजेपी में अनुशासन इसलिए जीत रहे

रामलाल ने कहा-सेनाओं में अनुशासन है, इस वजह हम युद्ध जीतते हैं। सरकारों की वजह से नहीं जीत रहे। आज आरएसएस और बीजेपी में अनुशासन है। वे चाहे जिसका टिकट काट रहे हैं, जीत रहे हैं। एक जमाने में कांग्रेस अनुशासन में थी तो हम चाहे जैसे टिकट काट रहे थे, जीत रहे थे। कांग्रेस में अनुशासन की कमी है। आज हमारी पार्टी में खिलाफ बोलने वालों पर कार्रवाई नहीं हो पा रही। अनुशासन में नहीं रहेंगे तो कैसे जीतेंगे। पार्टी को अनुशासन पर ध्यान देना चाहिए।

जो अनुशासन तोड़ता है, खिलाफ बोलता है। उस पर कार्रवाई होनी चाहिए। रामलाल ने कहा-नेता चाहे अनुशासन में रहे या नहीं। कार्यकर्ताओं से अपील है कि वे अनुशासन में रहें। एक बार सभी मिलकर सरकार रिपीट करें। हाईकमान जो फैसला करेगा, उसको सब मानेंगे। हाईकमान ने अगर अशोक गहलोत, सचिन पायलट से लेकर गोविंद सिंह डोटासरा, प्रतापसिंह खाचरियावास, खिलाड़ीलाल बैरवा, मंजू मेघवाल या किसी गुदड़ी के लाल को भी मुख्यमंत्री बनाया तो हम मानेंगे।

अजमेर रोड स्थित नरसिंहपुरा का होटल द पैलेस जांच के घेरे में

80 की जगह 136 कमरे बनाए ...

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर रोड पर नरसिंहपुरा स्थित होटल द पैलेस बाइ पार्क ज्वैल्स होटल एंड रिसोर्ट्सस जांच के घेरे में है। वजह यह है कि इस बिल्डिंग के निर्माण में कई तरह की अनियमितताएं बरती गई हैं। जैसे जेडीए से बिना कंप्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त किए ही ऑक्यूपेशन कर लिया यानि होटल शुरू कर दिया गया। नक्शा पास कराते समय से 80 कमरों की मंजूरी थी। लेकिन, 136 कमरों का निर्माण कर लिया गया। सैट बैक और पार्किंग एरिया में भी निर्माण कर लिया गया। होटल के पास 70-80 कारों की ही पार्किंग सुविधा है। कोई भी ईवेंट होने पर खेतों में पार्किंग कराई जाती है। इस संबंध में मिली शिकायतों के आधार पर अब जेडीए ने इन सभी बिंदुओं पर जांच कराए जाने की तैयारी कर ली है।

जेडीए सूत्रों के मुताबिक शिकायतकर्ता ने भवन विनियमों और जारी स्वीकृति का हवाला देते हुए कहा है कि होटल संचालक नंदकुमार द्वारा निर्माण स्वीकृति की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। जैसे जेडीए से निर्माण स्वीकृति 7057.38 वर्ग मीटर की थी। लेकिन, इससे भी ज्यादा एरिया में निर्माण कर लिया गया है। बेसमेंट में पार्किंग की जगह अतिरिक्त कमरे बनाए गए हैं। स्वीकृत भवन मानचित्र के मुताबिक इस रिसॉर्ट (होटल) में छत पर किसी तरह का निर्माण नहीं किया जा सकता। लेकिन, छत पर भी 30 कमरों का निर्माण किया जा रहा है।

रिसॉर्ट को होटल में कन्वर्ट कियाः

शिकायतकर्ता का आरोप है कि जेडीए से द पैलेस बाइ पार्क ज्वैल्स की बतौर रिसॉर्ट मंजूरी ली गई थी। लेकिन, संचालकों ने सैटबैक और भवन निर्माण नियमों का उल्लंघन करते हुए भारी-भरकम निर्माण करके इसे होटल में बदल दिया है। इससे इसका मूल स्वरूप ही बदल गया है। शिकायतकर्ता का यह भी आरोप है कि जेडीए द्वारा जारी स्वीकृति दिनांक 6 मई, 2013 के बिंदु संख्या 9 के अनुसार अब यह स्वीकृति नियमों के उल्लंघन के कारण स्वतः ही निरस्त हो गई है। यह रिसॉर्ट अब भविष्य में जयपुर विकास प्राधिकरण से नई अनुमति लिए बिना किसी तरह की बुकिंग अथवा कार्यक्रम नहीं कर सकता।

होटल संचालक जेडीए को नहीं दे रहे मौका रिपोर्टः

इधर, जेडीए सूत्रों का कहना है कि निर्माण स्वीकृति जारी करने के बाद होटल के निदेशक नंद कुमार से मौका स्थिति की रिपोर्ट मांगी हुई है। लेकिन, 4 साल से भी ज्यादा समय बीतने के बावजूद उनके द्वारा मौका स्थिति की रिपोर्ट नहीं दी गई है। अब जेडीए अपने स्तर पर मौका स्थिति की जांच करके रिपोर्ट मंगवाएगा।

होटल में 136 कमरे हैं, हमने सभी स्वीकृतियां ली हैंः

मैनेजर इधर, होटल के मैनेजर संतोष कुमार का कहना है कि उनके पास होटल में 136 कमरे हैं। जहां तक पार्किंग की बात है तो 70-80 गाड़ियों की पार्किंग सुविधा तो हमारे पास है। बाकी ईवेंट के समय हम खेतों में गाड़ियों की पार्किंग करवा देते हैं। क्योंकि होटल के आसपास अभी बहुत ज्यादा निर्माण नहीं हैं। जहां तक कंप्लीशन सर्टिफिकेट, फायर सेफ्टी समेत कई तरह की स्वीकृतियां ली हुई हैं।

3 साल की बहन, 7 महीने का भाई डूबे

कुंड में तैरते मिले शव; पिता बोला-बच्चों की मां ने ही मार डाला

चूरू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। 3 साल की बहन और 7 महीने के भाई की कुंड में डूबने से मौत हो गई। पिता का आरोप है कि बच्चों की मां ने ही दोनों को कुंड में डालकर मार डाला। पुलिस ने पिता की रिपोर्ट के आधार पर मां को हिरासत में लिया है। महिला से पूछताछ की जा रही है। मामला चूरू जिले के सरदारशहर थाना इलाके का है।

थानाधिकारी सतपाल विश्नोई ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9 बजे खुंडिया गांव की कानाराम की ढाणी में 2 बच्चों के कुंड में डूबने की सूचना मिली थी। इस पर डीएसपी नरेंद्र शर्मा के साथ पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से बच्चों के शव को बाहर निकाला गया। तब तक दोनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। बच्चों के पिता कानाराम (45) ने अपनी पत्नी ममता पर ही दोनों बच्चों को कुंड में डालकर मारने का आरोप लगाया है। उसके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पत्नी ने कहा- बेटे-बेटी को कुंड में डाल दिया

कानाराम ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह 31 मार्च को पशु लेकर खेत में चराने गया था। दोपहर करीब 3.30 बजे मेरी पत्नी ढाणी के पास बने कुंड पर खड़े होकर जोर-जोर से चिल्ला रही थी। इस पर मैं भागकर मौके पर पहुंचा तो मेरी पत्नी ने बताया कि हिमानी और मयंक को मैंने पानी से भरे कुंड में डाल दिया है। मैंने कुंड में देखा तो मेरी बेटी और बेटे के शव पानी में तैर रहे थे। इस पर मैंने पड़ोसियों को बुलाया और रिश्तेदारों को भी सूचना दी।

मुख्यमंत्री के कोटा प्रस्तावित दौरे को लेकर कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने अफसरों को दिए निर्देश

कोटा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के शनिवार 1 अप्रेल को प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला कलक्टर ओपी बुनकर एवं पुलिस अधीक्षक शहर शरद चौधरी ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक लेकर तैयारियों को अन्तिम रूप दिया। जिला कलक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे में दी गई जिम्मेदारियों को सभी अधिकारी टीम भावना के साथ पूरा करें। सुरक्षा व्यवस्था, मार्ग पर साफ-सफाई एवं सभा स्थल महाराव उम्मेद सिंह स्टेडियम में आवश्यक व्यवस्थाओं को सभी अधिकारी जांच कर गुणवत्ता के साथ पूरा करें। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी अधिकारी एयरपोर्ट से लेकर सम्पूर्ण मार्ग पर सतर्कता के साथ पूरी जिम्मेदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें। उन्होंने प्रशासनिक पुलिस अधिकारियों को अपना पहचान कार्ड साथ रखने, कारकेट एवं सभा स्थल पर निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षात्मक दृष्टि से सभी अधिकारियों को सम्पूर्ण दौरे में टीम भावना के साथ कार्य करने की बात कही।

जेल से बाहर आते ही निलंबित एएसपी दिव्या फिर गिरफ्तार

जिस केस की जांच की उसी में बनी आरोपी, एसओजी अजमेर की टीम ने पकड़ा

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। 2 करोड़ रुपए की घूस मांगने के मामले में आरोपी निलंबित एएसपी दिव्या मित्तल को जमानत के एक दिन बाद ही शनिवार को अजमेर जेल के बाहर से एसओजी ने फिर गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी के पास दर्ज एनडीपीएस के तीन केसों में दिव्या ने जांच सही तरीके से नहीं की थी। इसी कारण गिरफ्तार किया गया है। अब इस मामले में एसओजी के अधिकारी पूछताछ करेंगे। एडीजी एसओजी अशोक राठौड़ ने बताया कि दिव्या मित्तल के खिलाफ अभी तक एसओजी में कोई शिकायत दर्ज नहीं है। दिव्या के पास एनडीपीएस की 3 फाइलें थीं। इसकी जांच वह काफी समय से कर रही थी। इन फाइलों में मित्तल की ओर से जांच में गड़बड़ी करना सामने आया है। इसलिए एनडीपीएस एक्ट के तहत जांच अधिकारी

दोषी होता है। उन्होंने बताया कि दिव्या मित्तल को आज अजमेर जेल के बाहर से गिरफ्तार किया गया है। दिव्या की ओर से तीनों फाइलों पर जांच को लेकर पूछताछ की जाएगी। एसीबी की गिरफ्त में आने के 100 दिन बाद आज ही अजमेर जेल से बाहर आई थी। दिव्या मित्तल को शुक्रवार को ही हाईकोर्ट से जमानत मिली थी। एडवोकेट प्रीतम सोनी ने बताया कि हाईकोर्ट जस्टिस सीके सोनगरा की बेंच ने 1 लाख रुपए के मुचलके पर मित्तल को जमानत के आदेश दिए थे।

ये था मामला

2 करोड़ की रिश्वत मांगने के मामले में जयपुर एसीबी टीम ने अजमेर में 16 जनवरी को एसओजी की एएसपी दिव्या मित्तल को पकड़ा गया था। दिव्या मित्तल को एसीबी की टीम अजमेर से जयपुर लाई थी। इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। दिव्या ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में हरिद्वार की फार्मा कंपनी के मालिक को गिरफ्तार नहीं करने की एवज में बर्खास्त पुलिसकर्मी सुमित कुमार के माध्यम से यह घूस मांगी थी।

बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा बेरहमी से काटी जा रही हरी-भरी टहनियां

हैदराबाद, 1अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उपयोगिता लाइनों को बाधित करने वाली शाखाओं को ट्रिम करने के नाम पर, ईश्वरपुरी कॉलोनी, सैनिकपुरी और हाई-टेंशन रोड के साथ कॉलोनियों में पर्याप्त छाया प्रदान करने वाले हरे-भरे पेड़ों को बिजली विभाग के कर्मचारियों द्वारा निर्दयता से काट दिया गया है। स्थानीय निवासियों और दुकान मालिकों, जिन्होंने पौधों को पूरी तरह से विकसित पेड़ों में पालने में वर्षों बिताए हैं, ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारी बुधवार को बिना किसी पूर्व सूचना के पेड़ों को पूरी तरह से काटकर उनके तने तक पहुंचा दिए। हालांकि, निवासियों और आसपास के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के गुस्से वाले विरोध का सामना करते हुए, श्रमिकों ने भरोसा किया और पेड़ की शाखाओं को काट दिया।

लोगों का कहाना है कि बिजली विभाग के अधिकारी इतने गैरजिम्मेदार कैसे हो सकते हैं? कुछ महीने पहले भी कॉलोनी में ऐसी ही घटना हुई थी जब बिजली विभाग के कर्मचारियों ने छंटाई के बहाने पूरे पेड़ काट डाले थे। थानीय निवासी कहते हैं, कि हमें कर्मचारियों को यहां पेड़ों को काटने से रोकने के लिए शारीरिक रूप से हस्तक्षेप करना पड़ा और सचमुच उनसे लड़ना पड़ा। हाई-टेंशन रोड के एक तरफ आधा किलोमीटर तक, जो कॉलोनियों कोईसीआईएल चौराहेऔर डॉ एएस राव नगर मुख्य

सड़क से जोड़ने वाली जीवन रेखा के रूप में काम करता है, पेड़ों को इसी तरह काट दिया गया था। पूरा खंड एक निराशाजनक दृश्य बन गया है, क्योंकि पेड़ों की विशाल शाखाएं जो काट दी गई थीं, पीछे रह गईं।

मजदूरों का व्यवहार काफी वीभत्स था। पहले वे कुल्हाड़ी लाते थे और केवल उन विशिष्ट शाखाओं पर ध्यान केंद्रित करते थे जो बिजली लाइनों में बाधा डालती थीं। हालांकि, इन दिनों बिजली विभाग ने उन्हें यांत्रिक आरी से लैस कर दिया है, जिससे वे आलसी हो गए हैं। कुछ शाखाओं को तोड़ने के बारे में सोचे बिना, वे सीधे पेड़ को तने से काट रहे हैं।

हाई-टेंशन रोड पर नंदिनी अस्पताल के पास रहने वाले एक अन्य निवासी चौधरी शास्त्री ने बताया कि नगरपालिका और बिजली विभाग के कर्मचारियों को पेड़ की छंटाई पर ठीक से जानकारी और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। एक महीने पहले, व्यस्त कट्टा मैसम्मा मुख्य सड़क के दोनों ओर के पेड़, जो यहाँ कई गेटेड समुदायों की ओर जाते हैं, को भी इसी तरह से काटा गया है। नगर निगम और बिजली विभाग के अधिकारियों को फील्ड स्तर के कर्मचारियों को ठीक से जानकारी देने की निश्चित आवश्यकता है।

राजा सिंह के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने का एक और मामला दर्ज

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अफजलगंज पुलिस ने गुरुवार को अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में भाजपा विधायक टी. राजा सिंह के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 ए 1 (ए) और 506 के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। सिंह ने श्री रामनवमी के अवसर पर आयोजित एक शोभा यात्रा रैली के दौरान भाषण दिया। स्थानीय एसआई वीरा बाबू, जो सुरक्षा व्यवस्था की देखरेख कर रहे थे, ने राजा सिंह द्वारा की गई सांप्रदायिक घृणा वाली टिप्पणियों पर आपत्ति जताई और उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उच्च न्यायालय से सशर्त जमानत पर चल रहे राजा सिंह ने 29 जनवरी, 2023 को मुंबई में ऐसा

ही भाषण दिया था। मुंबई पुलिस ने भी राजा सिंह के खिलाफ इसी तरह का आपराधिक मामला दर्ज किया था। शहर की पुलिस ने भी उसी भाषण को लेकर सिंह को नोटिस जारी किया और भाजपा विधायक को याद दिलाया कि उच्च न्यायालय ने उन्हें अपने जमानत आदेश में सांप्रदायिक भाषण नहीं देने के लिए कहा था।

बीजेपी सांसद लक्ष्मण ने सीएम केसीआर पर साधा निशाना

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर पर भारी पड़ते हुए बीजेपी सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज कहा कि केसीआर अपने अंधविश्वास से कभी बाहर नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि केसीआर एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री थे, जिन्होंने श्री रामनवमी के अवसर पर भद्राचलम मंदिर के पीठासीन देवता श्री राम को रेशमी कपड़े भेंट नहीं किए।

यहां राज्य भाजपा कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, लक्ष्मण ने आलोचना की कि केसीआर सरकार पेट्रोल और डीजल पर 5 रुपये कम करने के लिए आगे नहीं आ रही है, हालांकि सभी भाजपा शासित राज्यों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 20 रुपये प्रति लीटर की कमी की है। अपनी राजनीतिक पार्टी का नाम बदलकर टीआरएस से बीआरएस करने के सीएम केसीआर के फैसले का जिक्र करते हुए लक्ष्मण ने कहा कि इस तरह के कदमों से तेलंगाना में सत्ताधारी पार्टी की हार नहीं रुकेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किसानों के प्रति प्यार बरसा रहे हैं। 8 अप्रैल को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की राज्य की यात्रा पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रधान मंत्री अपनी यात्रा के दौरान 20,000 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लिए आधारशिला रखेंगे।

पी. राधाकृष्ण ने सीएमडी, बीडीएल का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पी. राधाकृष्ण, निदेशक (उत्पादन) ने आज भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार ग्रहण किया। कंपनी में मिसाइल उत्पादन के विभिन्न क्षेत्रों में राधाकृष्ण के पास 35 वर्षों का समृद्ध अनुभव है। उन्होंने जेएनटीयू, हैदराबाद से औद्योगिक इंजीनियरिंग और प्रबंधन में वह एमटेक हैं और आंध्र प्रदेश में नागार्जुन विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक की उपाधि प्राप्त की हैं।

महावीर जयन्ती के उपलक्ष्य में कृत्रिम पैर लगाये गये

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। महावीर विकलांग केन्द्र में महावीर जयन्ती के उपलक्ष्य में कृत्रिम पैर लगाये गये। अध्यात्म जगत् के महान सूर्य अध्यात्म योगी अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद से श्रीमती निर्मला बैद ने विकलांगों को अणुव्रत के संकल्प करवाये। नशा नहीं करना, पैर लगने में आप चलने योग्य हो गये अतः मेहनत करके अपनी आजीविका चलाने का प्रयास करना। सद्भावना सबके प्रति रखना। झूट, चोरी, लडाई-झगडा नहीं करना, किसी को साथ गाली-गलौज नहीं करना। इत्यादि अनेक नियम समझा कर बताये गये। महावीर जयन्ती के पवित्र दिन पर पैर लगा रहे है इनकी पवित्रता बनी रहे।

जैन सेवा संघ महावीर जयन्ती बडे उत्साह के साथ धूम-धाम से मना रहे हैं। जैन सेवा संघ के अध्यक्ष योगेश, मंत्री अशोक, अनिल, माणकचन्द पीपाडा महावीर विकलांग केन्द्र में मंत्री सुशील, सलाहकार बाबूलाल व अन्य उपस्थित रहे। हनुमान बैद कार्यक्रम का शुभारम्भ किया तथा प्रमुख समाजसेवी अमृत जैन ने सबका परिचय दिया। सभी ने उत्साह के साथ अपने हाथों से पैर दिये। अणुव्रत का साहित्य भेंट किया गया। अणुव्रत अमृत महोत्सव के वर्ष के बारे में जानकारी दी गयी। कृत्रिम पैर हनुमान जिनेन्द्र बैद, सुशीला, ललित बैद, ज्योति-अशोक दुगड की तरफ से दिया गया। सभी ने बडे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सबने सहयोग दिया।

भागवत कथा के समापन पर हवन-यज्ञ कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में पंवार परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के अंतिम दिन कथा वाचक श्री प्रह्लादपुरीजी महाराज एवं आयोजकों द्वारा ठाकुरजी महाराज की तस्वीर पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन, पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजक ताराराम गोविन्दराम पंवार ने बताया कि पंडितजी के मंत्रोच्चारण द्वारा आयोजित हवन-यज्ञ मे पंवार परिवार के नत्थाराम-अणसीबाई, ताराराम-सोनीदेवी, गोविन्दराम-मैनादेवी, रिंकु, भरत, ग्रीष्मा, पायल, रितेश पंवार, परिवार के सदस्यों व समाज बन्धुओ ने भाग लिया। कथा वाचक प्रह्लादपुरीजी महाराज ने बताया कि हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम मे सपरिवार भाग लेने पर सुख-समृद्धि व ठाकुरजी का आर्शीवाद सदैव बना रहता है। कार्यक्रम में बत्तौर मुख्यअतिथि श्रीमती करमनघाट हनुमान टेम्पल चेयरमैन ईश्वरम्मा यादव, कथा वाचक प्रह्लादपुरीजी महाराज, स्वर कोकिला कंचनबाई, निर्भय आश्रम ब्रह्मविद्या सत्संग सेना ट्रस्ट करणसर जयपुर के कार्यकर्ताओं, वीर शिवाजी सेना अध्यक्ष नितिन नाडकर, गौभक्त कालुसिंह, धार्मिक सेवा समिति की किरन कंवर सोलंकी, भेराराम काग एवं सीरवी समाज करमनघाट के पदाधिकारीयों व कार्यकारिणी सदस्यों, परबत सोलंकी का आयोजकों द्वारा विशेष सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पंवार परिवार, समाज के अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा, उपाध्यक्ष मूलाराम सोयल, सचिव हिरालाल सैंणचा, कोषाध्यक्ष दीपाराम काग, वेनाराम वरपा, गजाराम सैंणचा, अमराराम सिन्दड़ा, एवं कार्यकारिणी के समस्त सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। करमनघाट सीरवी समाज के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा श्री आईमाता मंदिर मे द्वारा सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सफल आयोजन पर पंवार परिवार के नत्थाराम, ताराराम, गोविन्दराम पंवार का सम्मान किया। मंच का संचालन हिरालाल सैंणचा ने किया।

रवींद्र भारती में स्टेट पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन, तेलंगाना द्वारा आयोजित 74 किलो कैटेगरी में 512 किलो वजन उठा कर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले हिंदी महाविद्यालय के छात्र जग्गा राजशेखर को सम्मानित करते हुए प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उपप्राचार्य श्रीमती अश्वनी सनपुरकर। साथ में हैं क्रीड़ा विभाग के आकाश थापा।

राजपूत समाज के कार्यकर्ता की पत्नी का निधन

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजपूत समाज हैदराबाद के कार्यकर्ता एवं भूतपूर्व सैनिक संजीव कुमार सिंह (ईएमई सेंटर), जो जनप्रिया अपार्टमेंट कॉकुर में रहते हैं, की पत्नी का आज आकस्मिक निधन हो गया। वह लंबी बीमारी से पीड़ित थीं। प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जेके सिंह ने बताया कि मृतका का अंतिम संस्कार कॉकुर श्मशानवाटिका में किया गया। इसमें राजपूत समाज के सभी कार्यकर्ता एवं अध्यक्ष एचएस चौहान, धर्मेंद्र सिंह, धनंजय सिंह, माधवेश सिंह, पूर्व सेना अध्यक्ष गोपू रमना रेड्डी, पीके मिश्रा सहित कई भूतपूर्व सैनिक मौजूद रहे।

जुक्कल विधायक ने सूर्यमुखी बीज खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया

मदनूर, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार मार्कफेड डोंगली सोसायटी के अंतर्गत तहसील कार्यालय मैदान में सरपंच महादेवी शेषांक, डोंगली सोसायटी अध्यक्ष राम पाटील, मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मी बाई, जेडपीटीसी नामेवार अनीता, संयुक्त किसान समिति अध्यक्ष दिगबर पाटील, एमपीटीसी दिनदयाल विविध गांव के सरपंच, एमपीटीसी व जनप्रतिनिधि तथा कृषि अधिकारी राजू, तहसीलदार के नेतृत्व में जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे ने सूर्य मुखी बीज को 6400 प्रति क्विंटल के हिसाब से खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया।

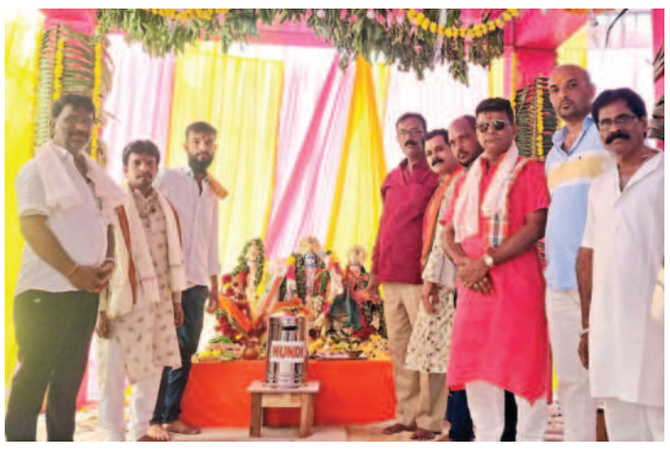

श्री महादेव हनुमान मंदिर, चुड़ी बाजार में आयोजित श्री सीताराम कल्याण महोत्सवम में भाग लेते हुए सुनील साहू, पी.पवन कुमार, डी.देवेंद्र, पी. गोपाल राव, अनिल कुमार, प्रमोद अग्रवाल, कमल महाराज, डी.राजेंद्र और अन्य।

राम मंदिर, कोमसेरी बाजार में आयोजित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में भाग लेते हुए छावनी बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जेपी, राघव रेड्डी, श्रीनिवास, वेंकटेश, टिंकु गौड़ व अन्य।

नेचर क्लब लाइफ सेंटर, हिमायतनगर में बीट द हीट समर कैंप शुरू हुआ। नेचर क्लब के संस्थापक और सीईओ की उपस्थिति में समाजसेवी गोपाल बलदावा ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जेल से बाहर ...

सजा के दौरान कोई छुट्टी न लेने का नवजोत सिंह सिद्धू को यह बेनिफिट मिल रहा है और वह 19 मई से 48 दिन पहले रिहा हो रहे हैं। सिद्धू के ट्विटर पेज पर शुक्रवार को इसकी जानकारी दी गई। ट्वीट में लिखा था कि वरिष्ठ अधिकारियों ने रिहाई की सूचना दी है।

नवजोत सिंह सिद्धू को रिसीव करने के लिए इस बार कोई बड़ा ताम-झाम आयोजित नहीं किया जा रहा। वहीं पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी उन्हें रिसीव करने के लिए जाने से मना कर दिया है। वड़िंग ने नवजोत सिंह सिद्धू का ट्विटर पर स्वागत करते हुए लिखा, वेलकम, सरदार नवजोत सिंह सिद्धू जी... जैसे ही आप सभी पंजाबियों की सेवा में सार्वजनिक जीवन फिर से शुरू करेंगे, आपसे जल्द मिलने की उम्मीद है। हालांकि सिद्धू के समर्थक उनके ग्रैंड वेलकम की तैयारी में हैं।

रिहाई से पहले पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रधान अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने नवजोत सिंह सिद्धू के करीबी पर एक्शन ले लिया है। अमृतसर ईस्ट में न्यू अमृतसर ब्लॉक प्रधान नवतेज सिंह सुल्तानविंड को हटा दिया है। जनरल सेक्रेटरी कैप्टन संदीप सिंह संधू की तरफ से भेजे लैटर में साफ लिखा है कि प्रधान राजा वडिंग के निर्देशों पर यह कदम उठाया गया है। नवतेज सुल्तानविंड पार्टी के आयोजित कार्यक्रमों में गैर-हाजिर रह रहे थे।

नवजोत सिंह सिद्धू जेल से रिहा होने के बाद सीधा काली माता मंदिर और दुख निवारण गुरुद्वारा में माथा टेकने पहुंचेंगे। यहां से वह सीधा घर पहुंचेंगे, जहां वह कुछ समय अपनी पत्नी डॉ. नवजोत सिंह सिद्धू के साथ रहेंगे।

गौरतलब है कि डॉ. नवजोत कौर सिद्धू कैंसर से पीड़ित थी। वह कैंसर स्टेज-2 पर थी। डेरा बस्सी के ही एक प्राइवेट अस्पताल में उनका ऑपरेशन हुआ। जहां से उन्हें बुधवार को ही छुट्टी दी गई है। अभी वह पटियाला स्थित घर में ही हैं और पूरी तरह से बैड रेस्ट पर हैं। नवजोत सिंह सिद्धू रिहा होने के बाद उनके पास ही सीधा पहुंचेंगे।

नवजोत सिंह सिद्धू के बेटे एडवोकेट करण सिद्धू ने कहा कि वह, उनकी मां डॉक्टर नवजोत कौर और उनकी बहन राबिया सिद्धू सभी लोग पटियाला स्थित अपने घर पर ही पिता के आने का इंतजार करेंगे। सभी लोग एक साथ बैठकर खाना खाना चाहते हैं, क्योंकि उनके पापा करीब 1 साल बाद उनके साथ होंगे।

जेल से रिहा होने के बाद सियासत में भूमिका को लेकर पूछे गए सवाल पर करण सिद्धू ने कहा कि जब भी पापा नीचे से ऊपर आते हैं, तो हमेशा उनकी वापसी बड़ी जोरदार होती है। एक्टिव सियासत में वह अपनी सेहत पर ध्यान नहीं रख पाए थे, इसलिए उन्होंने इस एक साल में जेल में सबसे ज्यादा अपनी सेहत पर ध्यान दिया।

उन्होंने अपना भार घटाया है। मेडिटेशन की है। उन्हें काफी कुछ सोचने का समय मिला है, इसलिए बाहर आकर वह क्या रुख अपनाते हैं, यह तो उनके बाहर आने के बाद ही पता चलेगा।

केंद्र ने पर्यावरण ...

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जन जाति आयोग के अध्यक्ष हर्ष चौहान ने चार पन्नों का खत पर्यावरण और वन मंत्री को लिखा है। उसमें कहा गया है जो संशोधन ला रहे हैं वो जनजाति के आदिवासी के हित में नहीं है। आदिवासी के जो कानूनी अधिकार हैं उसको छीन लिया जायेगा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि चिपको आन्दोलन जिसका नेतृत्व किया गौरा देवी ने और प्रॉजेक्ट टाइगर इसका नेतृत्व किया पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दोनों संरक्षण अभियान 50वीं सालगिरह है। इसलिए आज हम इन्हें याद कर रहे हैं। दोनों प्रोजेक्ट पर्यावरण के संरक्षक साबित हुए।

उन्होंने पीएम मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी कैमरा जीवी नहीं थी। उनकी कुछ दुर्लभ तस्वीरें हैं, जो वन्य जीवों के साथ है। इसके लिए वो कभी रिजर्व नहीं गईं। उन्होंने (इंदिरा गांधी) पर्यावरण संरक्षण के लिए जो काम किया, वे मील के पत्थर हैं। विकास और पर्यावरण के बीच एक तालमेल होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हमारे जो घने जंगल बचे हैं, वे इंदिरा जी द्वारा बनाए गए कानूनों की वजह से बचे हैं। मोदी सरकार इन नियमों को कमजोर करना चाहती है। जो जंगल में रहते हैं पहले उनका हक होना चाहिए। गौरतलब है कि बजट सत्र के दूसरे चरण में वन संरक्षण अधिनियम-1980 में संशोधन करने वाले इस विधेयक को केंद्रीय मंत्री ने संसद की संयुक्त समिति को भेजने का प्रस्ताव रखा और सदन ने इस प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूरी दे दी थी।

जम्मू-कश्मीर में ...

जो कि देश में दूसरी सबसे लंबी अवधि है। पिछले महीने तक पंजाब राष्ट्रपति शासन में दूसरे पर था, जो अब तीसरे पर है।

विपक्ष बोला, भाजपा को कवच दे रहा चुनाव आयोग :

नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा, राज्य में चुनाव हुए 8 साल और राज्य में निर्वाचित सरकार को गए 5 साल हो चुके हैं। ये साफ है कि भाजपा लोगों का सामना करने से डर रही है, लेकिन उसे कवच देने का काम चुनाव आयोग का नहीं है। जेके पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के वाइस प्रेसीडेंट बशारत बुखारी ने कहा कि पिछली बार वे खराब मौसम की दुहाई दे रहे थे। अब नया बहाना ला रहे हैं। चुनाव में देरी का मकसद लोगों के अधिकार छीनना है।

चुनाव पर असर नहीं

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि 1 अक्टूबर को पात्रता की तारीख मानते हुए मतदाता सूची की समीक्षा की गई थी, जबकि बाकी देश में 1 अक्टूबर पात्रता की तारीख थी। नए सिरे से जांच की प्रक्रिया मतदाता सूचियों के मामले में बाकी देश के बराबरी पर जाने के लिए है। इससे चुनाव कार्यक्रम प्रभावित नहीं होगा।

पंजाब किंग्स ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 7 रनों से हराया (डी/एल मेथड)

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (IPL-16) के दूसरे मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स को जीत के लिए 192 रन का टारगेट दिया है। जवाब में कोलकाता ने 16 ओवर में 7 विकेट पर 146 रन बना लिए हैं। शार्दुल ठाकुर और सुनील नरेन नाबाद हैं। फिलहाल, बारिश के कारण खेल रुका हुआ है। DLS मैथड के अनुसार अभी कोलकाता 7 रन से पीछे हैं।

वेंकटेश अय्यर 34 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें अर्शदीप सिंह ने चाहर के हाथों कैच कराया। यह अर्शदीप का तीसरा विकेट है। उन्होंने अनुकूल रॉय (4 रन) और मंदीप सिंह (2 रन) को आउट किया।

आंद्रे रसेल 35 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें सैम करेन ने सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया। इससे पहले, रिंकू सिंह 4 रन, कप्तान कप्तान नितिश राणा 24 रन, विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज 22 रन पर आउट हुए।

ऐसे गिरे कोलकाता के विकेट

पहला: दूसरे ओवर की पहली बॉल पर अर्शदीप ने मंदीप को सैम करेन के हाथों कैच कराया। दूसरा : दूसरे ओवर की आखिरी बॉल पर अर्शदीप ने अनुकूल रॉय को सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया। तीसरा : नाथन एलिस ने गुरबाज को 5वें ओवर की दूसरी बॉल पर बोल्ड कर दिया। चौथा: 10वें ओवर की दूसरी बॉल पर सिकंदर रजा ने नितिश राणा को चाहर के हाथों कैच कराया। पांचवां : 11वें ओवर की पहली बॉल पर राहुल चाहर ने रिंकू सिंह को सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया। छठा : 15वें ओवर की 5वीं बॉल पर सैम करेन ने रसेल को सिकंदर रजा के हाथों कैच कराया।

192 रन का टारगेट चेज करने उतरी कोलकाता की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने शुरुआती 6 ओवर में 46 रन बनाने में तीन विकेट गंवा दिए।

मोहाली के मैदान पर टॉस हारकर बैटिंग करते हुए पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 191 रन बनाए। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे ने 32 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली, जबकि कप्तान शिखर धवन ने 29 बॉल पर 40 रन बनाए। दोनों के बीच 55 गेंदों पर 86 रन की साझेदारी हुई। इससे पहले, ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 23 रन बनाते हुए टीम को तेज शुरुआत दिलाई। टिम साउदी को दो विकेट मिले। उमेश यादव, सुनील नरेल और वरुण चक्रवर्ती को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षे और कप्तान शिखर धवन ने दूसरे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। दोनों ने 55 बॉल पर 86 रन जोड़े।

महिला मुक्के बाजी टीम के चीफ कोच समेत 16 को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक का पुरस्कार

खेल मंत्री ने किया सम्मानित

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। खेल मंत्री ने पद्म श्री बने और पूर्व साई कोच गुरचरण सिंह, रानी रामपाल, दिग्गज एथलीट रहे कैप्टन श्रीराम सिंह, ऊंची कूद में पैरालंपिक का स्वर्ण जीतने वाले टी मरियप्पन, 1998 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दिवंगत डिंको सिंह को सम्मानित किया।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के स्थापना दिवस पर 16 प्रशिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक का पुरस्कार दिया। यही नहीं खेल मंत्री ने हॉकी खिलाड़ी रानी रामपाल, क्रिकेट कोच गुरचरण सिंह समेत पांच पद्म श्री प्रशिक्षकों को भी सम्मानित किया। विश्व महिला मुक्केबाजी में चार स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के चीफ कोच भास्कर भट्ट समेत 16 प्रशिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षक चुने जाने के लिए 50 हजार रुपये का कैश अवार्ड मिला।

स्थापना दिवस पर प्रशिक्षकों के सम्मान में जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। खेल मंत्री ने पद्म श्री बने और पूर्व साई कोच गुरचरण सिंह, रानी रामपाल, दिग्गज एथलीट रहे कैप्टन श्रीराम सिंह, ऊंची कूद में पैरालंपिक का स्वर्ण जीतने वाले टी मरियप्पन, 1998 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता दिवंगत डिंको सिंह को सम्मानित किया। डिंको केलिए उनकी पत्नी बबई देवी ने अवार्ड लिया।

विक्रम चोपड़ा, हरसेन दो वर्ष के लिए चुने गए सर्वश्रेष्ठ कोच

वर्ष 2020-21 के लिए हॉकी टीम के हाई परफॉरमेंस मैनेजर पीयूष कुमार दुबे, पैराएथलेटिक कोच सुनील तंवर, गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में बैडमिंटन कोच केएस हरसेन, शूटिंग कोच दीपक कुमार दुबे, शॉटगन शूटिंग कोच विक्रम चोपड़ा को सर्वश्रेष्ठ कोच का अवार्ड मिला। 2021-22 केलिए मुक्केबाजी कोच भास्कर भट्ट, तीरंदाजी कोच रामअवधेश, तलवारबाजी कोच तुकाराम मेहात्रा, जूडो कोच अमित विज, बैडमिंटन कोच केएस हरसेन, वूशु कोच नागेश और रत्नेश सिंह ठाकुर, जिम्नास्टिक कोच विशाल दीप, शूटिंग कोच विक्रम चोपड़ा, एथलेटिक्स कोच गुरमीत सिंह और पैरा पावरलिफ्टिंग कोच राजेंदर सिंह रहेलू को सर्वश्रेष्ठ कोच का अवार्ड मिला।

मैड्रिड स्पेन मास्टर्स: पीवी सिंधू सेमीफाइनल में पहुंचीं, श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में बाहर

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दूसरी वरीयता प्राप्त 27 साल की सिंधू चोट के कारण लंबे समय बाद इस साल लौटी हैं और इस साल शुरुआती टूर्नामेंटों के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थी। दो बार ओलंपिक पदक जीत चुकीं भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधू मैड्रिड स्पेन मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंच गईं। पुरुष एकल में किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हार के साथ बाहर हो गए। सिंधू इस वर्ष पहली बार किसी टूर्नामेंट के अंतिम चार दौर में पहुंचने में सफल रही हैं। पीवी ने डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड को 21-14, 21-17 से हराया।

श्रीकांत को शीर्ष वरीय जापान के केंता निशिमोतो के हाथों 18-21, 15-21 से हार मिली। यह उनकी इस जापानी खिलाड़ी के खिलाफ तीसरी हार है। दूसरी वरीयता प्राप्त 27 साल की सिंधू चोट के कारण लंबे समय बाद इस साल लौटी हैं और इस साल शुरुआती टूर्नामेंटों के दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थी। पूर्व विश्व चैंपियन ने पहले गेम में पूरे दबदबे के साथ जीत हासिल की। दूसरे गेम में वह पिछड़ रही थी लेकिन 6-12 से वापसी करते हुए सीधे गेमों में मैच जीत लिया। सेमीफाइनल में सिंधू की टक्कर सिंगापुर की गैर वरीय यिओ जिया मिन से होगी।

आईपीएल में पंत और बुमराह के रिप्लेसमेंट घोषित

दिल्ली कैपिटल्स ने अभिषेक पोरेल, मुंबई इंडियंस ने संदीप वॉरियर को किया शामिल

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स ने चोटिल ऋषभ पंत की जगह पर अभिषेक पोरेल और मुंबई इंडियंस ने जसप्रीत बुमराह की जगह संदीप वारियर को टीम में शामिल किया है। दिल्ली ने 20 साल के विकेटकीपर पोरेल को शामिल किया है। पोरेल ने हाल ही में अपना घरेलू करियर शुरू किया है। पोरेल 20 लाख रुपये में दिल्ली कैपिटल्स में शामिल हो गए हैं। वहीं मुंबई ने संदीप वारियर को 50 लाख रुपये में टीम में जगह दी है।

ऋषभ पंत पिछले साल कार दुर्घटना का शिकार हो गए थे जिसकी वजह से उन्हें आईपीएल के इस सीजन से बाहर होना पड़ा था। वहीं जसप्रीत बुमराह भी आईपीएल 2023 में अपनी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उन्हें बैक इंजरी है।

पोरेल का क्रिकेट करियर

पोरेल को असली पहचान पिछले रणजी ट्रॉफी में मिली। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने कुछ अर्धशतक लगाए है। हालांकि विकेटकीपिंग में उन्होंने खासा प्रभावित किया। पोरेल ने अभी तक सिर्फ 3 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 22 गेंदों में कुल 22 रन बनाए हैं। वहीं 16 फर्स्ट क्लास मैचों में 6 अर्धशतक समेत 695 रन बनाए हैं। पोरेल ने 58 कैच और 8 स्टंपिंग की हैं।

संदीप का क्रिकेट करियर

भारत के लिए खेल चुके संदीप वारियर ने अब तक 68 टी20 खेले हैं और 62 विकेट लिए हैं। वह पहले कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का हिस्सा थे, जिन्होंने 5 आईपीएल मैच खेले थे। जिसमें दो विकेट वे निकाल चुके हैं। आईपीएल 2021 में उन्होंने दिल्ली के खिलाफ शारजाह में अपना आखिरी मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था।

स्टेडियम धोनी...धोनी से गूंजा, सिंगर अरिजीत ने पैर छुए

आईपीएल में पहली बार नो-वाइड बॉल पर डिआरस, तुषार बने पहले इम्पैक्ट प्लेयर

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन का शुक्रवार को आगाज हुआ। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया। मैच के दौरान IPL में तीन चीजें पहली बार देखी गईं। इम्पैक्ट प्लेयर लाए गए और नो बॉल - वाइड बॉल के लिए रिव्यू भी लिया गया।

टॉस जीत कर पहले फील्डिंग करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 5 विकेट से मुकाबला जीत लिया।

इसके अलावा मैच में कई मोमेंट्स देखने को मिले जो कि चर्चा में रहे। मैच में सीएसके के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बैटिंग के लिए क्रीज पर आते ही स्टेडियम में 'धोनी...धोनी' गूंज उठा। ऋतुराज गायकवाड़ के आउट होने पर कॉन्ट्रोवर्सी हुई। केन विलियमसन कैच लेने की कोशिश में इंजर्ड हो गए और सीएसके के तुषार देशपांडे आईपीएल इतिहास के पहले इम्पैक्ट प्लेयर बने। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे...

तुषार देशपांडे आईपीएल के पहले इम्पैक्ट प्लेयर

पहली पारी खत्म होने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स ने तुषार देशपांडे को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल किया। वह आईपीएल के पहले इम्पैक्ट प्लेयर बने और उन्होंने बैटर अंबाती रायुडू को रिप्लेस किया। हालांकि, तुषार कुछ खास इम्पैक्ट नहीं डाल सके। उन्होंने 3.2 ओवर में 51 रन दिए और एक ही विकेट ले सके।

वहीं गुजरात ने इंजर्ड केन विलियमसन की जगह साई सुदर्शन को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल किया।

उन्होंने 17 बॉल पर 22 रन बनाए। सुदर्शन के विकेट के वक्त गुजरात का स्कोर 90/2 था और टीम को 66 बॉल में 89 रन की जरूरत थी। राहुल तेवतिया और राशिद खान की नाबाद पारियों से गुजरात ने 19.2 ओवरों में 5 विकेट से मैच जीत लिया। तेवतिया ने विनिंग शॉट लगाया।

मियामी ओपन : लगातार 10वीं जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंचे अल्कारेज

टूर्नामेंट में अभी तक नहीं हारे कोई सेट

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में कार्लोस अल्कारेज ने टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 6-2 से हराया। इसके साथ ही उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस टूर्नामेंट में वह अब तक कोई सेट नहीं हारे हैं। इस साल 19 मैचों में 18 उन्होंने अपने नाम किए हैं। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। स्पेनिश खिलाड़ी अल्कारेज ने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 10वें नंबर के खिलाड़ी अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 6-2 से हराया। अल्कारेज अभी तक इस टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं हारे हैं और उन्होंने लगातार 10वीं जीत दर्ज की है। स्पेनिश खिलाड़ी ने मुकाबला एक घंटे 18 मिनट में अपने नाम कर लिया। अंतिम-चार में अल्कारेज का सामना यानिक सिनर से होगा।

अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में डेनियल मेदवेदेव ने पुरुष एकल में अमेरिका के क्वालिफायर खिलाड़ी क्रिस यूबैंक्स को 6-3, 7-5 से सीधे सेटों में शिकस्त दी। अब सेमीफाइनल में उनका सामना कारेन खचानोव से होगा। खचानोव ने अपने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में फ्रांसिस्को सेरुंडोलो 6-3, 6-2 से हराया।

मैच के बाद कार्लोस अल्कारेज ने कहा ₹मैं मैच की शुरुआत में थोड़ा घबराया हुआ था, लेकिन जीत हासिल करके खुश हूं। फ्रिट्ज अच्छे खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना मेरे लिए नया था।₹

रायबाकिना ने बनाई फाइनल में जगह

महिला एकल के सेमीफाइनल में कजाखस्तान की खिलाड़ी एलिना रायबाकिना ने अमेरिकी खिलाड़ी जेसिक पेगुला को 7-6 (3), 6-4 से हराकर मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई। बारिश से बाधित इस मैच में रायबाकिना ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की। खिताबी मुकाबले में रायबाकिना का सामना पांचवीं वरीयता प्राप्त पेत्रा क्वितोवा और गैरवरीय सोराना क्रिस्टी के बीच होने वाले अन्य सेमीफाइनल के मुकाबले की विजेता से होगा।

केन विलियमसन आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर

पहले मुकाबले में चेन्नई के खिलाफ घुटने में लगी थी चोट

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल के पहले मुकाबले के बाद ही गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार प्लेयर केन विलियमसन घुटने की चोट की वजह से आईपीएल से बाहर हो गए हैं। न्यूज वेबसाइट स्पोर्ट्स तक के मुताबिक केन की चोट सीरियस है और वह आगे टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे।

शुक्रवार को आईपीएल के पहले मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ बाउंड्री लाइन पर कैच लेने की कोशिश में विलियमसन चोटिल हो गए थे। उनके दाएं घुटने में चोट लगी है। दूसरी पारी में चोट के कारण विलियमसन ने बल्लेबाजी भी नहीं की। उनकी जगह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में साई सुदर्शन आए थे।

टीम के प्लेयर उठा कर ड्रेसिंग रूम में ले गए

13वें ओवर की तीसरी बॉल गुजरात के जोशुआ लिटिल ने शॉर्ट पिच फेंकी। चेन्नई के गायकवाड ने शॉट खेला, बॉल मिड-विकेट की ओर गई। बाउंड्री पर खड़े विलियमसन ने जंप मारकर कैच लेने की कोशिश की। विलियमसन ने छक्का तो नहीं होने दिया, लेकिन अपना घुटना इंजर्ड करा लिया।

फिजियो और टीम के बाकी प्लेयर्स उन्हें मैदान से उठाकर ड्रेसिंग रूम में ले गए। वह मैच में फिर फील्डिंग और बैटिंग करने नहीं उतरे। उनकी जगह गुजरात ने साई सुदर्शन को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में शामिल किया और उन्ही से बैटिंग भी कराई। इस इंजरी के वक्त चेन्नई का स्कोर 120/3 था।

केन विलियमसन के आईपीएल में 18 अर्धशतक

केन विलियमसन ने आईपीएल में 2015 में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने टूर्नामेंट में 77 मैच खेले और 18 अर्धशतक जमाए हैं।

विंबलडन में खेल सकेंगे रूस और बेलारूस के खिलाड़ी, तीन जुलाई से शुरू होगा टूर्नामेंट

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑल इंग्लैंड क्लब ने कहा कि खिलाड़ी अपने देश रूस और बेलारूस से फंड भी नहीं लेंगे। अन्य टेनिस टूर्नामेंटों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलने की अनुमति दी हुई है।

रूस और बेलारूस के खिलाड़ी ग्रैंडस्लेम टूर्नामेंट विंबलडन में तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलते दिखाई देंगे। ऑल इंग्लैंड क्लब ने शुक्रवार को रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर पिछले साल लगाए प्रतिबंध को हटा दिया है। खिलाड़ियों को शर्तों के साथ टूर्नामेंट खेलने की अनुमति मिली है। वे यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का समर्थन नहीं करेंगे।

ऑल इंग्लैंड क्लब ने कहा कि खिलाड़ी अपने देश रूस और बेलारूस से फंड भी नहीं लेंगे। अन्य टेनिस टूर्नामेंटों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलने की अनुमति दी हुई है। इस साल विंबलडन की शुरुआत तीन जुलाई से होगी। महिला एकल का फाइनल 15 जुलाई और पुरुष एकल का फाइनल 16 जुलाई को होगा।

पिछले साल यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों पर राष्ट्रीय ध्वज, प्रतीकों के इस्तेमाल और राष्ट्रगान गाने पर प्रतिबंध लगा दिया था। यूक्रेन पर हमला करने में बेलारूस भी रूस की मदद कर रहा है। भारत में हुई आईबीए महिला विश्व चैंपियनशिप में रूस और बेलारूस के मुक्केबाज अपने-अपने देशों के झंडे के साथ खेले थे। अब विंबलडन ओपन में भी दोनों देशों के खिलाड़ियों को खेलने की अनुमति मिली हुई है।

रेलवे हॉकी चैम्पियनशिप में भुवनेश्वर विजेता

आरसीएफ कपूरथला को 2–1 से हराकर जीती ट्रॉफी ; देश भर से 8 टीमों ने लिया भाग

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के कपूरथला में रेल कोच फैक्टरी के सिंथेटिक टर्फ हॉकी स्टेडियम में हुई 80वीं ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हॉकी चैम्पियनशिप ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर की टीम ने अपने नाम कर ली है। फाइनल में ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर की टीम ने आरसीएफ कपूरथला को 2-1 से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर किया है। इससे पहले साउथ सेंट्रल रेलवे सिकंदराबाद ने सेंट्रल रेलवे मुंबई को 5-1 से शिकस्त देकर कांस्य पदक अपने नाम कर लिया। आरसीएफ में इस चैम्पियनशिप की नॉक आउट स्टेज खेली गई और इसमें समस्त रेलवे से आठ टीमों ने भाग लिया। अमित रोहिदास व अन्य कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने इस चैम्पियनशिप में अपने खेल के जौहर दिखाए। चैम्पियनशिप में मेजबान रेल कोच फैक्टरी कपूरथला सहित ईस्ट कोस्ट रेलवे भुवनेश्वर, साउथ वेस्टर्न रेलवे हुबली, इंटीग्रल कोच फैक्टरी चेन्नई, साउथ सेंट्रल रेलवे सिकंदराबाद, वेस्टर्न रेलवे मुंबई, साउथ ईस्टर्न रेलवे कोलकाता और सेंट्रल रेलवे मुंबई की टीमों ने भाग लिया। मैच की समाप्ति पर पुरस्कार वितरण समारोह हुआ जिसकी अध्यक्षता आरसीएफ के जीएम अशेष अग्रवाल ने की। श्री अग्रवाल ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि समस्त खिलाड़ियों ने सभी मैचों में बहुत उच्च कोटि के खेल का प्रदर्शन किया। जीएम ने कहा कि आरसीएफ के लिए सौभाग्य की बात रही कि कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी सहित भारतीय रेल के अनुभवी और नए खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि यह आरसीएफ के लिए बहुत खुशी की बात है कि रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड की तरफ से बीते कुछ वर्षों से ऑल इंडिया रेलवे पुरुष और महिला हॉकी चैम्पियनशिप रेल कोच फैक्टरी में करवाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि आरसीएफ का सिंथेटिक टर्फ हॉकी स्टेडियम देश के बेहतरीन हॉकी स्टेडियमों में से एक है। यह टूर्नामेंट पहली बार फ्लड लाइट्स की रोशनी में खेला गया है।

साइबराबाद पुलिस के हत्थे चढा हरियाणा का शख्स

66.9 करोड़ लोगों का गोपनीय डेटा रखने का आरोप

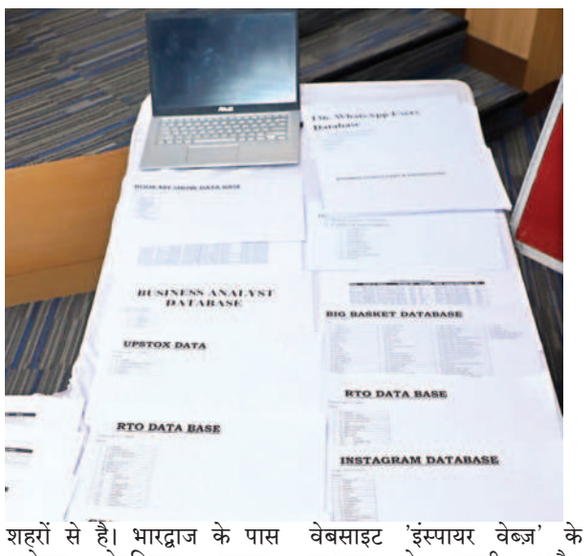

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डेटा चोरी से संबंधित एक और मामले में साइबराबाद पुलिस ने हरियाणा के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया, जिसके पास कथित रूप से देश के लगभग 66.9 करोड़ व्यक्तियों का अवैध "गोपनीय डेटा' है और इसे धोखेबाजों को प्रदान कर रहा था। इसमें लगभग 56 लाख हैदराबाद के नागरिकों का डेटा शामिल है।

गिरफ्तार व्यक्ति विनय भारद्वाज, जो फरीदाबाद, हरियाणा से अपने कार्यालय का संचालन कर रहा था और कथित तौर पर आमेर सोहेल और मदन गोपाल से डेटा बेस एकत्र किया था, दोनों फरार थे।

साइबराबाद के पुलिस आयुक्त, स्टीफन रवींद्र ने बताया कि संदिग्ध के पास छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, रक्षा कर्मियों, सरकारी कर्मचारियों, क्रेडिट और डेबिट कार्ड धारकों, डी-एमएटी खाता धारकों और पैन कार्ड सहित समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों का डेटा है। 66.9 करोड़ व्यक्तियों और संगठनों का डेटा 24 राज्यों और आठ भारतीय शहरों से है। भारद्वाज के पास अमेजन, नेटफ्लिक्स, यूट्यूब, पेटीएम, फोनपे, बिग बास्केट, बुक माय शो, इंस्टाग्राम, जोमैटो, पॉलिसी बाजार, अपस्टॉक्स, बायजूस और वेदांता आदि का उपभोक्ता व ग्राहक डाटा बेस है।

पुलिस ने पाया कि भारद्वाज एक वेबसाइट 'इंस्पायर वेब्ज़' के माध्यम से अपनी अवैध गतिविधियों का संचालन कर रहा था और क्लाउड ड्राइव के माध्यम से अपने ग्राहकों को डेटाबेस बेच रहा था। स्टीफन रवींद्र ने कहा कि डेटा को बैंकों, बीमा और वित्तीय सेवाओं, डॉक्टरों, सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, दूरसंचार, ट्रेडिंग और स्टॉक ब्रोकिंग, परामर्श सेवाओं सहित विभिन्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है। उसके पास रक्षा कर्मियों का डेटा भी मिला है। इसमें व्यक्तिगत जानकारी शामिल है जिसमें फोन नंबर, आवासीय पता, ईमेल आईडी, जन्म तिथि आदि शामिल हैं, उन स्रोतों के बारे में जांच की जा रही है जिनके माध्यम से भारद्वाज इतने बड़े डेटा को इकट्ठा करने में कामयाब रहे।

पिछले महीने पुलिस ने इसी तरह की ठगी में शामिल एक गिरोह को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पाया था कि गिरोह लगभग 16 करोड़ व्यक्तियों का डेटा प्राप्त करने में कामयाब रहा और कथित तौर पर इसे धोखेबाजों सहित कई व्यक्तियों के साथ साझा किया। मामले की जांच के लिए साइबराबाद आयुक्त द्वारा एक डीसीपी रैंक के अधिकारी की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था।

नैनी कोयला खदान से रेलवे लाइन बिछाएगा एससीसीएल

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगारेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) बोर्ड ने कोयले के परिवहन के लिए ओडिशा के अनगुल जिले में स्थित नैनी कोयला ओपनकास्ट खदान से निकटतम रेलवे स्टेशन तक रेलवे लाइन बिछाने का निर्णय लिया है।

कंपनी के सीएमडी एन श्रीधर की अध्यक्षता में हुई 566वीं सिंगरेनी निदेशक मंडल की बैठक में निर्णय लिया गया कि रेलवे लाइन बिछाए जाने तक देश भर के विभिन्न ग्राहकों को कोयले की आपूर्ति के लिए कोयले को ट्रकों के माध्यम से पास के हंडापा रेलवे स्टेशन तक पहुँचाया जाएगा। श्रीधर ने कहा कि कंपनी नैनी कोयला ओपनकास्ट खदान से प्रति वर्ष 1 करोड़ टन कोयले का उत्पादन करने की योजना बना रही है। बोर्ड ने रामागुंडम ओसी-2 विस्तार परियोजना और कोयागुडेम ओपनकास्ट खानों के ओवरबर्डन को हटाने को भी मंजूरी दी। बोर्ड ने प्रति दिन 35 मिलियन लीटर गोदावरी के पानी को शुद्ध करने के लिए रैपिड ग्रेविटी फिल्टर बेड के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपये भी मंजूर किए।

निखत ज़रीन का आरजीआई एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दो बार की बॉक्सिंग वर्ल्ड चैंपियन निखत जरीन का शनिवार को शमशाबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भव्य स्वागत किया गया। निखत ज़रीन ने विश्व चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण जीतने वाली मैरी कॉम के बाद पहली भारतीय मुक्केबाज़ बनने का इतिहास रचा। उसने वियतनाम की गुयेन रो टैम के खिलाफ 5-0 की जीत के साथ अपना दूसरा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप स्वर्ण जीता और 26 मार्च को नई दिल्ली में खिताब बरकरार रखा, यह उपलब्धि हासिल करने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला बन गई।

खेल और संस्कृति मंत्री वी. श्रीनिवास गौड़, तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष अंजनेय गौड़ और उनके परिवार के सदस्यों ने उनकी उपलब्धि के लिए हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री श्रीनिवास गौड ने कहा कि पूरे तेलंगाना के लोगों को निखत जरीन की उपलब्धि पर गर्व है और उनका रिकॉर्ड इतिहास में रहेगा। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने भी उन्हें अपनी विशेष शुभकामनाएं दी हैं और वह जल्द ही निखत ज़रीन को सम्मानित करेंगे। इसके अलावा, राज्य सरकार ने पहले ही बॉक्सिंग चैंपियन को एक डीसीपी पद की पेशकश की है और यह निखत ज़रीन को हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

निखत ज़रीन ने समर्थन देने के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि वह आने वाले दिनों में राज्य और देश के लिए कई और पुरस्कार लाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी।

आईपीएल मैच : वाहन पार्किंग के लिए व्यापक योजना के साथ आई राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर में आईपीएल मैचों के लिए, राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस वाहनों की पार्किंग के लिए एक व्यापक योजना लेकर आई है और सामान्य यातायात और स्टेडियम की ओर जाने वालों के लिए उचित यातायात नियमन सुनिश्चित करती है।

राचकोंडा डीसीपी ट्रैफिक, डी. श्रीनिवास ने कहा कि मैच होने वाले दिनों में कुल 215 ट्रैफिक कर्मियों को तैनात किया जाएगा। पार्किंग की जगहों की पहचान कर ली गई है और मोटर चालकों की सुविधा के लिए साइनेज लगाए जाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारी वाहनों को छोड़कर सामान्य यातायात की आवाजाही पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा। उप्पल चौराहे से जेनपैक्ट जाने वाले यात्री वैकल्पिक रूप से सड़क संख्या 8 के माध्यम से रामनाथपुर से हब्सिगुड़ा जंक्शन तक सड़क का उपयोग कर सकते हैं।

1 जून को फिर से खुलेंगे तेलंगाना में जूनियर कॉलेज

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के जूनियर कॉलेज 1 जून को फिर से खुलेंगे, जिसमें इंटरमीडिएट प्रथम और द्वितीय वर्ष की कक्षाएं शुरू होंगी। शनिवार को तेलंगाना स्टेट बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन (टीएस बीआईई) द्वारा जारी शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए अस्थायी शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, जूनियर कॉलेजों में 19 से 25 अक्टूबर तक दशहरा की छुट्टियां और 13 से 16 जनवरी तक संक्रांति की छुट्टियां होंगी। इंटरमीडिएट शिक्षा के लिए कुल 227 संभावित कार्य दिवसों की गणना की गई।

सासाराम और नालंदा में फिर हिंसा

बम फेंके, गोलियां चलीं : नालंदा में 30 राउंड फायरिंग, 3 को गोली लगी, एक की मौत, बिहारशरीफ में कर्फ्यू

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के सासाराम और नालंदा में शनिवार को भी हिंसा हुई। नालंदा के बिहार थाना क्षेत्र में दो पक्षों के बीच गोलीबारी हुई है। इसमें 3 लोगों को गोली लगी है। बाद में इनमें से एक की मौत हो गई।

नालंदा में शुक्रवार को जहां हिंसा हुई थी वहां से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर आज हिंसा हुई है। इस दौरान करीब 30 राउंड फायरिंग की गई। पुलिस मौके पर पहुंची लेकिन तब दोनों पक्षों से कोई वहां मौजूद नहीं था। जिन्हें गोली लगी है उनमें से 2 अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं एक की मौत हो गई है। पुलिस पर भी पथराव हुआ है। बीडीओ अंजन दत्ता ने बताया कि नालंदा के बिहारशरीफ में कर्फ्यू लगा दिया गया है।

इधर, सासाराम के सफ्फुलागंज में शनिवार शाम को फिर बम फेंके गए। इसके बाद पुलिस ने इलाके के घरों में सघन तलाशी अभियान चलाया है। इसमें 8 और लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस तरह अब तक कुल 25 लोगों को पुलिस

ने अपनी गिरफ्त में लिया है।

मुंगेर में शनिवार को प्रतिमा विसर्जन के दौरान विवाद हो गया है। दो पक्षों के बीच पथराव और मारपीट हुई है। पुलिस की गाड़ी में भी तोड़फोड़ की गई है। कई लोग जख्मी हैं। दो गांव में तनाव को देखते हुए एसडीएम, डीएसपी सहित कई थानों की टीम मौके पर पहुंच गई है। मामला नयारामनगर थाना क्षेत्र के गढ़ीरामपुर गांव का है।

बिहार के 4 जिले रोहतास, नालंदा, भागलपुर और गया में रामनवमी की शोभायात्रा को लेकर शुक्रवार को हिंसक झड़प हुई थी। इस घटना के बाद पुलिस फोर्स तैनात की गई है। सासाराम में फिलहाल 5 आईपीएस अधिकारियों की तैनाती की गई है। नालंदा में धारा 144 लागू है। इंटरनेट बंद है। गया और भागलपुर में फोर्स की तैनाती की गई है। नालंदा, सासाराम और गया से अब तक 61 लोगों की गिरफ्तार की गई है। मुंगेर में शनिवार को हिंसा की वारदात सामने आई।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि रामनवमी शोभायात्रा के दौरान जो घटना हुई है, जो दुख की बात है। हमें कल जैसे ही पता चला अलर्ट होकर तेजी से काम किया। उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ये किसी ने जानबूझकर किया है। हमने निर्देश दिया है कि इस बारे में पूरा पता लगाया जाए। केंद्रीय मंत्री गिरीराज सिंह ने ट्वीट कर लिखा कि बिहार में रहने के लिए अब हिंदुओं को जज़िया टैक्स देना होगा नहीं तो पलायन करना होगा।

भाई की हत्या के बाद आत्महत्या का प्रयास

कोठागुडेम, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चंद्रगोंडा मंडल के गणुगपडु में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपने भाई की पीट-पीटकर हत्या कर दी और फिर आत्महत्या करने का प्रयास किया। कथित तौर पर नशे में धुत चेवुला कृष्णर्जुन राव का अपने छोटे भाई रामाराव (30) से झगड़ा हुआ और बाद में उसे डंडे से बुरी तरह पीटा। रामा राव, जो बेहोश हो गए तथा उन्हें कोठागुडेमके जिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया और इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। अपने भाई की मृत्यु के बारे में जानने के बाद कृष्णार्जुन राव सुजाता नगर गए और कीटनाशक का सेवन किया और अपने परिवार के सदस्यों को अपने चरम कृत्य की जानकारी दी। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज किया जा रहा है।

बाघों की सुरक्षा के लिए वनों का संरक्षण जरूरी : संतोष कुमार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक और बीआरएस सांसद संतोष कुमार ने प्रोजेक्ट टाइगर की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संदेश में कहा कि केंद्र सरकार ने देश भर में वनों और बाघों की सुरक्षा के लिए 1973 में प्रोजेक्ट टाइगर की शुरुआत की थी।

अप्रैल-1 को टाइगर बचाओ आंदोलन के 50 वर्ष पूरे हो रहे हैं। देश में प्रोजेक्ट टाइगर के तहत उठाए गए कदमों के कारण बाघों की आबादी में काफी वृद्धि हुई है। प्रोजेक्ट टाइगर के लॉन्च के समय दर्ज बाघों की संख्या केवल 1827 थी। 2022 तक, देश में बाघों की कुल संख्या 2967 तक पहुंच गई। टाइगर रिजर्व की संख्या भी 9 से बढ़कर 53 हो गई है, राज्यसभा सांसद और सदस्य वन और पर्यावरण पर संसदीय स्थायी समिति के सदस्य जे संतोष कुमार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर प्रोजेक्ट टाइगर के महत्व को साझा किया।

सांसद संतोष कुमार ने बाघ बचाओ आंदोलन की स्वर्ण जयंती के अवसर पर तेलंगाना के अमराबाद टाइगर रिजर्व द्वारा तैयार टाइगर बुक, टी-शर्ट और कॉफी मग स्मृति चिन्ह का विमोचन किया। सांसद ने कहा कि अमराबाद और कवाल बाघ अभयारण्य तेलंगाना सरकार और वन विभाग द्वारा बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित किए जाते हैं। नतीजतन, बाघों की संख्या में काफी वृद्धि हुई।

संतोष कुमार ने कहा कि ग्रीन इंडिया चैलेंज पहले से ही देश भर में हरित आवरण बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता पैदा करने का प्रयास कर रहा है। ग्रीन इंडिया चैलेंज भी बाघों के संरक्षण का समर्थन करेगा। सांसद संतोष कुमार ने कहा कि पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में बाघ की अहम भूमिका होती है। सांसद ने लोगों से आह्वान किया कि नई पीढ़ी को बाघ के संरक्षण के महत्व के बारे में शिक्षित करें और उन्हें जंगली बिल्ली के संरक्षण में जिम्मेदार बनाएं। कार्यक्रम में ग्रीन इंडिया के प्रतिनिधि करुणाकर, राघव और श्रीकांत बंधु ने भाग लिया।

आईएमए तेलंगाना ने किया आवश्यक दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी का विरोध

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आवश्यक दवाओं की कीमतों में वृद्धि का कड़ा विरोध करते हुए, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के तेलंगाना चैप्टर ने राज्य सरकार से बढ़ोतरी को अवशोषित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया है, ताकि लोग प्रभावित न हों।

आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. बीएन राव ने यहां जारी एक बयान में कहा कि शनिवार से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में तेज वृद्धि के कारण 384 आवश्यक दवाओं और 1,000 से अधिक फॉर्मूलेशन की कीमतों में 11 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की गई है।

मूल्य वृद्धि के कारण, उपभोक्ताओं को नियमित और आवश्यक दवाओं के लिए अधिक भुगतान करना होगा, जिसमें दर्द निवारक, संक्रमण-रोधी दवाएं, हृदय संबंधी दवाएं और एंटीबायोटिक्स शामिल हैं। आवश्यक दवाओं और जीवन रक्षक दवाओं की बहुत जरूरत है और यह केंद्र और राज्य सरकार दोनों की जिम्मेदारी है कि वे दवाओं की उपलब्धता और गरीब लोगों को वहन करने की क्षमता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह लगातार दूसरा वर्ष था जब डब्ल्यूपीआई गैर-अनुसूचित फॉर्मूलेशन (10%) के लिए वार्षिक अनुमत मूल्य वृद्धि से अधिक था, उन्होंने कहा कि इस तरह की भारी वृद्धि आवश्यक दवाओं पर मूल्य नियंत्रण को विकृत कर देगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.